3 | राजधानी
हाईटेक रिकॉर्ड रूम बनेगा एलडीए में

6 | अभिमत
जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र बहाल

11 | विदेश
हान कांग को साहित्य का नोबल पुरस्कार

12 | स्पोर्ट्स
इंग्लैंड पाकिस्तान पर जीत के करीब

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 346
लखनऊ, शुक्रवार, 11 अक्टूबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

# पायनियर

www.dailypioneer.com

मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं

राष्ट्रीय-9

# भारत के अनमोल रतन को दी अंतिम विदाई

टीएन रघुनाथ। मुंबई

**जब पूरा देश** अपने अनमोल रतन व दिग्गज उद्योगपति रतन नवल टाटा के निधन पर शोक में डूबा था, उस समय बृहस्पतिवार को हजारों मुंबईकरों ने टाटा संस के पूर्व मानद चेयरमैन को भावभीनी विदाई दी, जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर 12 किलोमीटर दूर नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) से अंतिम संस्कार के लिए वर्ली श्मशान घाट ले जाया गया। एक संक्षिप्त समारोह में पारसी परंपराओं के अनुसार प्रार्थना और अनुष्ठान करने के बाद, रतन टाटा के पार्थिव शरीर को वर्ली इलेक्ट्रिक श्मशान घाट के शवदाह गृह में पूरे राजकीय सम्मान और महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी गई सलामी के बीच अंतिम संस्कार किया गया।

इलेक्ट्रिक श्मशान घाट पर आयोजित अंतिम संस्कार मुंबई में रहने वाले पारसी समुदाय के सदस्यों की बदलती परंपराओं को दर्शाता है, जो पहले अपने प्रियजनों के अवशेषों को दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल में टॉवर ऑफ साइलेंस या डूंगरवाड़ी में दफनाते थे। रतन टाटा ने बुधवार रात करीब 11.30 बजे ब्रीच कैंडी अस्पताल में उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते अंतिम सांस ली। एक हफ्ते तक मीडिया में उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर अटकलें चलती रहीं। जीवन भर अविवाहित रहे टाटा अपनी मृत्यु के समय 86 वर्ष के थे। देश भर में हर वर्ग के लोगों को प्रभावित करने वाले रतन टाटा की खबर ने पूरे देश को शोक में डुबो दिया। लोगों ने उनके निधन पर शोक जताया और भारतीय उद्योग और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की प्रशंसा की। एनसीपीए में हजारों लोग दिग्गज उद्योगपति को श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे, वहीं दो लाख से ज्यादा लोग एनसीपीए से वर्ली श्मशान घाट तक 12 किलोमीटर लंबे अंतिम संस्कार जुलूस के रास्ते में कतार में खड़े थे या रास्ते में स्थित इमारतों की छतों से उन्हें अंतिम विदाई दे रहे थे। उनके अंतिम संस्कार से कुछ घंटे पहले, महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने एक विशेष बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र से रतन टाटा को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित करने की सिफारिश की गई, जिन्हें 2008 में भारत सरकार द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। राजकीय शोक के प्रतीक के रूप में, बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के सरकारी कार्यालयों पर राष्ट्रीय तिरंगा आधा झुका दिया गया। इससे पहले, बुधवार रात को उनके निधन के बाद, दिग्गज उद्योगपति के पार्थिव शरीर को ब्रीच कैंडी अस्पताल से दक्षिण मुंबई में उनके कोलाबा आवास पर ले जाया गया था। बाद में बृहस्पतिवार सुबह, उनके पार्थिव शरीर को उनके घर से ( शेष पृष्ठ 9 )

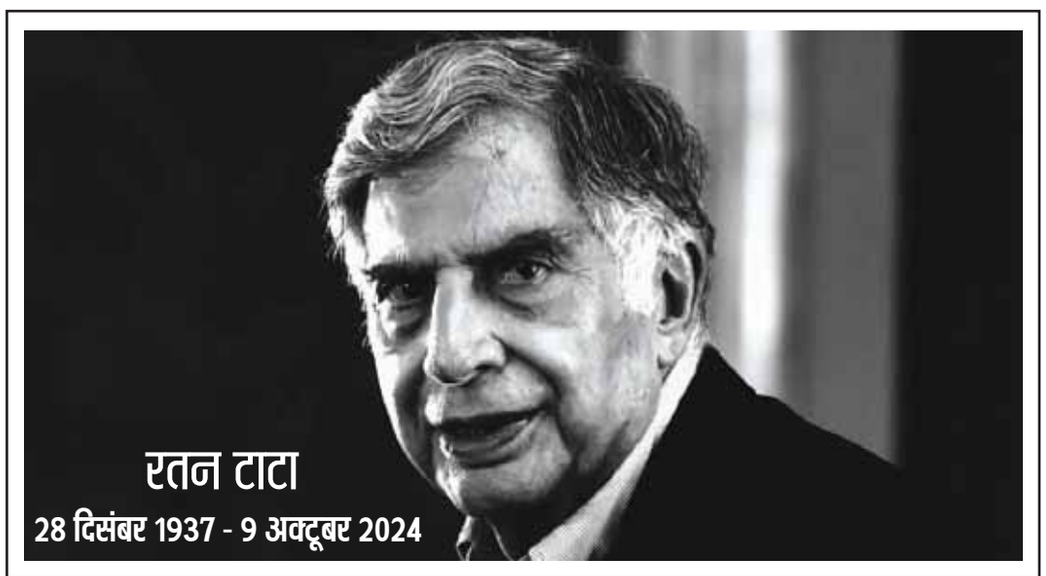


## पायनियर की श्रद्धांजलि

# अलविदा, मिस्टर टाटा

**भारतीय उद्योग** जगत के दिग्गज, भारत के सबसे बड़े कॉर्पोरेट नामों में एक रतन नवल टाटा का 9 अक्टूबर (बुधवार रात) को निधन हो गया और बृहस्पतिवार को उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। भले ही वे 86 वर्ष के थे और पिछले कुछ वर्षों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे, लेकिन उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। लेकिन यह आश्चर्यजनक है खासकर ऐसे देश में जहां पूंजीपतियों का अभी भी सम्मान नहीं किया जाता है उनके निधन पर भारत की आम जनता शोक संवेदना व्यक्त करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि दे रही है। रतन टाटा के परोपकार में अपार योगदान, आवारा कुत्तों सहित कुत्तों के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें देशवासियों के बीच इतना प्रिय बना दिया, जितना शायद ही कोई अन्य व्यक्ति कर पाया हो, सिवाय उनके चाचा जेआरडी टाटा के, जिनके बाद वे टाटा संस के अध्यक्ष बने थे।

मुंबई में 26/11 के भयावह हमलों के बाद जब ताज महल होटल में आतंकवादियों ने कई लोगों की हत्या कर उसे अपवित्र कर दिया था। उसके बाद रतन टाटा द्वारा की गई कार्रवाई ने लोगों के दिलों में उनके प्रति मान व सम्मान को और भी बढ़ा दिया। आंतकी हमले में जान गंवाने वाले कर्मचारियों के प्रियजनों के लिए उन्होंने न केवल यह सुनिश्चित किया कि वे निराश न हों, बल्कि उन्होंने सभी को मुआवजा दिया और उन्होंने यह भी तय किया कि होटल फिर से शीर्ष पर पहुंचे, जो हुआ भी।

रतन उदारीकरण के बाद के भारत के आदर्श व्यक्तित्व हैं। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह के उपक्रमों का विस्तार आक्रामक रूप से शुरू हुआ। चाहे वह सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की सफलता हो, जगुआर लैंड रोवर और टेटली टी का अधिग्रहण हो, टाटा स्टील की वैश्विक पहुंच हो या फिर 1990 के दशक के अंत में टाटा इंडिका के साथ भारतीय यात्री कार क्षेत्र में टाटा मोटर्स का विकास हो। यह सच है कि ताज समूह के संचालक इंडियन होटल्स आज भारत की सबसे बड़ी होटल श्रृंखला है, इसका श्रेय उनके नेतृत्व और इस तथ्य को जाता है कि उन्होंने खुद को बेहद बेहतर प्रबंधकों के साथ रखा। ( शेष पृष्ठ 9 )

## जमशेदपुर ने अपने आयरन मैन के निधन पर जताया शोक

दीपक कुमार झा। जमशेदपुर

**रतन टाटा** के निधन पर न सिर्फ टाटा समूह की कंपनियों, बल्कि उसकी सहायक कंपनियों और उसके एक लाख से अधिक कर्मचारियों ने शोक व्याप्त है, बल्कि जमशेदपुर के हर घर में मातम छा गया है, इस जगह से खुद रतन टाटा को बहुत प्यार था। जमेशदपुर में रतन टाटा तत्कालीन टेल्को के शॉप फ्लोर मैनेजमेंट में समय बिताने से लेकर, वैश्विक स्तर पर टाटा मोटर्स के रूप में पुन: नामित करने, साकची मार्केट के पास जुबली पार्क में 3 मार्च को प्रसिद्ध स्थापना दिवस (जेएन टाटा की वर्षगांठ) समारोह का हिस्सा बनने तक वे अक्सर इस खूबसूरत शहर में आते थे। जहां टाटा ने 1900 के दशक की शुरुआत से नमक से लेकर सॉफ्टवेयर, चाय से लेकर ट्रक और कार से लेकर बिजनेस किंग बनने का सपना देखा था। जमशेदपुर शहर को 'टाटानगर' के नाम से भी जाना जाता है, और इस शहर के लिए टाटा के प्यार ने झारखंड सरकार को उद्योगपति रतन टाटा के सम्मान ( शेष पृष्ठ 9 )

# विधायक दल के नेता चुने गए उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर में बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद नवा-ए-सुबह मुख्यालय में, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला और अन्य नेता पार्टी विधायक दल की बैठक के दौरान। पीटीआई

मोहित कंधारी। जम्मू

**जम्मू-कश्मीर** में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत के बाद नेशनल कांफ्रेंस के विधायकों की गुरुवार को बैठक में सर्वसम्मति से उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुना। नेकां प्रमुख डॉ. फारूक अब्दुल्ला इसकी घोषणा की। विधायक दल का नेता चुनने के लिए नेशनल कांफ्रेंस के विधायकों की मुख्यालय में बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव पूर्व गठबंधन सहयोगी (नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस, सीपीआई-एम, पैंथर्स पार्टी) सरकार गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए शुक्रवार को बैठक करेंगे। उमर अब्दुल्ला ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों को उन्हें अपना नेता चुनने के लिए धन्यवाद दिया ताकि वह जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का दावा पेश कर सकें।

अब्दुल्ला ने विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद मीडिया से कहा, एनसी विधायक दल की बैठक हुई, विधायक दल ने अपना नेता तय कर लिया है और वह तहे दिल से सभी विधायकों का आभारी हूं कि उन्होंने उन पर भरोसा जताया और उन्हें सरकार बनाने का दावा पेश करने का मौका दिया। सरकार गठन के समय के सवाल पर उमर ने कहा, कांग्रेस के साथ बातचीत चल रही है। उन्हें फैसला करने के लिए एक दिन का समय दिया गया है। एक बार जब वे समर्थन पत्र दे देंगे, तो वह सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, चार निर्दलीय (सभी जम्मू क्षेत्र से) ने गुरुवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस को अपना समर्थन देने का ऐलान किया। प्यारे लाल शर्मा, सतीश शर्मा, चौधरी मोहम्मद अकरम और डॉ. रामेश्वर सिंह जिन्होंने इंदरवाल, छंब, सुरनकोट और बानी सीटें जीतीं ने नेकां का समर्थन किया है। उमर ने कहा कि अब हमारे पास चार निर्दलीय विधायकों के अलावा 42 विधायक हैं। कांग्रेस से पत्र मिलने के बाद, हम सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राजभवन जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस से समर्थन पत्र न मिलने के बावजूद नेशनल कॉन्फ्रेंस शुक्रवार को सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। 90 सदस्यों वाली विधानसभा में निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ-साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के पास जादुई संख्या है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना ??है कि चार निर्दलीय विधायकों द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन दिए जाने के बाद कांग्रेस जम्मू-कश्मीर सरकार में जूनियर पार्टनर से एक अपेक्षाकृत महत्वहीन इकाई बन गई है।

इस बीच, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस और सीपीआई (एम) पर दबंगई करने का आरोप लगाया। यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने ( शेष पृष्ठ 9 )

# राफेल नडाल ने कहा अलविदा

ऋषभ मलिक। नई दिल्ली

**बाईस बार** के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन रफेल नडाल ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह अगले महीने होने वाले डेविस कप फाइनल्स के बाद टेनिस को अलविदा कह देंगे। 38 वर्ष के नडाल से अधिक ग्रैंडस्लैम पुरुष वर्ग में नोवाक जोकोविच (24) ने जीते हैं जबकि रोजर फेडरर 20 बार विजेता रहे हैं। तीनों टेनिस के बिग थ्री कहे जाते रहे हैं। नडाल का डेविस कप फाइनल इस नवंबर में मलागा में टेनिस कोर्ट में उनका आखिरी मैच होगा।

स्पेन के नडाल ने सोशल मीडिया पर एक दिल को छू लेने वाले वीडियो के जरिए यह जानकारी दी। जिसमें उन्होंने अपने करियर के दौरान मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। नडाल ने कहा, उन्होंने जो कुछ भी अनुभव किया है, वह सपना सच होने जैसा है। वह इस इत्मीनान के साथ जाएंगे कि मैंने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया और अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उन्होंने कहा, हकीकत यह है कि पिछले कुछ साल काफी कठिन रहे, खासकर पिछले दो साल। उन्हें नहीं लगता कि वह खुलकर खेल सके। यह कठिन फैसला था जिसे लेने में मुझे कुछ समय लगा। लेकिन जीवन में हर चीज की एक शुरुआत और एक अंत होता है। लाल बजरी के बादशाह कहे जाने वाले नडाल ने लाल कोर्ट पर रिकॉर्ड 14 फ्रेंच ओपन खिताब जीते।

रोलां गैरो कोर्ट के प्रवेश द्वार पर नडाल की प्रतिमा इसकी गवाह है कि उन्होंने इस पर अपने प्रदर्शन की छाप किस कदर छोड़ी है। नडाल ने चार बार अमेरिकी ओपन और दो दो बार विम्बलडन और आस्ट्रेलियाई ओपन जीता है। उन्होंने आखिरी ग्रैंडस्लैम 2022 आस्ट्रेलियाई ओपन जनवरी में और जून में फ्रेंच ओपन जीता था। फेडरर ने 2022 सत्र के आखिर में 41 वर्ष की उम्र में संन्यास का ऐलान किया था। नडाल ने ( शेष पृष्ठ 9 )

# दिल्ली सरकार ने कमाई से ज्यादा खर्च किया!

राजेश कुमार। नई दिल्ली

**राजकोषीय** इतिहास में पहली बार, दिल्ली चालू वित्त वर्ष में गंभीर वित्तीय संकट के कगार पर है, जिसके कारण सरकार का व्यय प्राप्तियों की सीमा को पार कर सकता है। वित्त विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि गैर कर राजस्व के माध्यम से इसकी आय, कर राजस्व वित्त वर्ष 2025 के अंत तक 64142 करोड़ रुपये के बजटीय अनुमान के मुकाबले 62 415 करोड़ रुपये तक गिर सकती है। दिल्ली ऐतिहासिक रूप से राजस्व-अधिशेष वाला राज्य रहा है। यहां वर्ष 1993 में विधान सभा के पुनर्गठन के बाद से घाटे का यह पहला मामला हो सकता है। आंकड़े वित्त वर्ष 2017-18 से लेकर 2024-25 के अनुमानित बजट तक राजकोषीय अधिशेष को दर्शाता है।

आंकड़ों के अनुसार, राजस्व व्यय 60911 करोड़ रुपये से बढ़कर 63911 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। राजस्व प्राप्तियां लगातार राजस्व व्यय से अधिक रही हैं, जिसकी शुरुआत वित्त वर्ष 2017-18 में 4913.25 करोड़ रुपये के सरप्लस से हुई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 14456.91 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण सरप्लस तक पहुंच गई। यहां तक ??कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए भी 6462.29 करोड़ रुपये अधिक अनुमानित है। हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्वानुमान एक संभावित चुनौती पेश करता है जबकि शुरुआती बजट अनुमान (बीई) 3231.19 करोड़ रुपये अधिक दिखाता है, अतिरिक्त मांग के संभावित समावेश से 1495.48 करोड़ रुपये का घाटा हो सकता है। विशेष रूप से, केजरीवाल सरकार डीटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त सफर, प्रति परिवार 20,000 लीटर तक मुफ्त पानी, प्रति परिवार 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली व वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त तीर्थयात्रा दे रही है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार ( शेष पृष्ठ 9 )

# महानवमी पर आज सार्वजनिक अवकाश

**लखनऊ ( पीएनएस )।** राज्य सरकार ने महाअष्टमी व्रत एवं नवमी व्रत का अवकाश घोषित कर कर्मचारियों को बहुत बड़ी राहत दिया है। शारदीय नवरात्र में अधिकतर कर्मचारी 9 दिनों का व्रत रहकर देवी के नव रूपों की उपासना करते है। हिंदू सनातनियों के लिए महाष्टमी एवं महानवमी का व्रत अधिक महत्वपूर्ण है। इसी दिन नवमी का हवन किया जाता है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि 2024 के अवकाश के कैलेंडर में अष्टमी नवमी के लिए कोई अवकाश घोषित नहीं था। नवरात्रि का व्रत रखनेवाले व्रती साधकों को परेशानी हो रही थी। कर्मचारी अष्टमी नवमी की छुट्टी की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अष्टमी नवमी की छुट्टी घोषित कर कर्मचारियों के प्रति अपनी चिंता दिखाई है। अष्टमी-नवमी की छुट्टी के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बहुत बहुत आभार एवं प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को बहुत-बहुत बधाई।

## नवम सिद्धिदात्री

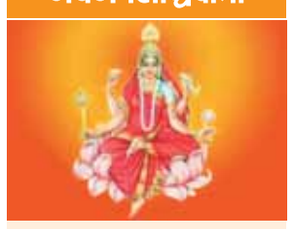

**सिद्ध गन्धर्व यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।**
**सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी॥**

नवरात्र के अंतिम दिन मां दुर्गा के नौवें रूप सिद्धिदात्री की उपासना की जाती है। मां सिद्धिदात्री की आराधना से भक्तों के सभी शोक, भय और रोग का नाश हो जाता है। मां सिद्धिदात्री जीवन में होने वाली अनहोनी से भी रक्षा करती हैं। वह मोक्ष दायिनी भी हैं। ऐसी मान्यता है कि नवरात्र में कन्या पूजन करने से मां दुर्गा बहुत प्रसन्न होती है।

# यहां समय और यातायात थम गया

## दक्षिण दिल्ली के भीषण जाम में भी वही परेशानी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

**राष्ट्रीय** राजधानी दिल्ली में जाम का झाम समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं शेख सराय के लाल बहादुर शास्त्री मार्ग से दक्षिण दिल्ली में श्री अरबिंदो मार्ग से जोड़ने वाला प्रेस एन्क्लेव मार्ग पर भारी यातायात व जाम के चलते वाहन चालकों के लिए दु:स्वप्न बन गया है। साकेत जिला न्यायालय, तीन शॉपिंग मॉल और दो निजी अस्पतालों के अलावा खिड़की और हौज रानी गांवों से घिरा यह इलाका करीब चार किलोमीटर लंबा मार्ग वाहन चालकों, दोपहिया वाहन चालकों या डीटीसी बसों के धैर्य की परीक्षा लेता है। त्योहारों के सीजन हालात और भी बदतर हो जाते हैं, जैसा कि बुधवार देर शाम को हुआ, जब करीब 8.30 बजे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए पुलिस को ट्रैफिक सिग्नल को मैन्युअल रूप से संचालित करके यातायात को नियंत्रित करना पड़ा।

25 से 31 दिसंबर तक भी इसी तरह के दृश्य देखने को मिलते हैं, जब शॉपिंग मॉल में भारी भीड़ उमड़ती है और यातायात को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त यातायात पुलिस की तैनाती की जाती है। साल भर में कई दिनों में जाम इतना भयानक होता है कि प्रेस एन्क्लेव और आसपास के दो अन्य आवासीय परिसरों जैसी कॉलोनियों के लोग सड़क पर जाने से कतराते, जैसा कि बुधवार शाम को हुआ। मालवीय नगर मेट्रो स्टेशन पर यातायात जंक्शन एक बड़ी बाधा बन गया है। स्टेशन के दोनों ओर ऑटो-रिक्शा द्वारा अनियमित पार्किंग समस्या को और बढ़ा देती है। पुलिस द्वारा कई बार अभियान चलाए जाने के बावजूद, कोई कारगर समाधान नहीं निकल पाया है।

प्रेस एन्क्लेव मार्ग पर यातायात जाम आवासीय कॉलोनियों से घिरे साकेत को जोड़ने वाली सड़कों पर भी फैल जाता है। यातायात की भारी मात्रा को देखते हुए, ये सड़कें तथाकथित गैर-पीक घंटों के दौरान भी जाम रहती हैं। प्रेस एन्क्लेव मार्ग के एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि इस सड़क पर पीक-ऑवर में यातायात की मात्रा बहुत अधिक होती है, जिसका मुख्य कारण अनधिकृत पार्किंग और अतिक्रमण है। अधिकारियों ने कहा कि प्रेस एन्क्लेव मार्ग पर सुबह के समय पीक-ऑवर में लगभग 9,000 यात्री कार यूनिट (पीसीयू) और शाम को 10,000 पीसीयू होते हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने हाल ( शेष पृष्ठ 9 )

# भारत के डीएनए में है ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी: मुख्यमंत्री

## ● एमपीआईटी गोरखपुर के प्रथम बैच के विद्यार्थियों से सीएम योगी ने किया संवाद

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ



**मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में है। अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारे युवाओं की तरफ पूरी दुनिया नई उम्मीद से देख रही है। निश्चित ही आने वाला समय भारत है। युवा संघर्षों से अपनी राह बनाएं, सफलता कदम चूमेगी।

सीएम योगी गुरुवार को गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) के प्रथम बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में ज्ञान, विज्ञान और श्रम की त्रिवेणी अनवरत प्रवाहित है। परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है। यही प्रवृत्ति हमें दुनिया में सबसे विशिष्ट बनाती है। आवश्यकता है खुद को वैश्विक स्तर के अनुरूप खुद को तैयार करने की। हमें अभिभावकों की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना है। इसके लिए छात्र और शिक्षक कदम से कदम मिलाकर चलें। नेशनल-इंटरनेशनल जर्नल्स का नियमित अध्ययन करें और खुद को ई-लाइब्रेरी की तरफ अग्रसर करें। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी तकनीकी पर ध्यान देना चाहिए जो जीवन को सरल और सहज बनाए, समस्याओं का समाधान करे। ऐसी तकनीकी पर फोकस करने की आवश्यकता है जो प्रकृति के साथ समन्वय बनाकर विकास को नई ऊंचाई पर ले जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश रोजगार का बड़ा हब बन रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश आज के तकनीकी दौर की महत्वपूर्ण जरूरत सेमी कंडक्टर का हब बनने की दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। इसमें सीधे निवेश के साथ कई गुना चक्रीय निवेश भी हो रहा है। इसके अनुरूप प्रशिक्षित श्रम उपलब्ध कराने के लिए आगे आने की जिम्मेदारी तकनीकी संस्थाओं की है। योगी ने कहा कि कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनियाभर में विख्यात सिलिकॉन वैली में भारत का दबदबा है और इसमें उत्तर प्रदेश के युवाओं की बड़ी हिस्सेदारी है। सिलिकॉन वैली, हैदराबाद और बेंगलुरु के बाद उत्तर प्रदेश को भी इस दिशा में तीव्रतम गति से आगे बढ़ना है। इसी लक्ष्य को लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) में स्थापित हो रहा है। विश्व स्तरीय मानक के अनुरूप यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पूर्वी उत्तर प्रदेश के पंद्रह अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए भी महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया किएमपीआईटी परिसर के अलग-अलग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड थ्री डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, समेत कई एकीकृत पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे। ग्लोबल स्टैंडर्ड के पाठ्यक्रम से जुड़कर विद्यार्थी यहां प्रोफेशनल सर्टिफिकेट कोर्स, माइनर डिग्री कोर्स और एडवांस कोर्स के जरिये खुद को संबंधित उद्योग-सेवा के क्षेत्र के अनुरूप तैयार कर सकेंगे।

संवाद कार्यक्रम में सीएम योगी ने फैकल्टी का आह्वान किया कि वे ग्लोबल मार्केट की डिमांड का अध्ययन करें और उसके अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करें। हमारा जोर मॉडर्न एज कोर्सेज पर होना चाहिए। उन्होंने बताया कि टाटा कंसल्टेंसी इस पर खासा काम कर रही है। यदि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यदि हम मॉडर्न एज कोर्सेज पर फोकस करेंगे तो यह शत प्रतिशत प्लेसमेंट की गारंटी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1956 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने पहला पॉलिटेक्निक शुरू किया था। आज महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक प्रदेश के टॉप पोलिटेक्निक्स में से एक है। इसी प्रेरणा से हमें मिलकर महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) को आने वाले पांच साल में यूपी का टॉप इंस्टिट्यूट बनाना है। इसके लिए आवश्यक है कि संस्था को इंडस्ट्री से जोड़ा जाए और युवाओं को सतत स्किल्ड बनाया जाए। एमपीआईटी के प्रथम बैच के छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में कई विद्यार्थियों में ज्ञान, विज्ञान, तकनीकी, रोजगार आदि विषय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रश्न भी किए। सीएम योगी ने सभी के प्रश्नों पर अपना मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल भी उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम में स्वागत संबोधन एमपीआईटी के निदेशक डॉ. सुधीर अग्रवाल ने तथा आभार ज्ञापन एमपी पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य डॉ. अनिल प्रकाश सिंह ने किया।

## आर-फ्रैक 16 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक खाद्य प्रसंस्करण पदार्थों की जांच में देगा विशेष छूट

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**उप** मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अन्तर्गत संचालित क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केंद्र (आर-फ्रैक), लखनऊ के 20 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 16 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक खाद्य प्रसंस्करण पदार्थों की जांच में विशेष छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया है। 16 अक्टूबर से 31 दिसम्बर 2024 तक विभिन्न प्रकार की सम्बन्धित सुविधायें सभी जनमानस को विशेष रियायाती दरों/ निशुल्क दिए जाने का प्रावधान किया गया गया है। मिलावटी जांच एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी सुविधाएं आम जनमानस को विशेष रूप से दी जायेंगी। ग्रहणियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, उद्यमियों, एफपीओ, स्टार्टअप, विश्वविद्यालयों को इस इस विशेष सत्र में खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच न्यूनतम शुल्क 50 रुपए प्रति सैम्पल की दर से किये जाने की सुविधा उपलब्ध होगी। खाद्य पदार्थ निर्माताओं / उद्यमियों को क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र (आर-फ्रैक) द्वारा निर्धारित शुल्क पर खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता जांच पर 50 प्रतिशत की छूट उपलब्ध होगी। गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले छात्र /छात्राओं, महिलाओं, आदि को आर-फ्रैक द्वारा निशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा, यह छूट 16 अक्टूबर से 31 दिसम्बर 2024 तक क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र (आर-फैक), लखनऊ वेबसाइट पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 तक प्राप्त कर सकते/सकती हैं। क्षेत्रीय खाद्य अनुसंधान एवं विश्लेषण केन्द्र (आर-फैक), लखनऊ द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों, कालेज आदि के शोधकर्ता छात्र/ छात्राओं को प्रशिक्षण प्रशिक्षण शुल्क में 40 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, यह छूट 16 अक्टूबर से 31 दिसम्बर 2024 तक आर-फैक वेबसाइट पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 तक प्राप्त कर सकते हैं।

## राजभवन प्रांगण में देवी महागौरी की आराधना व आरती सम्पन्न हुई

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**राज्यपाल** आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में राजभवन में आयोजित नवरात्रि व गरबा महोत्सव के आठवें दिन गुरुवार को माँ दुर्गा के महागौरी स्वरूप की आराधना व आरती संपन्न हुई। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ सुधीर महादेव बोबडे, विशेष सचिव राज्यपाल श्रीप्रकाश गुप्ता, विधि परामर्शदाता प्रशांत मिश्र, राजभवन के अधिकारी, कर्मचारी, अध्यासितगण व आमंत्रित अन्य गणमान्य शामिल हुए। इस अवसर पर भक्ति और साधना के नृत्य गरबा व सनेडो पर आमंत्रित गणमान्यों व श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से प्रतिभाग किया गया। गरबा सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है, जिसे विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी राजभवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ पंकज एल जानी ने किया। विदित है कि 3 अक्टूबर को शारदीय नवरात्रि एवं गरबा महोत्सव के शुरुआत से ही प्रतिदिन राजभवन में श्रद्धालु और आराधकगण देवी की आराधना, आरती पश्चात् गरबा में सामूहिक प्रतिभाग कर रहे हैं। नौ रातों तक चलने वाले इस उत्सव में भक्ति और साधना के नृत्य गरबा पर प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बनता है।

## उन्नाव प्रकरण में ऊर्जा मंत्री ने अधिशासी अभियंता सहित तीन को निलंबित किया

### ● उपभोक्ताओ को परेशान करने वाले विद्युत कार्मिको को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा: एके शर्मा

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ



**ऊर्जा** मंत्री एके शर्मा ने उन्नाव जनपद के कुशलपुर, बेतहर निवासी शुभम पुत्र महादेव द्वारा बिजली बिल प्रकरण को लेकर आत्महत्या किये जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ता द्वारा आत्महत्या किये जाने संबंधी समाचार का संज्ञान लेकर संबंधित विद्युत कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने 33/11 केवी उपकेन्द्र अचलगंज के अवर अभियंता आशीष सिंह तथा विद्युत वितरण उपखण्ड बंथरा के उपखंड अधिकारी रवि यादव को तत्काल निलंबित करने और उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं विद्युत वितरण खंड द्वितीय, उन्नाव के अधिशासी अभियंता सूर्योदय कुमार वर्मा को तत्काल निलंबित करने के निर्देश एमडी मध्यांचल को दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन उपभोक्ता के मृत्यु के कारणों की विस्तृत जांच कर रहा है। लेकिन विद्युत विभाग के संबंधित कार्मिक प्रथम दृष्टया इस घटना के मुख्य कारण होने के दृष्टिगत इनके खिलाफ कार्यवाही की गयी है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की जांच में जो भी अन्य विद्युत कार्मिक दोषी पाये जायेगे, उन सभी पर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

संबंधित प्रकरण में मुख्य अभियंता वितरण द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में उपभोक्ता ने 10 मार्च, 2022 को एक किलोवाट का विद्युत कनेक्शन लिया था। सितम्बर, 2024 में त्रुटिवश प्रोविजनल बिल 1,09,221 रूपये निर्गत हुआ। जिसको सही करने पर बिल की देय धनराशि 16,377 रूपये हो गयी और उपभोक्ता ने इसका भुगतान भी कर दिया। 7 अक्टूबर, 2024 को उपभोक्ता की कुल 33 यूनिट रीडिंग का बिल 8,306 रुपये त्रुटिवश निर्गत हो गया, जिसको 9 अक्टूबर को उपखंड अधिकारी द्वारा अनुमोदित कर दिया गया।

ऊर्जा मंत्री शर्मा ने कहा कि उपभोक्ता द्वारा आत्महत्या किये जाने का समाचार मिलने के साथ ही विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों और जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों से लगातार संपर्क कर रहा हूं। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि सभी विद्युत कार्मिक उपभोक्ताओं की समस्याओं का न्यायोचित समाधान करायें। किसी भी प्रकार की गलती करने और टालने की प्रवृत्ति पर उनके खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही होगी। प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं के हितों के दृष्टिगत कार्य कर रही है। इसमें कोई समझौता नहीं किया जायेगा। सभी कार्मिक उपभोक्ताओं की विद्युत समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान कराएं, किसी भी स्तर पर लापरवाही और त्रुटि पाये जाने पर संबंधित कार्मिक के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। उपभोक्ताओ को परेशान करने वाले विद्युत कार्मिको को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा।

## नेताजी ने राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका निभाई: अखिलेश यादव

### ● सभी जिला व महानगर मुख्यालयों में सपा ने मनाई मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि, सैफई में हुआ मुख्य समारोह

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ



**समाजवादी** पार्टी के संस्थापक, पूर्व रक्षामंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर प्रदेश के सभी जिला व महानगर मुख्यालयों समेत देश भर में समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए याद किया।

मुख्य कार्यक्रम सैफई में नेताजी के समाधिस्थल पर हुआ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, अभय राम यादव (नेताजी के भाई), पूर्व सांसद रामजी लाल सुमन, मैनपुरी से सांसद डिम्पल यादव, अदिति, अर्जुन, आजमगढ़ से सांसद धर्मेन्द्र यादव, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव, फिरोजाबाद से सांसद अक्षय यादव, बदायूं से सांसद आदित्य यादव, पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष मैनपुरी अंशुल यादव, पूर्व मंत्री आलोक शाक्य, विधायक प्रदीप यादव, विधायक आशू मलिक, चन्द्रदेवराम करेली, जासमीर अंसारी, विधायक जयप्रकाश अंचल, जयशंकर पाण्डेय, पूर्व एमएलसी अरविन्द यादव, श्री राजेश यादव, पूर्व विधायक राजकुमार उर्फ राजू यादव समेत बड़ी संख्या में सांसदों, विधायकों पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। नई दिल्ली में समाजवादी पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में नेताजी की दूसरी पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव एवं राज्य सभा सदस्य प्रोफेसर रामगोपाल यादव समेत पार्टी के तमाम नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की और नेताजी के संघर्ष और कार्यों को याद किया। नेताजी के समाधिस्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीति के बड़े-बड़े उतार-चढ़ाव में नेताजी ने देश की राजनीति और समाज को दिशा देने का काम किया। नेताजी ने सैफई की धरती से संघर्ष करके राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका निभाई और धरती पुत्र के नाम से जाने गये।

### प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मुलायम की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

**सपा** संस्थापक व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नेताजी सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले और किसानों, दलितों, वंचितों, पिछड़ों, के हक और हुकूक के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले नेता थे।

### सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक जताया

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक जताया है। अखिलेश यादव ने रतन टाटा को याद करते हुए कहा है कि वह ऐसे उद्योगपति थे, जिन्होंने देश की अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान दिया है। आजादी के पहले और आजादी के बाद टाटा समूह ने देश की आर्थिक तरक्की में बड़ा योगदान किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि रतन टाटा से मेरी व्यक्तिगत कई बार मुलाकातें हुई हैं। देश के लिए उनकी एक सोच और विजन रहा है।

## रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए प्रश्न-पत्र हल कराने वाले गैंग का हैकर गिरफ्तार

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ



**विभिन्न** ऑनलाइन भर्ती परीक्षाओं में रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए प्रश्न-पत्र हल कराने वाले गैंग के सदस्य राम चौहान उर्फ राम अवतार को एसटीएफ ने बागपत से गिरफ्तार किया है। ग्राम भिड़ूकी, थाना हसनपुर, जिला पलवल (हरियाणा) निवासी राम चौहान बागपत की बडौत कोतवाली में दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहा था।

बीती 7 फरवरी को एसटीएफ ने थाना कोतवाली बडौत, जनपद बागपत में प्रचलित उप्र पुलिस में कम्प्यूटर ऑपरेटर की ऑनलाईन भर्ती परीक्षा में रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए प्रश्न-पत्र हल करने वाले सरगना रचित चौधरी सहित 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। इसी क्रम में गुरुवार को सूचना मिली थी कि गैंग का सक्रिय सदस्य राम चौहान किसी से मिलने के लिए दिल्ली-सहारनपुर रोड पर कलेक्टेऊ्ट को जाने वाले मार्ग के तिराहे पर रोड के किनारे बने यात्री शेड मे बैठा हुआ है। इस सूचना पर दिल्ली सहारनपुर रोड पर बागपत की ओर कलेक्ट्रेट की तरफ जाने वाले मार्ग से करीब 100 मीटर पहले एसटीएफ की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने वर्ष 2015-16 में आरएस कम्प्यूटर्स पलवल हरियाणा से हैंकिंग का 6 माह का कोर्स किया था। कोर्स करने के पश्चात वर्ष 2021 में इसने सीटेट परीक्षा में हैंकिग की थी, जिसमें वह नोएडा थाना सेक्टर-58, जनपद गौतमबुद्धनगर में पकड़ा गया था और जेल गया था। वर्ष 2024 में इसकी मुलाकात नितिन निवासी गढी रामकोर, जनपद शामली से हुई थी, जिसने उसकी मुलाकात दुहाई, गाजियाबाद में कम्प्यूटर लैब चलाने वाले रचित चौधरी से करायी थी। गैंग सरगना रचित चौधरी साथियों सहित 7 फरवरी 2024 को गिरफ्तार किया गया। उसके द्वारा बिजेन्द्र फौजी निवासी शामली के कहने पर उसकी विधान पब्लिक स्कूल दुहाई, गाजियाबाद में स्थित लैब को फर्जी तरीके से अपने नाम से अप्लाई कर 29 जनवरी 2024 से 8 फरवरी 2024 तक सम्पन्न हुई उप्र पुलिस में कम्प्यूटर ऑपरेटर परीक्षा कराने हेतु केन्द्र आवंटित कराया था। उक्त ऑनलाइन भर्ती परीक्षा में रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए प्रश्न-पत्र हल कराने के लिए सुनियोजित तरीके से अभ्यर्थियों से अनुचित धन लाभ कमाने के उददेश्य से एक कम्प्यूटर लैब करीब 250 कम्प्यूटर सिस्टम के साथ स्थापित करायी गयी थी। गिरफ्तार अभियुक्त कम्प्यूटर हैकिंग एक्सपर्ट है, जिसने रोहित चौधरी के कहने पर गाजियाबाद दुहाई मे स्थित विधान पब्लिक स्कूल में एक कम्प्यूटर लैब में आकर 28 जनवरी 2024 को एक सिस्टम पर कुछ साफ्टवेयर इंस्टाल कर इस सिस्टम को मास्टर सिस्टम बनाया ताकि जब जरूरत हो तब लैब मे मौजूद अन्य सिस्टमों को इस मास्टर सिस्टम के जरिए लोकल एरिया नेटवर्क के माध्यम से कनेक्ट कर उनका रिमोट एक्सेस ले सके और उक्त मास्टर सिस्टम को लैब में मौजूद अपने सहयोगियो की मदद से अलग रखा गया ताकि किसी अभ्यर्थी को परीक्षा के समय उक्त सिस्टम आवंटित न हो। अभियुक्त एंव इसके सहयोगियों द्वारा परीक्षा प्रारम्भ होने से पहले ही लैब में मौजूद अपने सहयोगियों के माध्यम से दूर कही बैंठकर गैंग का सदस्य रवि लैब में मौजूद मास्टर सिस्टम का रिमोट एक्सेस उसमें मौजूद एनीडेस्क साफ्टवेयर के माध्यम से अपने सिस्टम पर लेकर जिन-जिन अभ्यर्थियो से पैसे लेकर पेपर हल कराने की बात तय होती थी, इस मास्टर सिस्टम के जरिये सभी सिस्टम आपस में लैन के माध्यम से कनेक्ट होने की वजह से उन-उन अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर आवंटित सिस्टमों के एक्सेस ले लेता था और उसको अपने अन्य साथी जो पेपर हल करने में एक्सपर्ट थे, उनके सिस्टम पर भेज देता था। जिससे केन्द्र पर मौजूद अभ्यर्थी के सिस्टम का पूरा एक्सेस इनके पास पहुंच जाता था और ये प्रश्न-पत्र अपने सिस्टम से हल करते थे। अभ्यर्थी केवल बैठकर माउस हिलाता रहता था।

## कर हस्तांतरण में यूपी को जारी किए गए सर्वाधिक 31962 करोड़ रुपए

**लखनऊ।** सरकार ने गुरुवार को राज्यों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण (टैक्स डिवाल्यूशन) दिया है। कर हस्तांतरण में सर्वाधिक राशि (31,962 करोड़) उत्तर प्रदेश को जारी की गई है। यह राशि त्योहारों से पहले राज्यों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में सहायक होगी। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया। सीएम योगी ने कर हस्तांतरण के हिस्से के रूप में उत्तर प्रदेश को 31,962 करोड़ रुपये समय पर जारी करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व वित्त मंत्री के प्रति आभार प्रकट किया। सीएम योगी ने लिखा कि यह अग्रिम किस्त हमारे त्योहारों के मौसम की तैयारियों को काफी बढ़ावा और राज्य भर में विकास व कल्याण की पहल को गति देगी। हम सभी मिलकर मजबूत व समृद्ध उत्तर प्रदेश का निर्माण कर रहे हैं।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं प्रलय कांता घोष आर्मी नंबर 14932524F,HAV पोस्टेड 5 MECH INF (14 कुमाऊं) C/O 56 APO निवासी गांव में तैनात हैं। ग्राम-ऐजुनी,पोस्ट सालु तहसील-कांडी, जिला- मुर्शिदाबाद, राज्य-वेस्ट बंगाल पिन-742401 आर्मी रिकॉर्ड में मेरी पुत्री का नाम POOJA GHOSH की जगह PUJA GHOSH के नाम से जाना पहचाना जाए।

## पर्यटन मंत्री ने भारत में तैनात विभिन्न देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों को निमंत्रित किया

**महाकुंभ-2025**

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ



**अगले** वर्ष जनवरी 13 से 26 फरवरी, 2025 तक प्रयागराज में आयोजित किये जाने वाले विश्व के सबसे बड़े अध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समागम महाकुंभ-2025 का साक्षी बनने के लिए प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने लगभग 34 देशों के राजनायिकों, राजदूतों तथा उच्चायुक्तों को निमंत्रण पत्र भेजा है। उन्होंने निमंत्रण पत्र में भारत की समृद्धि सांस्कृतिक विरासत अध्यात्म, देवत्व तथा अध्यात्मिकता की ओर ध्यान आकृष्ट करके महाकुंभ में भागीदार बनने के लिए अनुरोध किया है। जयवीर सिंह ने बताया कि लगभग 34 देशों में से 16 देशों को निमंत्रण पत्र भेजा जा चुका है और शेष को भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। भारत स्थित विभिन्न देशों के राजदूतों को पत्र भेजा गया है, उनमें नेपाल, मारीशस, इण्डोनेशिया, श्रीलंका, मलेशिया, गुयाना, कनाडा, कम्बोडिया, दक्षिण अफ्रीका, त्रिनिदाद और टुबैगो, नीदरलैण्ड, फ्रांस, फीजी, सूरीनाम, यूनाईटेड किंगडम रियूनियन, सिंगापुर, यूएसए, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, केन्या, इटली, जमैका शामिल हैं। इसके अलावा सेशेल्स, स्पेन, यूक्रेन, यूथोपिया, जाम्बिया, मेडागास्कर, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, म्यांमार, जर्मनी तथा भूटान शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि भारत में तैनात राजदूतों एवं उच्चायुक्तों से यह भी आग्रह किया गया है कि वह अपने-अपने देश के भारत की सनातन संस्कृति में आस्था रखने वाले हिन्दू एवं अन्य श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को महाकुंभ में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। इस आयोजन में अंतर्राष्ट्रीय तथा देशी-विदेशी पर्यटक श्रद्धालु भाग लेंगे। महाकुंभ में लगभग 50 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

### जयवीर सिंह ने केंद्र को पत्र लिखकर महाकुंभ को ऐतिहासिक बनाने के लिए मांगा सहयोग

**लखनऊ।** पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर महाकुम्भ-2025 को ऐतिहासिक बनाने के लिए सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए अनुरोध किया है।

केन्द्रीय मंत्री को लिखे गए पत्र में जयवीर सिंह ने कहा कि अगले साल महाकुम्भ 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। इसको अलौकिक एवं यादगार बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी की जा रही है। इस महा धार्मिक समागम में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं के आने की सम्भावना है। इसके अलावा विदेशों में हिन्दू बाहुल्य देशों से भी श्रद्धालुओं को अध्यात्मिक एवं धार्मिक पुण्य प्राप्त करने के लिए सनातन संस्कृति से जुड़े श्रद्धालुओं को प्रेरित करने के लिए भारत स्थित विदेशी राजदूतों को भी निमंत्रण भेजा गया है। जयवीर सिंह ने यह भी लिखा है कि महाकुम्भ को वैश्विक बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार राजदूतों, उच्चायुक्तों को निमंत्रण भेजा है। इस मेले की महत्ता एवं भव्यता को देखते हुए आपसे अनुरोध है कि भारत में विदेशी राजदूतों को अपनी ओर से आग्रह करने का कष्ट करें, जिससे महाकुम्भ सांस्कृतिक एवं अध्यात्मिक प्रचार-प्रसार के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच बन सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली स्थित राजदूतों को पत्र भी भेज दिया गया है।

जयवीर सिंह ने निमंत्रण पत्र में यह भी कहा है कि महाकुंभ का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। यह प्राचीनकाल से आयोजित होता चला आ रहा है। उन्होंने राजदूतों को अवगत कराया है कि महाकुंभ में उनकी सहभागिता से वैश्विक स्तर पर भाईचारा तथा शांति के प्रयासों को गति मिलेगी।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
मण्डलीय कार्यालय लखनऊ: न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ-226001
फोन: 0522-2286272, 2287283, फैक्स: 0522-2288033, ई-मेल: zolucknow@indianbank.co.in

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि निम्नलिखित उपभोक्ता ने इंडियन बैंक के उजरियावा शाखा से गोल्ड लोन लिया था, निर्धारित समय में लोन का भुगतान नहीं करने के कारण बैंक उपभोक्ता द्वारा बैंक में गिरवी रखे आभूषणों की नीलामी करके अपना बकाया वसूली के बाध्य हैं, चुकीं बकायेदार को पूर्व में नोटिस देने पर भी बकाये का भुगतान अदा नहीं किया गया हैं!
अतः इस सूचना के माध्यम से बकायेदार को अंतिम नोटिस दी जाती हैं कि ये सूचना प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर ब्याज सहित कुल बकाया चुकता कर दे, अन्यथा बैंक गिरवी रखे आभूषणों को नीलाम करके बकाया वसूल करने के लिए बाध्य होगा
**ऋणी, गिरवी रखे गये आभूषण, तथा बकाये राशि का विवरण निम्न हैं**
**ऋणी- प्रवेश कुमार**
**खाता संख्या-7266043123**
**आभूषण का वजन-16.37 ग्राम**
**बकाया राशि रू. 59662/- साथ में ब्याज व अन्य खर्च**
प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
मण्डलीय कार्यालय लखनऊ: न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ-226001
फोन: 0522-2286272, 2287283, फैक्स: 0522-2288033, ई-मेल: zolucknow@indianbank.co.in

**मांग सूचना**

वित्तीय राम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के तहत कर्जदार एवं गारंटर को मांग सूचना।

यह मांग सूचना वित्तीय परिसम्पत्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माग और प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के अंतर्गत एतद्द्वारा कर्जदारों/गारंटरों को उनकी गारंटी में दी गई ऋण सुविधा की बकाया राशि का भुगतान इस सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर करने के लिए जारी की गई है। यदि आप अधिनियम की धारा 13(2) के उतर्गत इस सूचना के संदर्भ में नीचे वर्णित राशि और उस पर आगे ब्याज और प्रासंगिक व्यय, लागत आदि का भुगतान करने में असफल रहते हैं तो बैंक कथित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) और अन्य लागू प्रावधान के अंतर्गत उसे प्राप्त सभी या किसी अधिकार का प्रयोग करेगा। आपको यह भी सूचना दी जाती है कि आप बिना बैंक की लिखित अनुमति लिये इस सूचना में नीचे वर्णित प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री, पट्टे पर देने या अन्य लेनदेन नहीं कर सकते है। **बकाया राशि के साथ खाता और प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का विवरण नीचे दिया गया है:**

चल सम्पत्ति की अनुसूची एवं अन्य विवरण

| क्र. सं. | ऋणकर्ता(ओं)/ज़मानतकर्ता(ओं) का नाम व पता/मांग सूचना की तिथि | बकाया धनराशि (रू) / एनपीए तिथि | चल सम्पत्ति का विवरण |
|---|---|---|---|
| शाखा: विराज खण्ड | | | |
| 1. | ऋणी: विनीत पाण्डेय पुत्र अश्वनी कुमार पाण्डेय, पता: पूरे गिरधर महुलारा बाराबंकी उत्तर, प्रदेश, बाराबंकी<br>जमानतकर्ता: 1. श्री विनीत पाण्डेय पुत्र अश्वनी कुमार पाण्डेय, 529/36 रहीम नगर लखनऊ 226005<br>2. श्री विनीत पाण्डेय पुत्र अश्वनी कुमार पाण्डेय, 529/391 रहीम नगर लखनऊ-226005 भूमि चिह्न: जय प्रकाश ओझा / अरविंद जनरल स्टोर पीएससी-35 के सामने।<br>3. श्री विनीत पाण्डेय पुत्र अश्वनी कुमार पाण्डेय, 48 राजीव नगर, कल्याणपुर लखनऊ-226022<br>4. श्री विनीत पाण्डेय पुत्र अश्वनी कुमार पाण्डेय, पूरे गिरधर, मकान भानपुर महुलारा थाना- आर.एस. घाट बाराबंकी उ0प्र0 225409<br>5. बेसिक शिक्षा निदेशालय, विकास भवन रोड, आवास विकास कॉलोनी, यूपीएस कुरौली बाराबंकी-225001 उत्तर प्रदेश<br>डिमांड नोटिस की तिथि: 08.10.2024 | रू. 7,86,500/- दिनांक 08.10.2024 से प्रभावी + ब्याज एवं अन्य शुल्क | NAME OF THE MANUFACTURER: HYUNDAI MOTOR INDIA LIMITED<br>TYPE OF VEHICLE: VENUE 1.2 KAPPAMT S<br>REGISTRATION NO: UP32MV1458<br>ENGINE NO: G4LAMM090372<br>CHASIS NO: MALFC81BLNM329698 |

दिनांक: 11.10.2024 स्थान: लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक (पूर्ववर्ती इलाहाबाद बैंक)

# केजीबीवी की 76,000 बालिकाओं को मिला गाइड प्रशिक्षण, भर्ती की राह हुई आसान

**● बीएड, डीएलएड में मिलेगा नंबर का भारांक, सड़क परिवहन एवं रेलवे की स्काउट/गाइडिंग की भर्ती में वरीयता की राह हुई आसान**

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**योगी** सरकार ने मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक ठोस पहल की है। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत शैक्षिक रूप से पिछड़े इलाकों से आने वाली अपवंचित वर्ग की बालिकाओं को गाइड प्रशिक्षण दिलाकर उनके भविष्य को सुरक्षित किया गया है। तीन दिवसीय आवासीय गाइड प्रशिक्षण (3 से 10 अक्टूबर) में 76,000 से अधिक बालिकाओं ने भाग लिया।

योगी सरकार के इस कदम से प्रशिक्षण ले चुकी बालिकाओं को जहां बीएड, डीएलएड में नंबर का भारांक मिलने की राह आसान हुई है, वहीं सड़क परिवहन एवं रेलवे की स्काउट/गाइडिंग की भर्ती में इन्हें वरीयता मिलने से इनका भविष्य भी चमकने की उम्मीद जगी है। बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह का कहना है कि प्रदेश की सभी 746 केजीबीवी में गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया है। इन विद्यालयों में 2,238 गाइड यूनिट्स पंजीकृत की गईं, जिनके माध्यम से योगी सरकार ने 76,000 बालिकाओं के गाइड प्रशिक्षण का कार्य पूरा किया है। इस प्रशिक्षण से भविष्य में बालिकाओं को अनेक लाभ मिलेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें भारांक का लाभ तो मिलेगा ही, नौकरी मिलने में भी सहूलियतें मिलेंगी। केजीबीवी में पढ़ाई कर रही बालिकाओं के हित को ध्यान में रखते हुए उनके प्रशिक्षण को शीघ्र पूरा कराने का प्रयास किया गया। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह के निर्देशन में प्रदेश के प्रत्येक केजीबीवी में तीन गाइड यूनिट्स पंजीकृत की गईं, और प्रत्येक में 32 बालिकाओं को शामिल किया गया। छोटी-छोटी यूनिट्स में बंटी बालिकाओं को आसानी से प्रशिक्षण देकर उन्हें निडर, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का पूरा प्रयास किया गया।

### बालिकाओं के लिए जरूरी है गाइड प्रशिक्षण

**यह** प्रशिक्षण न केवल छात्राओं के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, और आध्यात्मिक विकास को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि भविष्य में उनके लिए कई शैक्षिक और रोजगार के अवसर भी खोलेगा। उदाहरण के लिए, इन बालिकाओं को बीएड और डीएलएड में अंक का भारांक मिलेगा, और सड़क परिवहन एवं रेलवे में होने वाली स्काउट गाइडिंग की भर्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी। इस तरह के कार्यक्रमों से न केवल बालिकाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि वे समाज में अपनी पहचान बनाने के लिए भी सशक्त होंगी।

# एलडीए में बनेगा हाईटेक रिकॉर्ड रूम बारकोड स्कैन कर ट्रेस की जा सकेंगी फाइलें

**● गोमती नगर स्थित लखनऊ विकास प्राधिकरण भवन की चौथी पांचवीं व छठी मंजिल पर 1200 वर्गमीटर क्षेत्रफल में आकार लेगा मॉडर्न रिकॉर्ड रूम**

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**एलडीए** में 18वीं सदी के रिकॉर्ड के साथ ही वर्तमान में प्रचलित फाइलें अब आसानी से ढूंढी जा सकेंगी। इसके लिए गोमती नगर स्थित प्राधिकरण भवन में लगभग 3 करोड़ रूपये की लागत से हाईटेक रिकॉर्ड रूम बनेगा। जहां फाइलों को मोबाइल कॉम्पैक्टर स्टोरेज सिस्टम के तहत सहेज कर रखा जाएगा और जरूरत पड़ने पर बारकोड स्कैन करके चंद सेकेण्ड में ही फाइल ट्रेस की जा सकेगी। एलडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर रिकॉर्ड रूम के निर्माण व अपग्रेडेशन के कार्य का टेंडर जारी कर दिया गया है। गुरुवार को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण में नजूल, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, सीलिंग, अर्जन, मानचित्र व सम्पत्ति आदि की हजारों महत्वपूर्ण फाइलें हैं। इसमें से नजूल व ट्रस्ट की कुछ फाइलें तो 18वीं सदी की हैं। वर्तमान में इन सभी फाइलों का रख.रखाव दो अलग.अलग जगह बने रिकॉर्ड रूम में किया जाता है। इसमें से एक रिकॉर्ड रूम लालबाग स्थित एलडीए कार्यालय और एक रिकॉर्ड रूम गोमती नगर स्थित प्राधिकरण भवन की पुरानी बिल्डिंग में है। अलग.अलग स्थानों पर रिकॉर्ड रूम होने से पत्रावलियों को सहेज कर सुरक्षित रखने, ढूंढने और लाने ले जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। साथ ही साथ फाइलों के गुम हो जाने की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। इससे विभागीय कार्य तो बाधित होता ही हैए आवंटियों को भी अपने काम के लिए महीनों प्राधिकरण के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अब एक स्थान पर अत्याधुनिक रिकॉर्ड रूम बनवाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत गोमती नगर के विपिन खण्ड स्थित प्राधिकरण भवन की पुरानी बिल्डिंग के चैथेए पांचवें व छठे तल पर लगभग 1200 वर्गमीटर क्षेत्रफल में मॉडर्न रिकॉर्ड रूम बनवाया जाएगा। इसमें फाइलों व मानचित्रों को मोबाइल कॉम्पैक्टर स्टोरेज सिस्टम के तहत अत्याधुनिक तकनीकी से डिजाइन की गयी बंद अलमारियों में रखा जाएगा। इससे कम जगह में ज्यादा से ज्यादा फाइलें स्टोर की जा सकेंगी। साथ ही फाइलों के सीलन व दीमक से खराब होने के खतरे से पूरी तरह छुटकारा मिल जाएगा।

### पुराने रिकॉर्ड का कराया जाएगा डिजिटाइजेशन

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि रिकॉर्ड रूम के निर्माण में नॉन कम्बस्टिबल मटीरियल (गैर दहनशील सामग्री) का प्रयोग किया जाएगा। जिससे आग लगने की सूरत में आग का फैलाव नहीं होगा और दस्तावेजों को बचाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि सभी फाइल बॉक्स पर बारकोड स्कैनर लगाया जाएगा, ताकि जरूरत पड़ने पर किसी भी योजना की फाइल को आसानी से स्कैन करके ट्रेस किया जा सकेगा। इसके अलावा नजूल व इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट आदि के पुराने रिकॉर्ड को संरक्षित करने के लिए दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन कराया जाएगा। रिकॉर्ड रूम का संचालन संवेदनशील तरीके से हो, इसके लिए रिकॉर्ड अनुभाग में तैनात कर्मचारियों को ही वहां प्रवेश की अनुमति रहेगी। इसके लिए अनुभाग के कर्मचारियों को ही रिकॉर्ड रूम का एक्सेस कार्ड दिया जाएगा।

# डीएम ने की क्षेत्रीय विधायकों के साथ योजनाओं को अंतिम रूप देने पर चर्चा

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**जिलाधिकारी** द्वारा लोक निर्माण विभाग की 17 योजनाओं के कार्यों पर क्षेत्रीय विधायकों के साथ चर्चा की गयी। क्षेत्र में सड़क के कार्यों को अंतिम रूप देने के लिए प्रस्ताव देने के लिए कहा गया है। साथ ही 14 अक्टूबर को प्रभारी मंत्री की बैठक में अनुमोदन दिया जा सके।

गुरुवार को जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग में चयनित 17 विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में गुरुवार को जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक की। मुख्यमंत्री उप्र शासन की वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा दिये निर्देश के अनुपालन में जनपद के विधायकों के साथ लोक निर्माण विभाग की कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए जिलाधिकारी ने बैठक की। बैठक में वर्तमान में लोक निर्माण विभाग में प्रचलित 17 विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत विभिन्न कार्यों (जैसे नवीन सड़क निर्माण, मरम्मत, चौड़ीकरण आदि) को अंतिम रूप देने के लिए विधायक से गहन चर्चा भी की।

जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत प्रचलित 17 विभिन्न योजनाओं को अंतिम रूप देते हुये शीघ्रतया से प्रस्ताव उपलब्ध करायें, जिससे 14 अक्टूबर को प्रभारी मंत्री की बैठक में इन योजनाओं का अनुमोदन प्राप्त किया जा सके। बैठक में मार्गों के चौड़ीकरण, पॉलीटेक्निक चौराहे से अयोध्या रोड पर किसान पथ तक एलीवेटेड रोड के निर्माण और सेतुओं के प्रस्ताव आदि पर मंत्रणा की। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विधायकों की सुविधा के लिए लोक निर्माण विभाग से एक एक अधिकारी विधायकों से समन्वय करते हुए विधानसभावार प्रस्ताव उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। बैठक में विधायक योगेश शुक्ला, बीकेटी, विधायक जय देवी, मलिहाबाद, रक्षा मंत्री के प्रतिनिधि, विधायक नीरज बोरा, लखनऊ उत्तर, विधायक ओम प्रकाश श्रीवास्तव, लखनऊ पूर्व सहित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने भी हिस्सेदारी की।

# टी. एस. मिश्रा लॉ स्कूल में टाटा को श्रद्धांजलि देकर हुआ अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**कुलाधिपति** सतीश चंद्र मिश्र, प्रति कुलाधिपति कपिल मिश्र एवं कुलपति डॉ. प्रशांत त्रिवेदी के मार्गदर्शन में टी. एस. मिश्रा विश्वविद्यालय के टी. एस. मिश्रा लॉ स्कूल द्वारा गुरुवार को ऑनलाइन माध्यम से एक अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता मिस न्युगेन क्यू वाय रहीं। मिस न्युगेन लंदन स्थित स्टडी अब्रॉड नामक संस्था की सदस्या हैं तथा इन्होंने लंदन से ही अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार में एल एल. एम. किया है।

एक दिन पूर्व देश के महान व्यक्तित्व रतन टाटा के निधन से देश को गहरी क्षति हुई है। उनके जीवन की उत्कृष्ट यात्रा को याद दिलाने तथा उन्हें श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से यह व्याख्यान आयोजित किया गया। दिवंगत रतन टाटा टाटा समूह के अपने परिवर्तनकारी नेतृत्व, महत्वाकांक्षी वैश्विक अधिग्रहण और नैतिक मूल्यों के लिए प्रसिद्ध थे। वे न केवल भारत में बल्कि दुनिया में एक ऐसे सम्मानित उद्योगपति थे जिनसे सभी प्रेरणा लेते हैं। व्याख्यान के दौरान मुख्य वक्ता ने बताया कि कैसे वे रतन टाटा से प्रभावित हैं। उन्होंने ऐसे समय में टाटा समूह का नेतृत्व संभाला जब टाटा समूह के लिए बदलाव करना महत्वपूर्ण था। उन्होंने टाटा समूह के काम करने के तरीके और कई व्यवसायों को बदल दिया। रतन टाटा के नेतृत्व में व्यवसाय समूह ने शिक्षा और कैंसर उपचार सहित कई अन्य क्षेत्रों में बहुत काम किया। रतन टाटा की विरासत उद्योग जगत के लोगों का मार्गदर्शन करेगी। करुणा, विनम्रता और राष्ट्र निर्माण की उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। अंत में लॉ स्कूल के डीन प्रो. (डॉ.) सी. पी. सिंह ने वक्ता का आभार प्रकट किया तथा सभी को संबोधित करते हुए रतन टाटा जी को श्रद्धांजलि दी और बताया कि उनके निधन से भारत ने एक अमूल्य रत्न खो दिया है।

# राजधानी में 8.50 लाख कीमत की 1440 बोतल गैर प्रांत की विदेशी मदिरा बरामद

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**● विक्रेता को भेजा गया जेल, अनुज्ञापिनी व तस्कर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज**

**लखनऊ** में आबकारी टीम को बड़ी सफलता मिली है। थाना बिजनौर के अंतर्गत नटकुर विदेशी मदिरा की दुकान से लगभग 8.50 लाख रुपये कीमत की गैर प्रांत की 1440 बोतल विदेशी मदिरा बरामद हुई है। विक्रेता, अनुज्ञापिनी तथा तस्कर के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराते हुए विक्रेता को जेल भेजा गया है। दुकान के समस्त स्टॉक को जब्त करते हुए दुकान अनुज्ञापन के निलंबन की कार्यवाही की जा रही है। लखनऊ के जिला आबकारी अधिकारी राकेश सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर थाना बिजनौर अंतर्गत नटकुर विदेशी मदिरा दुकान तथा आस पास के इलाक़ों में दबिश दी गयी। तलाशी के दौरान दुकान के काउंटर के अंदर रखी शराब की विभिन्न ब्रांड की बोतलें, अद्धा तथा पौवा आदि को विभागीय ऐप से स्कैन तथा भौतिक सत्यापन करने पर कुछ मदिरा के अद्धे तथा पौवो पर चस्पाँ कोड व लगे ढक्कन नक़ली पाए गए। सिंह ने बताया कि सघन तलाशी के दौरान दुकान के अनुज्ञापित परिसर में राजधानी ब्रांड की कुल 1440 बोतल विदेशी मदिरा की 120 पेटियां मिली जिसकी अनुमानित कीमत 8.5 लाख रुपये है, जो चंडीगढ़ में बिक्री हेतु अनुमन्य थी। इसके अतिरिक्त रोल बनाकर रखे गए 1005 नक़ली क्यूआर कोड तथा विभिन्न ब्रांड के कुल 6141 नक़ली ढक्कन भी मिलें। इसके अतिरिक्त दो बोरो में अलग-अलग ब्रांडों की ख़ाली शीशियां प्राप्त हुईं। सिंह ने बताया कि दुकान पर मौजूद विक्रेता हिमांशु जायसवाल से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बताया कि यह दुकान उसकी मां प्रेमवती के नाम आवंटित है तथा नजीरगंज थाना हसनगंज लखनऊ निवासी विशाल जायसवाल इस कार्य में उसका सहयोग कर रहा था। दुकान के विक्रेता, अनुज्ञापिनी तथा तस्कर के विरुद्ध आबकारी अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए विक्रेता हिमांशु जायसवाल को जेल भेजा गया।

# दुष्कर्मी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

**विधि संवाददाता।** लखनऊ

**एक** मासूम बच्ची से दुष्कर्म करने के अपराध में पॉक्सो की विशेष अदालत ने आरोपी जीशान खान को दोषी करार दिया है। एडीजे आशुतोष कुमार सिंह ने इसे 20 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही इस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कहा है कि जुर्माने की धनराशि पीड़िता को दी जाएगी। दो सितंबर 2022 को इस मामले की रिपोर्ट बच्ची की मां ने थाना बाजारखाला में दर्ज कराई थी। सरकारी वकील विनय कुमार, अनुपमा श्रीवास्तव व पंकज श्रीवास्तव के मुताबिक बच्ची से दुष्कर्म की वारदात दो दिन पहले की है। पांच वर्षीय पीड़िता दोपहर में घर के बाहर खेल रही थी। उसी समय आरोपी ने उसके साथ गलत काम किया। पीड़िता ने घर आकर यह बात अपनी मां को बताई थी।

# न्यायिक आयोग के समक्ष पेश हुए सूरजपाल उर्फ भोले बाबा

**लखनऊ (भाषा)।** हाथरस जिले में एक सत्संग के बाद मची भगदड़ के मामले के संबंध में स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ भोले बाबा घटना की जांच कर रहे न्यायिक आयोग के समक्ष बृहस्पतिवार को पेश हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

हाथरस जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव में इस वर्ष दो जुलाई को हुए हादसे में 121 लोगों की मौत हो गई थी। सूरजपाल के वकील ए.पी. सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि न्यायिक जांच आयोग ने पूछताछ के दौरान घटना के बारे में सूरजपाल का बयान दर्ज किया। उन्होंने बताया कि पूछताछ ढाई घंटे तक जारी रही। सिंह ने यह भी बताया कि आयोग को अपनी जांच पूरी करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है। सूरजपाल का नाम हालांकि प्राथमिकी में आरोपी के रूप में शामिल नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन जुलाई को हाथरस घटना की जांच और भगदड़ के पीछे किसी साजिश की संभावना की जांच के लिए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग गठित किया था। सूरजपाल के वकील ए.पी. सिंह ने संवाददाताओं को बताया, सिंह ने बताया, न्यायिक आयोग का कार्यालय यहां (लखनऊ में) है और आज नारायण साकार हरि (सूरजपाल) को यहां उनके बयान के लिए बुलाया गया था। हम पूर्वाह्न करीब साढ़े 10 बजे आयोग के कार्यालय पहुंचे और दोपहर एक बजे वहां से चले गए। सिंह ने कहा, हमें उत्तर प्रदेश पुलिस, न्यायपालिका, राज्य सरकार और केंद्र पर पूरा भरोसा है। हमारे साथ न्याय होगा। उन्होंने कहा कि हाथरस भगदड़ मामले की प्राथमिकी या पुलिस के आरोप पत्र में सूरजपाल का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज नहीं है। सिंह ने यह भी दावा किया कि मामले पर गहन पूछताछ के बाद पैनल ने उन्हें बताया कि सूरजपाल को दोबारा नहीं बुलाया जाएगा।

# रोबोट की दुनिया मनुष्यों की तरह कई कामों को अंजाम देगी

**● एकेटीयू में रोबोटिक्स तकनीकी पर आयोजित हुई संगोष्ठी, रोबोटिक्स विशेषज्ञ एवं आईआईटी मंडी के निदेशक ने रोबोटिक्स के विभिन्न आयाम पर की चर्चा**

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**डॉ.** एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में गुरूवार को सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज एवं इनोवेशन हब की ओर से डेवलपमेंट ऑफ कॉगनिटिव रोबोटिक सिस्टम: चैलेंज एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य वक्ता आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो लक्ष्मीधर बेहरा रहे। रोबोटिक्स विशेषज्ञ प्रो लक्ष्मीधर बेहरा ने इस मौके पर रोबोटिक्स के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वर्तमान में रोबोटिक्स स्थिति और भविष्य में किस तरह से यह तकनीकी बदलेगी इस पर चर्चा की। बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आ जाने से काफी परिवर्तन आने वाला है। रोबोट की दुनिया मनुष्यों की तरह कई कामों को अंजाम देगी। रोबोटिक्स के एल्गोरिदम के बारे में भी जानकारी दी। बताया कि रोबोट इंसानों की तरह सुनने के अलावा उन्हीं की तरह काम भी कर रहे हैं। उन्होंने एडवांस रोबोटिक्स, उसके एप्लीकेशन, उद्योगों में रोबोटिक्स की उपयोगिता के अलावा कॉग्नेटिव लर्निंग, इमिटेशनल लर्निंग के बारे में भी विस्तार से जानकारी साझा की। बताया कि आने वाले समय में जिस तरह से बच्चे बड़ों से सीखतें हैं उसी तरह से रोबोट भी सीखेंगे। हालांकि उन्होंने रोबोटिक्स तकनीकी की चुनौतियों को भी इंगित किया। इस मौके पर कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन एसोडीन इनोवेशन डॉ अनुज कुमार शर्मा ने किया। जबकि धन्यवाद इनोवेशन हब के हेड महीप सिंह ने दिया। इस दौरान काफी संख्या में शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे।

**रिक्त सीटों के लिए होगी स्पेशल राउंड की काउंसलिंग**

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सरकारी एवं सरकारी स्ववित्त पोषित संस्थानों में खाली सीटों पर स्पेशल राउंड की काउंसलिंग फिजिकल मोड में होगी। इसमें जेईई के तहत बीटेक एवं बीटेक बायोटेक्नोलॉजी और एग्रीकल्चर के लिए पंजीकरण 11 से 16 अक्टूबर तक होगी। जबकि फिजिकल रिपोर्टिंग 18 अक्टूबर को करनी है। सीट आवंटन भी इसी दिन होगा। सीयूईटी पीजी के तहत एमबीए, एमसीए और एमसीए लेटरल के लिए पंजीकरण भी 11 से 16 अक्टूबर तक होगी।

# डेंगू के 63 केस मिले, 12 को नोटिस

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**लखनऊ** जनपद में डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। गुरुवार को जनपद में डेंगू के 63 केस सामने आये हैं। जिन इलाकों में डेंगू के रोगियों के मिलने की पुष्टि हुई है, उनमें अलीगंज-8, इन्दिरानगर-7, चिनहट-4, एनके रोड-4, चन्दरनगर-8, रेडक्रास-4, टूडियागंज-5, सिल्वर जुबली-9, ऐशबाग-4, गोसाईगंज-2, बीकेटी-4, माल-1, सरोजनीनगर-3) धनात्मक रोगी पाये गये। इसके अतिरिक्त मलेरिया के 4 (मोहनलालगंज-1, ऐशबाग-1, अलीगंज-1, गोसाईगंज1) धनात्मक रोगी पाये गये। माह जनवरी 2024 से अब तक जनपद में डेंगू के कुल 970 एवं मलेरिया के 440 धनात्मक रोगी पाये गये। आज लगभग 1527 घरों एवं आस-पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल 12 घरों में मच्छरजनित स्थितियां पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न स्थलो/भवनों का निरीक्षण किया गया तथा लार्वा रोधी रसायन का छिडकाव किया गया। क्षेत्रीय जनता को घर के आस-पास पानी जमा न होने, पानी से भरे हुए बर्तन एवं टंकियों को ढंक कर रखें, हर सप्ताह कूलर के पानी को खाली करके साफ कपड़े से पोछ कर सूखा एवं साफ करने के बाद ही पुन: प्रयोग में लाने, पूरी बांह के कपड़े पहनने, बच्चों को घर से बाहर न निकलने दें।

# डॉ. सुषमा सिंह बनी डीजी प्रशिक्षण

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**शासन** स्तर पर गुरुवार को स्वास्थ्य भवन में निदेशक सीएचसी डॉ. सुषमा सिंह को महानिदेशक प्रशिक्षण के पद पर तैनाती का आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश सचिव रंजन कुमार के स्तर से जारी किया गया है।

# दीपावली में नहीं लांच होगी मोहान रोड योजना

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**एलडीए** की मोहान रोड आवासीय योजना दीपावली के बजाय अब नए साल में लॉन्च होगी। बिल्डर के चयन में देरी के चलते ऐसा होगा। पहले योजना एलडीए ही विकसित करने वाला था, लेकिन अब किसी बड़ी कंपनी को यह काम सौंपा जाएगा। इसके लिए ईओआई (इंप्रेसन ऑफ इंट्रेस्ट) जारी किया जाने वाला है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री के वित्तीय सलाहकार केवी राजू के सुझाव पर ऐसा किया जाएगा। ईओआई तैयार हो गया है। कंपनियों को योजना को लेकर प्रस्ताव देने के लिए एक महीने का समय मिलेगा। उनके सुझाव भी लिए जाएंगे। ईओआई के बाद कंपनी के चयन के लिए टेंडर जारी किया जाएगा। योजना का रेरा में पंजीकरण कराने की प्रक्रिया चल रही है। योजना कलिया खेड़ा और प्यारेपुर गांव की 785 एकड़ जमीन पर विकसित की जानी है।

# रोजाना तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिल रही

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**उत्तर** प्रदेश में मानसून सीजन के समापन के बाद अब रोजाना तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिल रही है। इससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत तो मिली ही शरद ऋतु का आगाज भी लोगों को महसूस होने लगा है। वहीं शाम को बादल छाए रहे, जिससे वातावरण में नमी बढ़ी। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल अभी कुछ दिन पूरे प्रदेश में मौसम के शुष्क रहने के संकेत हैं।

बृहस्पतिवार को राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न इलाकों में मौसम तो साफरहा लेकिन आसमान में बेमौसम बादल छाये रहे। लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में छाए इन बादलों से बारिश नहीं होने वाली। ये अरब सागर में उठी एक हलचल का नतीजा हैं। अरब सागर में बने एक वेदर सिस्टम की वजह से पैदा हुई नमी से प्रदेश में ये बादल छाये हैं, लेकिन इन बादलों से बारिश नहीं होने वाली। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में अब रात के तापमान में मामूली गिरावट होने लगी है और हवा में ठंडक घुलने लगी है।

**बना रहा धूप-छांव का मौसम:** राजधानी लखनऊ में बृहस्पतिवार को आसमान में बादल छाए रहे और धूप छांव का मौसम बना रहा। बादलों की वजह से दिन में धूप की तल्खी नहीं रही और मौसम सुहाना बना रहा। रात के तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई। दिन का तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि ये बादल बरसने वाले हैं। फिलहाल दिन के तापमान में कोई विशेष अंतर नहीं आने वाला। रातें धीरे धीरे ठंडी होंगी। लखनऊ में कुछ दिन मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।

**अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस एवं नवरात्र विशेष**

# बच्चों को परोसें पोषक प्रसाद, स्वस्थ जीवन की ओर दें योगदान

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

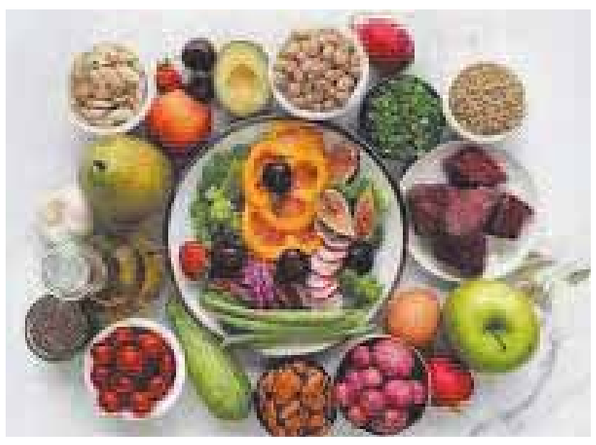

**● यूनिसेफ एवं लखनऊ जन कल्याण महासमिति ने जारी करी पोषण की अपील**

**पोषण** को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लखनऊ जनकल्याण महासमिति एवं यूनिसेफ ने मिल कर नवरात्रि के अष्टमी एवं नवमी पूजन में पोषक प्रसाद वितरण की अपील जारी की है। साथ ही महासमिति के माध्यम से लखनऊ के लगभग 500 से अधिक रेज़िडेन्ट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ साझा की गई है एवं लोगों से कन्या पूजन में फास्ट फूड की जगह घर का बना पोषक प्रसाद वितरित करने की अपील की गई है।

11 अक्टूबर को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए यूनिसेफ की संचार विशेषज्ञ निपुण गुप्ता ने कहा कि बेटियाँ सशक्त तब होंगी जब वे स्वस्थ, पोषित एवं शिक्षित होंगी। उन्होंने बेटियों के लिए चलाए जा रहे सरकार के मिशन शक्ति एवं पोषण अभियान जैसे कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि नवरात्रि जैसे पर्व, सशक्त और सुपोषित बेटियों के लिए सामाजिक प्रतिबद्धता दिखाने का अवसर है। पोषित आहार एवं स्वस्थ जीवन प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और इस प्रयास में रेज़िडन्ट वेल्फेयर एसोसिएशन की भागीदारी सराहनीय है। पोषक आहार न केवल बच्चों के शारीरिक विकास में सहायक है, बल्कि उनके मस्तिष्क के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। गुप्ता ने कहा, जिन बच्चों को सही पोषण मिलता है, उनमें रोग से लड़ने की शक्ति अधिक होती है जिससे वे पढ़ाई में मन लगा सकते हैं एवं जीवन में अपनी पूर्ण योग्यता को हासिल कर सकते हैं। लखनऊ जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष उमाशंकर दुबे ने कहा कि कुछ लोग कन्या भोग में बच्चों को टेट्रा पैक जूस, कोल्ड ड्रिंक, चिप्स के पैकेट आदि प्रोसेस्ड फूड वितरित करते हैं। हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं की वे इस बार जंक फूड की जगह पारंपरिक तौर पर घर पर बनाए जाने वाले प्रसाद जैसे हलवा, पूड़ी, खीर, चना आदि वितरित करें। यदि घर पर बनाना संभव न हो तो बच्चों को फल, लस्सी, मट्ठा, मेवे के छोटे पैकेट, मूंगफली आदि पोषक प्रसाद ही वितरित करें। बता दें कि गत वर्ष भी यूनिसेफ एवं लखनऊ के नौ रेज़िडन्ट वेल्फेयर एसोसिएशन ने मिल कर नवरात्रि में पोषक प्रसाद वितरण की अपील जारी की थी। जिसे लोगों ने अपने घरों में सोसाइटी में अपनाया था एवं अपनी तस्वीरें साझा की थीं। यह अपील ज़िंदगी मास्टरक्लास नामक पहल के अंतर्गत किया गया था। जिसमें पोषण को बढ़ावा देने के लिए की गतिविधियां शामिल थीं।

यूनिसेफ के पोषण विशेषज्ञ रबी पाढ़ी ने कहा कि उत्तम स्वास्थ्य के लिए ताज़ा तथा विभिन्न प्रकार के पदार्थों से बना भोजन आहार में शामिल करना श्रेष्ठ है। तरह तरह के खाद्य पदार्थों से हमे एक संतुलित मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, खनिज पदार्थ तथा विटामिन्स मिलते है। खाने मैं तेल/वसा, नमक, चीनी की मात्रा कम रखनी चाहिए। बाजार मैं मिलने वाले प्रोसेस्ड फूड में चीनी, नमक, रंग, नकली फ्लेवर एवं वसा की मात्रा उसे हानिकारक बनाती है। हमे इनसे दूर रहना चाहिए क्योंकि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा, हमेशा ध्यान रहे कि अपने भोजन में दाल चावल के अलावा मौसमी फल, हरी सब्जी एवं नट्स जैसे मूंगफली आदि को जरूर शामिल करें। यह बच्चों की बढ़ती उम्र में आवश्यक है। खाने में अधिक से अधिक मिलेट्स का उपयोग करें।

# महानिशा पूजन कर सीएम योगी ने की लोकमंगल की प्रार्थना

● गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में हवन के साथ पूर्ण हुआ नवरात्र अष्टमी का अनुष्ठान

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**गोरक्षपीठाधीश्वर** एवं मुख्यमंत्री एवं योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार देर शाम शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी तिथि के मान में गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार विधि विधान से महानिशा पूजन व हवन किया। महानिशा पूजन अनुष्ठान से पूर्व उन्होंने वैदिक मंत्रों के बीच जगतजननी मां आदिशक्ति के अष्टम स्वरूप महागौरी माता की पूजा-अर्चना की।

शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने अष्टमी तिथि के मान में गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में महानिशा पूजा का विशिष्ट अनुष्ठान पूर्ण कर लोकमंगल की प्रार्थना की। गुरुवार पूर्वाह्न देवीपाटन शक्तिपीठ से गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधिस्थल पर जाकर शीश नवाया। देर शाम वह महानिशा पूजा में सम्मिलित हुए। शुक्रवार पूर्वाह्न नवमी तिथि के मान में कन्या पूजन तथा शनिवार को दशमी तिथि पर श्रीनाथ जी के विशिष्ट पूजन और गोरक्षपीठ से निकलने वाले परंपरागत विजयादशमी शोभायात्रा तक सीएम योगी गोरक्षभूमि पर शक्ति की भक्ति में रत रहेंगे। गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में महानिशा पूजा का अनुष्ठान गुरुवार देर शाम गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। दो घंटे से अधिक चले अनुष्ठान में गोरक्षपीठाधीश्वर ने गौरी गणेश पूजन, वरुण पूजन, पीठ पूजन, यंत्र पूजन, मां दुर्गा का विधिवत् पूजन, भगवान राम-लक्ष्मण-सीता का षोडशोपचार पूजन, भगवान कृष्ण एवं गोमाता का पूजन, नवग्रह पूजन, विल्व पूजन,अधिष्ठात्री देवता पूजन, शस्त्र पूजन, द्वादश ज्योर्तिलिंग-अर्धनारीश्वर एवं शिव-शक्ति पूजन, वटुक भैरव, काल भैरव, त्रिशूल पर्वत पूजन किया। साथ ही हवन की वेदी पर ब्रह्मा, विष्णु, रूद्र और अग्नि देवता का आह्वान कर पूजन किया और शक्तिपीठ में स्थापित वेदी पर उगे जौ के पौधों को काटकर आदिशक्ति मां दुर्गा से लोकमंगल की प्रार्थना की। महानिशा पूजा का अनुष्ठान गोरक्षपीठाधीश्वर द्वारा हवन करके पूर्ण किया गया। समस्त अनुष्ठान दुर्गा सप्तसती के पाठ एवं वैदिक मंत्रों के साथ संपन्न हुआ। अंत में आरती एवं क्षमा याचना के बाद प्रसाद वितरित हुआ। इस अवसर पर मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा समेत बड़ी संख्या में गोरखनाथ मंदिर के भक्त उपस्थित रहे। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर स्थित अपने आवास के शक्तिपीठ में शुक्रवार पूर्वाह्न शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि को देवी दुर्गा के नौवें रूप मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना करेंगे। उसके बाद कन्या पूजन का अनुष्ठान होगा।

## मुख्यमंत्री ने महानवमी पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

**लखनऊ।** सीएम योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि में महाअष्टमी एवं महानवमी के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगत की समस्त व्यवस्थाओं को आदिशक्ति भगवती संचालित करती हैं। इनके अनंत रूप हैं। आदिशक्ति प्रधान नौ रूपों में नवदुर्गा बनकर चराचर जगत पर अपनी करुणा की वर्षा करती हैं। नवरात्रि में माँ के इन नौ रूपों का पूजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव से किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि में मां दुर्गा की आराधना मातृशक्ति के प्रति सनातन परम्परा के सम्मान का प्रतीक है। इसी क्रम में नवरात्रि में महाअष्टमी एवं महानवमी पर भक्तगण कन्या पूजन करते हैं। नवरात्रि का पर्व केवल व्रत और उपवास का नहीं, बल्कि नारी शक्ति और कन्याओं के सम्मान का भी पर्व है। यह पर्व मातृशक्ति के प्रति भारत की भावना का प्रभावी प्रतिनिधित्व करता है।

## मुख्यमंत्री ने 'शक्ति के पर्व' पर की मां की आराधना

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ/ बलरामपुर

**मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह मां पाटेश्वरी के दर्शन-पूजन किए। दो दिवसीय बलरामपुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री गुरुवार की सुबह उन्होंने मां के चरणों में शीश झुकाकर अपनी श्रद्धा निवेदित की। मुख्यमंत्री ने जगतजननी मां भगवती से सुखी-स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर प्रांगण स्थित गोशाला भी गए। यहां उन्होंने सभी गायों को गुड़ व चारा खिलाया। सीएम ने नाम लेकर गायों को पुकारा तो वे भी गोरक्षपीठाधीश्वर के पास दौड़ते चली आईं। सीएम ने गो सेवा करते हुए गोशाला की व्यवस्था को भी देखा। दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर का भी भ्रमण किया। यहां आए दर्शनार्थियों ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन किया। वहीं मंदिर में आये नन्हे-मुन्नो को मुख्यमंत्री ने चॉकलेट भी दिया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई आदि की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ने का मंत्र भी दिया। मुख्यमंत्री मंदिर में थारू जनजाति छात्रावास के बच्चों से भी मिले। उनकी शिक्षा, खानपान, रहने आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी भी मौजूद रहे।

# 10 हजार से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों पर आवेदन के लिए शुरू हुई बुकिंग प्रक्रिया

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

● यंत्रों के क्रय पर अनुदान प्राप्त करने के लिए 23 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे किसान

**डबल** इंजन सरकार अन्नदाता किसानों के उत्थान के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में किसानों के हित में अनेक कार्य व योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में योगी सरकार कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं के अंतर्गत कृषि यंत्र- कृषि रक्षा उपकरण, कस्टम हायरिंग सेंटर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग, थ्रेसिंग फ्लोर व स्मॉल गोदाम पर अनुदान प्राप्त करने का अवसर किसानों को उपलब्ध करा रही है। इसके आवेदन के लिए किसान 23 अक्टूबर तक बुकिंग कर अवसर का लाभ उठा सकेंगे।

कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने के लिए आवेदन के लिए वेबसाइट पर जाकर 'यंत्र पर अनुदान हेतु बुकिंग करें' लिंक पर क्लिक करना होगा। 10 हजार तक अनुदान वाले समस्त कृषि यंत्रों-कृषि रक्षा उपकरणों के लिए आवेदक कृषि विभाग के पोर्टल पर बुकिंग कर सकेंगे। इसके साथ ही, आवेदक अपने या परिवार के मोबाइल नंबर से ही आवेदन कर सकेंगे। कृषि बिल, बुकिंग की तिथि से 10 दिन के भीतर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। प्रक्रिया के अंतर्गत पोर्टल पर उपलब्ध मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त होगा। निर्धारित अवधि में बिल अपलोड न होने पर बुकिंग निरस्त हो जाएगी। 10 हजार से एक लाख तक अनुदान के कृषि यंत्रों के लिए बुकिंग के लिए धनराशि 2500 रुपये होगी, जबकि एक लाख से अधिक अनुदान के कृषि यंत्रों के लिए यह राशि पांच हजार रुपये होगी। किसानों को आवेदन के समय ही यंत्रवार निर्धारित बुकिंग धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी। लक्ष्य अवशेष न रहने व ई-लॉटरी में चयनित न होने वाले किसानों को बुकिंग धनराशि वापस कर दी जाएगी।

इच्छुक लाभार्थी/ कृषक 23 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे। 9 से 23 अक्टूबर तक निर्धारित समयावधि में आवेदन किया जा सकेगा। विभागीय पोर्टल पर लक्ष्य से अधिक आवेदन की दशा में डीएम की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष विभागीय पोर्टल पर ई-लॉटरी के माध्यम से ब्लॉकवार लक्ष्यों के सापेक्ष लाभार्थी का चयन किया जायेगा।

ई-लॉटरी व्यवस्था में लक्ष्य के अनुरूप चयनित किये जाने वाले लाभार्थियों की संख्या के अतिरिक्त लक्ष्य का 50 प्रतिशत तक क्रमवार प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जायेगी। लाभार्थियों के चयन/ बुकिंग टोकन कन्फर्म होने की तिथि से कृषि यंत्र क्रय कर विभागीय पोर्टल पर क्रय रसीद, यंत्रों की फोटो व सीरियल नंबर तथा संबंधित अभिलेख अपलोड करने के लिए 30 दिन व कस्टम हायरिंग सेंटर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग व फार्म मशीनरी बैंक के लिए अधिकतम 45 दिन का समय मिलेगा।

# कारागार मंत्री ने मॉडल जेल व नारी बंदी निकेतन का निरीक्षण किया

● बंदियों के हितों के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं: दारा सिंह चौहान

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**कारागार** मंत्री दारा सिंह चौहान ने प्रमुख सचिव कारागार अनिल गर्ग और डीजी कारागार पी. वी. रामाशास्त्री के साथ लखनऊ स्थित मॉडल जेल का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान जेल में हेल्थ एटीएम, टेलीमेडिसिन सेवाएं, प्रिंटिंग प्रेस के उन्नयन, हस्तनिर्मित कागज उद्योग, सिलाई उद्योग, और पावर लूम इकाई की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। मंत्री ने इन सभी उद्योगों के उन्नयन और गुणवत्ता सुधार के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। बंदियों के पारिश्रमिक में वृद्धि पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान गोशाला का निरीक्षण करते हुए गौसेवा के लिए की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की गई।

बंदियों के साथ बातचीत के दौरान, मंत्री दारा सिंह चौहान ने उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने कहा कि समयपूर्व रिहाई का गहन अध्ययन किया गया है। जिसके बाद निर्देश दिए हैं कि एक ऐसी प्रणाली विकसित की जाए, जिससे बंदियों को उनके रिहाई से संबंधित मामलों की प्रगति की सटीक जानकारी जेल विभाग से प्राप्त हो सके। डीजी कारागार पी. वी. रामाशास्त्री ने समयपूर्व रिहाई की नीति और उससे जुड़े सभी संदेहों का निवारण किया।

इसके बाद मंत्री चौहान ने लखनऊ के नारी बंदी निकेतन का निरीक्षण किया। महिला बंदियों के स्वास्थ्य और उनके बच्चों की देखभाल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों को उपहार प्रदान किए और क्रेच की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। महिला बंदियों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने उनकी जेल अपील और समयपूर्व रिहाई से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की और आश्वासन दिया कि उनकी फाइलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

मंत्री दारा सिंह चौहान ने कारागार अधिकारियों को निर्देश दिए कि बंदियों के हितों के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं और उनकी समस्याओं का समय रहते निपटारा किया जाए। निरीक्षण के पहले कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान की अध्यक्षता में दो दिवसीय व्यापक समीक्षा बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में कारागार उद्योग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें विशेष रूप से जेलों में उत्पादित सामानों की गुणवत्ता, विपणन और बंदियों के कल्याण से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी गई।

# माण्डवी फाउण्डेशन ने कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रोग्राम का किया आयोजन

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**माण्डवी** फाउण्डेशन द्वारा गढ़ी कनौरा, तालकटोरा में कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कुशल कारीगरों द्वारा हुनरमंद लोगों को जरी जरदोजी कढ़ाई से प्रशिक्षित किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष ने कहा कि हुनरमंद व्यक्ति कभी भी मायूश व भूखा नहीं रह सकता। गुरुवार को मांडवी फाउंडेशन ने गढ़ी कनौरा, तालकटोरा में कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रोग्राम का आयोजन किया। आयोजन में कुशल कारीगरों ने जरी जरदोजी कढाई से प्रशिक्षित किया। फाउण्डेशन के अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह ने नवयुवकों का हौसला आफजाई करते हुए कौशल विकास के लिए मार्ग दर्शन किया और कहा कि हुनरमंद व्यक्ति कभी भी मायूश व भूखा नहीं रह सकता। हुनर के बहुआयामी परिणाम तमाम क्षेत्रों में देखने को मिलते हैं। आज भारत के कुशल लोग पूरे विश्व में अपना परचम लहरा रहे हैं। भारत के लोगों की कारीगरी से पूरी दुनिया अचम्भित है। भारतीय कुशल कारीगरों की डिमाण्ड पूरे विश्व में है। इसलिए हमारा लक्ष्य है कि समाज के हर व्यक्ति के पास एक हुनर हो, इसका निरंतर प्रयास जारी रहेगा।

# स्वास्थ्य क्षेत्र में भी समृद्ध हो रही आध्यात्मिक नगरी अयोध्या

● राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज कैंपस में 33 करोड़ से अधिक की लागत से बन रहा 110 बेड का ट्रॉमा सेंटर

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ/ अयोध्या

**योगी** सरकार आध्यात्मिक अयोध्या को 'आयुष्मान अयोध्या' भी बना रही है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में रामनगरी स्वास्थ्य क्षेत्र में भी दिनोदिन समृद्ध हो रही है। घटना-दुर्घटना में विपरीत परिस्थिति आने पर अयोध्या को अब लखनऊ पर आश्रित नहीं रहना होगा, बल्कि सभी सुविधाएं यहीं मिल जाएंगी। गंभीर से गंभीर मरीजों का इलाज भी यहीं हो सकेगा। इसके लिए अयोध्या के राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में 110 बेड के ट्रॉमा सेंटर का निर्माण कराया जा रहा है। मई 2025 तक यह बनकर तैयार हो जाएगा। यहां एक ही छत के नीचे सारी अत्याधुनिक सुविधाएं मिल जाएंगी। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के शुरू होते ही यहां के विकास कार्यों का खाका खींचा जाने लगा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्यावासियों और श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की फिक्र करते हुए यहां मल्टीस्पेशियिलिटी अस्पताल व दर्शननगर स्थित राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं को बढ़ाने का निर्देश दिया था। काफी दिनों से लंबित पड़े 110 बेड के ट्रॉमा सेंटर के प्रोजेक्ट पर काम न सिर्फ शुरू करा दिया गया, बल्कि आधे से अधिक कार्य पूरा भी हो गया है।

राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में 110 बेड के ट्रॉमा सेंटर का निर्माण 33 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से कराया जा रहा है। शासन की ओर से निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद राजकीय निर्माण निगम ने काम शुरू करा दिया था। तीन मंजिल के भवन में बन रहे सेंटर में अब तक 50 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। मेडिकल कॉलेज में आकस्मिक चिकित्सा सेवा के लिए 50 बेड का ट्रॉमा सेंटर व 60 बेड का इमरजेंसी मेडिसिन विभाग बनाया जा रहा है। यानी कुल 110 बेड की सुविधा होगी। अभी नए भवन में चल रहे ट्रॉमा सेंटर में मरीजों को कठिनाइयां होती हैं। एक्सरे व सीटी स्कैन के लिए मरीजों को अलग भवन ले जाना पड़ता है। नए ट्रॉमा सेंटर के निर्माण के बाद एक्सरे-सीटी स्कैन समेत तमाम जांच की सुविधा यहीं मिल सकेगी। प्राचार्य डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि भवन का निर्माण तीव्र गति से हो रहा है। इसमें अत्याधुनिक लिफ्ट की भी सुविधाएं रहेंगी। ट्रॉमा सेंटर गंभीर मरीजों के लिए वरदान साबित होगा। यहां एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं मिलेंगी। मरीजों व उनके परिजनों को कहीं भागना नहीं पड़ेगा।

## भागदौड़ में पेंशन की आधी रकम खर्च दिव्यांग को नही मिल सकी ट्राई साइकिल

**मोहनलालगंज।** ट्राई साइकिल के लिए भागदौड़ में पेंशन की आधी रकम खर्च हो गई। फिर भी चलने फिरने में लाचार दिव्यांग को अब तक ट्राई साइकिल नही मिल सकी है। यहां तक कि दिव्यांग की तमाम कोशिश के बावजूद अब तक उसके फॉर्म पर हड्डी के डॉक्टर की सहमति भी नही मिल सकी है। पीड़ित दिव्यांग ने सीएम जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। मोहनलालगंज के दहियर गांव निवासी मोहित कनौजिया चलने फिरने में लाचार हैं। कई वर्ष पूर्व उन्हें मिली ट्राई साइकिल बेहद जर्जर हो चुकी है। जिसकी मरम्मत में मोहित की पेंशन से हजारों रुपए खर्च हो जाते हैं। पीड़ित मोहित ने ब्लॉक पहुंचकर एडीओ समाज कल्याण से मदद मांगी तो उन्होंने डीएचडबल्यूओ ऑफिस भेज दिया। दिव्यांग मोहित का कैसरबाग पहुंचना आसान नही था। लिहाजा उसके दोस्त मोहित के सारे कागजात लेकर डीएचडबल्यूओ ऑफिस गए। ऑफिस के स्टाफ ने उन्हें फार्म देकर बलरामपुर अस्पताल में मेडिकल बोर्ड के पास भेज दिया। लेकिन भारी भीड़ की वजह से काफी इंतजार के बाद भी फार्म पर डॉक्टर की सहमति नही मिल सकी। मोहित ने बताया सीएचसी में हड्डी के डॉक्टर नही हैं । जिससे उसके फॉर्म की औपचारिकताएं पूरी नही हो पा रही हैं। दिव्यांग मोहित ने बताया ट्राई साइकिल के लिए भागदौड़ में पेंशन की रकम में से 1500 रुपए खर्च हो चुके हैं। फिर भी अब तक ट्राई साइकिल नही मिल सकी है।

# एलयू में पीएचडी ऑनलाइन आवेदन पांच नवंबर तक

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने गुरुवार को सत्र 2024-25 पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन की शुरूआत हो गई है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन पांच नवंबर तक किया जा सकेगा। एलयू और सम्बद्ध कॉलेजों में 42 विषयों की कुल रेगुलर 927 सीटों पर दाखिले के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। वहीं पार्ट टाइम पीएचडी की 28 सीटों के लिए आवेदन किया जा सकता है। रेगुलर सीटों के अन्तर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय में 409 और सम्बद्ध महाविद्यालयों में 518 पीएचडी की रिक्त सीटें हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विषयवार सीटों का विवरण जारी कर दिया गया है। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पीएचडी आवेदन फार्म अगला भरने से पूर्व प्रत्येक अभ्यर्थी को एलयूआरएन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। अभ्यर्थी के फोटो स्कैन और हस्ताक्षर स्कैन की कॉपी भी 50 केबी के अन्दर होनी चाहिए। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि प्रवेश फार्म की फीस ऑनलाइन जमा करने के बाद 72 के पहले दोबारा न जमा करें।

**11 विषयों में कर सकेंगे पार्ट टाइम पीएचडी:** विश्वविद्यालय प्रशासन ने 42 विषयों में पीएचडी सीटों का विवरण जारी किया है। जिनमें 11 विषय ऐसे हैं जिनमें अभ्यर्थी पार्ट टाइम पीएचडी के लिए आवेदन कर सकते हैं। पार्ट टाइम पीएचडी में कुल 28 सीटें रिक्त हैं। जिनमें एआईएच में पांच, अरब कल्चर व अरेबिक में एक-एक, वनस्पति विज्ञान में चार, रसायन विज्ञान की छह, अंग्रेजी में एक, भूगर्भ शास्त्र में दो और लाइब्रेरी साइंस, दर्शनशास्त्र, समाज कार्य व सांख्यिकी की दो-दो सीटें खाली हैं।

# बटलर पैलेस में स्टूडेंट्स के लिए बनेगा बुक कैफे लॉन व ओपन थियेटर में होंगे रंगारंग कार्यक्रम

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**लखनऊ** में राजस्थानी शैली में निर्मित बटलर पैलेस् अब किताबों के शौकीनों की पहली पसंद बनेगा। यहां हेरिटेज लुक में बुक कैफे बनेगा, जहां फोटो गैलरी के साथ लाइट एण्ड साउंड शो संचालित किये जाएंगे। इसके अलावा लॉन व ओपन थियेटर में आर्ट एण्ड क्राफ्ट प्रदर्शिनी के साथ रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किये जा सकेंगे।

एलडीए के पारिजात सभागार में मण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में गुरुवार को हुयी एक महत्वपूर्ण बैठक में प्रोजेक्ट का प्रेजेन्टेशन दिया गया। इसमें भारत के शत्रु सम्पत्ति अभिरक्षक राहुल रमेश नांगरे व एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार समेत अन्य अधिकारी व अभियंता गण उपस्थित रहे। बैठक में एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा लगभग 5 करोड़ रूपये की लागत से बटलर पैलेस के संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। जिसके वाह्य व आंतरिक क्षेत्र का कार्य जल्द पूर्ण करा लिया जाएगा। उन्होंने बटलर पैलेस में प्रस्तावित गतिविधियों का प्रेजेन्टेशन दिया। जिसमें बटलर पैलेस को वीवीआईपी गेस्ट हाउस या फिर बुक कैफे के रूप में संचालित करने का प्रस्ताव दिया गया। उन्होंने बताया कि बटलर पैलेस के तीन से चार किलोमीटर के दायरे में 100 से अधिक स्कूलध्कॉलेज व कोचिंग संस्थान हैं। ऐसे में बटलर पैलेस में बुक कैफे विकसित करने से स्टूडेंट्स व किताबों के शौकीनों को एक बेहतर स्थान मिल जाएगा और बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि बुक कैफे के साथ.साथ बटलर पैलेस में फोटो गैलरी व द्वितीय तल पर ऑडियो.विजुअल शो का प्रावधान भी किया जाएगा। साथ ही रात के समय पैलेस की दीवार पर अवध की संस्कृति को दर्शाता हुआ लाइट एण्ड साउंड शो संचालित किया जाएगा। मण्डलायुक्त ने बुक कैफे के प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए निर्देश दिये कि पैलेस के पास स्थित गार्डेन एरिया को भी सार्वजनिक उपयोग में लाया जाए। इसके लिए ओपन थियेटर व गार्डेन एरिया में आर्ट एण्ड क्राफ्ट प्रदर्शिनी व रंगारंग कार्यक्रम आदि आयोजनों को भी प्रस्ताव में शामिल किया जाए। इसके बाद मण्डलायुक्त ने ग्रीन कॉरिडोर परियोजना के सम्बंध में बैठक की। इसमें उन्होंने निर्देश दिये कि पक्का पुल से डालीगंज तक आरओबी/ फ्लाईओवर निर्माण एवं निशातगंज से कुकरैल तक 4.लेन सड़क निर्माण व बंधा चौड़ीकरण के कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए सम्बंधित विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त सर्वे करा लिया जाए। इसमें पेड़ों की गिनती, एचटी लाइन, पाइप लाइन व सीवर लाइन आदि शिफ्ट करने के लिए नगर निगम, जल निगम, जलकल, सिंचाई विभाग, लेसा व वन विभाग के अधिकारियों को अलग से पत्र प्रेषित किया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी.पूर्वी अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी.प्रशासन डॉ शुभी सिंह, प्राधिकरण के सचिव विवेक श्रीवास्तव, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा व मुख्य अभियंता अवनीन्द्र कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# त्योहार पर नशे में उपद्रव किया तो हवालात की सैर कराएगी पुलिस

● उतरावां और भदेसुवा में आयोजित चौपाल के जरिए एसीपी रजनीश वर्मा ने हुड़दंगियों को दी चेतावनी

**संवाददाता।** मोहनलालगंज

**त्योहार** के मौके पर नशे में उपद्रव करने वालों के लिए पुलिस ने हवालात के दरवाजे खोल रखें हैं। हर छोटी से छोटी सूचना पर पुलिस टीम फौरन मौके पर पहुंचकर हुड़दंगियों के विरुद्ध कार्रवाई करेगी। गुरुवार को निगोहां के उतरावां और मोहनलालगंज के भदेसुवा गांव में आयोजित चौपाल के दौरान एसीपी रजनीश वर्मा ने नशे के लती लोगों को कड़ी चेतावनी दी। ग्रामीणों को पुलिस अधिकारियों के नंबर देकर एसीपी ने कहा किसी को डरने की जरूरत नही है कहीं भी कोई हुड़दंग करता दिखे तो फौरन पुलिस को सूचना दें शिकायतकर्ता का नाम और पहचान गोपनीय रखी जाएगी। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए एसीपी ने कहा चोरी की अफवाहों में आए बिना आप लोग पूरे इत्मीनान से त्योहार मनाइए। आपकी सुरक्षा के लिए पुलिस हर पल आपके साथ है। पिछले डेढ़ माह का आंकड़ा सामने रखते हुए एसीपी रजनीश वर्मा ने कहा चोरी की एक भी शिकायत नही आई है। हमारी टीम चौबीस घंटे पूरी सतर्कता बरत रही है। किसी के बहकावे में न आएं और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की सूचना फौरन पुलिस को देकर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाएं। एसओ निगोहा अनुज तिवारी ने वूमेन पावर लाइन और यूपी 112 के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी दी। मोहनलालगंज एसएचओ आलोक राव ने त्योहार में साइबर फ्रॉड से बचने के लिए अनजान कॉल पर कोई जानकारी न देने और इंटरनेट लिंक पर क्लिक करने में बेहद सावधानी बरतने की सलाह दी।

## पुलिस की चौपाल में विकास की शिकायतें

**निगोहां** के उतरावां में पुलिस अधिकारियों ने चौपाल के जरिए लोगों का भरोसा जीता तो ग्रामीणों ने शिकायतों की झड़ी लगा दी। महिलाओं ने आंगनबाड़ी केन्द्र पर राशन वितरण में गड़बड़ी से लेकर नाली निर्माण के अभाव में पानी निकासी तक की समस्याएं बताई। एसीपी रजनीश वर्मा ने ग्राम प्रधान से समस्याओं का निराकरण कराने के लिए कहा। इसके साथ ही गांव के लोगों को तहसील दिवस में आकर बाल विकास विभाग और ब्लॉक के अधिकारियों से शिकायत करने की सलाह दी।

# दीक्षा बनीं एक दिन की एसपी एएसपी की भूमिका में रितिका

## सांकेतिक रूप से पुलिस अधिकारी बनी छात्राओं ने सुनी फरियाद, दिए निर्देश

**सोनभद्र।** मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को प्रशासनिक पदों के दायित्व के निर्वहन के लिए प्रोत्साहित करने व जिम्मेदारियों का अहसास कराने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत गुरुवार को आदर्श इंटर कालेज की कक्षा 11वीं की छात्रा दीक्षा केशरी को पुलिस लाइन में स्थित एसपी कार्यालय में एक दिन का एसपी बनाया गया। एसपी की कुर्सी पर बैठी दीक्षा ने लोगों की समस्या सुनी। एसपी अशोक कुमार मीणा बगल की कुर्सी पर बैठे। फरियादियों की समस्या सुन दीक्षा ने उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश संबंधितों को दिया। यहां एएसपी मुख्यालय कालू सिंह व अन्य मौजूद रहे। उधर आदर्श की ही छात्रा रितिका कुमारी एक दिन की अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय बनीं। दीक्षा व रितिका ने कहा कि उन्हें खुशी होने के साथ उनका हौसला भी बढ़ा है। इसी तरह दुद्धी में तहसील मुख्यालय के पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय पर वैष्णवी अग्रहरि एक दिन की सांकेतिक सीओ बनी। लोगों की समया सुनी। सीओ प्रदीप सिंह चन्देल ने गुरुवार को अपनी कुर्सी युनाइटेड यूनिवर्सिटी प्रयागराज की एलएलबी द्वितीय वर्ष की छात्रा वैष्णवी अग्रहरि को एक दिन का सांकेतिक सीओ बनाकर कुर्सी उन्हें सुपुर्द कर दिया। कुछ ही देर बाद घरेलू हिंसा की शिकार होकर दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के झारोखुर्द गांव से आई महिला उनके सम्मुख होकर बताई कि कुछ दिन पूर्व उनके जेठ एवं श्वसुर ने मारपीट किया था। इस प्रकरण पर पुलिस से शिकायत के बावजूद कार्रवाई नही हो पाई थी। इस पर वैष्णवी ने संबंधित हल्का दारोगा से प्रकरण की जानकारी ली। दुद्धी कोतवाली में आरएन नर्सिंग की प्रथम वर्ष की छात्रा पुष्पा कुमारी व पूजा कोतवाल बनकर फरियादियों की समस्या सुनती दिखी। सदर चौकी में बी.काम की छात्रा प्रिया गौतम चौकी इंचार्ज बनी। पिपरी क्षेत्राधिकारी कार्यालय में निर्मला कांवेंट स्कूल की छात्रा सदफसिद्दिकी एक दिन की सीओ बनी। क्षेत्राधिकारी पिपरी अमित कुमार के कार्यालय में एक दिन की क्षेत्राधिकारी सदफ सिद्दीकी ने लोगों की समस्या सुनी, दक्षिणांचल ग्रामोदय इंटर कालेज बभनी की कक्षा 12वीं की छात्रा अंशिका गुप्ता एक दिन की बभनी की प्रभारी निरीक्षक बनी। फरियादियों की समस्याएं सुनी। इंस्पेक्टर सदानंद राय ने छात्रा को समझाते हुए बताया कि फरियादियों की समस्या सुनकर उनका निस्तारण कैसे किया जाता है। प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश कुमार मिश्र ने थाना क्षेत्र के हंसवाहिनी पब्लिक स्कूल में कक्षा बारहवीं के विज्ञान वर्ग की छात्रा संस्कृति कुमारी को एक दिन के लिए प्रभारी निरीक्षक बीजपुर का दायित्व सौंपा। इस दौरान संस्कृति ने फरियादियों के प्रार्थना पत्रों का गहनता पुर्वक अवलोकन व फरियादियों से पूछ-ताछ करने के उपरांत थाने के संबंधित बीट के उप निरीक्षकों व पुलिस कर्मियों को मामले के त्वरित निस्तारण हेतु आदेशित किया।

# समाजवादी चिंतक के साथ एक महान समाज सुधारक भी थे नेताजी

### नेताजी में तीनो महापुरुषों गांधीजी डॉ अंबेडकर व डा. लोहिया का जीवन दर्शन एक साथ था समाहित

**मुगलसराय।** चन्दौली समाजवाद और भारतीय राजनीति की धड़कन थे नेता जी मुलायम सिंह यादव जीए ये विचार भारतीय समाजवादी संस्कृति परिषद ;बीएसएसपीद्ध के राष्ट्रीय अध्यक्ष डीएन यादव ने अपने बिलारीडीह स्थित आवास पर नेताजी को श्रद्धांजलि देते हुए एक शोक सभा में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नेताजी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। गांधी जी डॉक्टर अंबेडकर जी व डा0 लोहिया जीए इन तीनों महापुरुषों का जीवन दर्शन एक साथ नेताजी में समाहित था। ऐसे विलक्षण प्रतिभा के धनी जननेता भारत ही नहीं पूरी दुनिया में आज नहीं है। बीएसएसपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा की धरती पुत्र के रूप में जन जन के नेता थे और नेताजी के रूप में नेताओं के नेता थे मुलायम सिंह यादव । उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में प्रेम भाईचारा सद्भावना के साथ रहने का संदेश दिया जिसकी आज मुल्क में सबसे बड़ी जरूरत है। डॉ एन यादव जी ने कहा की नेताजी महान समाजवादी चिंतक के साथ साथ एक बड़े महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जीवन पर्यंत जात पात अमीरी गरीबी की खाई को पाटने का संघर्ष किया। सही अर्थों में जननायक थे नेताजी। जब तक धरती का अस्तित्व रहेगा धरती पुत्र नेता जी का नाम अमर रहेगा। इस अवसर पर बीरेंद्र यादव बंटी प्रदेश उपाध्यक्ष बीएसएसपीए चंद्रजीत यादव प्रधानए संजय यादव प्रधानए मोहम्मद सैफप्रधानए चंद्रशेखर बिन्दए कमला बियारए राजू सोनकरए जमुना भारतीएश्यामप्यारी देवी ए मैमून निशाए रजिया बेगमए प्रतिमा सिंहए मंजू तिवारीए लक्ष्मीना देवीए लोकनि देवीए महाराजी देवीए मिठाई देवीए आदि लोग उपस्थित थे।

## अन्तिम सदस्यता महाभियान 13 को

**गाजीपुर।** भाजपा सदस्यता अभियान 2024 को लक्ष्य तक पहुंचाने को लेकर प्रमुख भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक जिला कार्यालय छावनी लाइन पर जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला प्रभारी डा राकेश त्रिवेदी ने कहा कि सदस्यता का अंतिम महाभियान 13 अक्टूबरए दिन रविवार को देश भर के सभी बूथों पर एक साथ चलाया जाएगा। जिसमें राष्ट्रीय स्तर से लेकर बूथ स्तर तक सभी पदाधिकारीए कार्यकर्ताए जनप्रतिनिधि अपने अपने बूथों पर पूर्वाह्न 8.00 बजे से सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करेंगे। हाथ में सक्रिय सदस्यता की अर्हता हेतु प्रत्येक सदस्य को 100 सदस्य बनाना अनिवार्य है। जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान को लेकर विधानसभाए मंडल और शक्ति केन्द्र स्तर तक लगातार प्रमुख कार्यकर्ताओं के माध्यम से गति दी जा रही है तथा बूथों तक की निगरानी प्रदेश स्तर पर लगातार की जा रही है। उन्होंने बताया कि 16 अक्टूबर को सभी बूथों की सम्पूर्ण रूप से भरी पुस्तिका मंडल अध्यक्षों के माध्यम से जिला कार्यालय पर जमा की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंहए प्रो शोभनाथ यादवए प्रवीण सिंहए जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्माएमयंक जायसवालए अविनाश सिंहए राजीव चतुर्वेदीए प्रदीप सिंहए निखिल राय आदि उपस्थित थे।

## जिला अधिकारी के हाथों 12 अक्टूबर को होगा रावण दहन

**गाजीपुर।** अति प्राचीन रामलीला कमेटी हरिशंकर के मंत्री ओमप्रकाश तिवारी बच्चा ने जानकारी दी की 12 अक्टूबर 2024 को शाम 7 बजे के बाद कोई भी दुर्गा प्रतिमा रामलीला मैदान लंका में प्रवेश नहीं कर सकेगी। जो भी दुर्गा पूजा समिति विसर्जन से पूर्व भगवान श्री राम की आरती लेना चाहते हैं वह उस दिन 7 से पहले गेट नंबर 4 से प्रवेश ले सकते हैं। 7 बजे के बाद कोई भी प्रतिमा रामलीला मैदान में प्रवेश नहीं कर पाएगी। उन्होंने बताया कि दशहरा के दिन रामलीला मैदान के रावण बाड़े में 7ः30 बजे से 8 तक राम रावण युद्ध का सजीव मंचन किया जाएगा जिसका लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। ठीक 8 बजे रामलीला कमेटी के संरक्षक एवं जिलाधिकारी आर्यका अखौरी तथा सह संरक्षकए पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ईरज राजा के हाथों बटन दबाकर रावण के विशाल का पुतले का दहन किया जाएगा। जनता से अपील है कि शांतिपूर्वक ढंग से रामलीला मैदान पहुंचकर दशहरे के पर्व का आनंद लें और रावण दहन के अद्भुत नजारे का गवाह बने।

## श्याम सिंह सहाय के निधन से शोक की लहर

अम्बेडकरनगर। जिले में शोक की लहर तब दौड़ गई।ज़ब पूर्व प्रमुख के दादा के निधन की खबर आई।90वर्षीय श्याम सिंह सहाय के निधन से जिले में शोक की लहर दौड़ गई है।उनके निधन पर जनप्रतिनिधियों व पार्टी नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।लोकनाथपुर गाँव में अजय प्रताप सिंह की मौजूदगी में शोकसभा की गई।जिसमें उपस्थित लोगों ने उनके पार्थिव शरीर पर फूल.माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी व उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।वही उनके पौत्र विजय प्रताप मिंकू सिंह ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ने बताया कि गत 4 चार अक्टूबर को अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई ।उन्हें इलाज के लिए लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में चिकित्सकों द्वारा छः दिन इलाज के बाद जबाव दे दिया।जहां गुरुवार को उनका निधन हो गया।आपको बता दे की स्व श्याम सहाय सिंह बीते नौ दशक पहले लोकनाथ पुर अकबरपुर में जन्मे थे।तब से यह लगातार गाँव वाले बताते है की यह पर्यावरण को लेकर बहुत सजग रहते थे।श्याम सहाय सिंह तो किसान लेकिन अपने क्षेत्र के बड़े समाजसेवी में भी नाम लिया जाता था।इनके पुत्र पुलिस सेवा व पौत्र भी पुलिस सेवा में रहे। हालांकि बाद में पौत्र राजनीति के गालियारे में कदम रखे।इस मौके परएभाजपा नेता डॉ धीरेंद्र प्रताप सिंहए अजीत प्रताप सिंहए केशरी सिंहए डा अमित त्रिपाठी सपा नेता जलापुर डा राजेश सिहं ए दिनेश सिह दयाराम दूबे एडा सिकंदर सिह प्रदीप सिंहएरवीन्द्र पाण्डेयए व क्षेत्र के भारी संख्या में जनता और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम हम सभी के लिए आदर्श-आर पी सिंह

सोनभद्र। रेनुसागर पावर डिविजन में चल रहे, रामलीला के सातवें दिन रेणुसागर रामलीला मंच पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सातवें दिन के लीला का मंचन किया गया, जिसमें सुग्रीव मैत्री, बाली वध, लंका दहन और अक्षय कुमार वध की लीलाओं का यूनिट हेड आर पी सिंह, मानव संसाधन के शैलेश सिंह, ऑपरेशन हेड मनीष जैन समेत आस पास से आए श्रद्धालुओं ने आनन्द उठाया। इस अवसर पर यूनिट हेड आर पी सिंह सभी को नवरात्रि एवं दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा की यह माह त्योहारों का माह है आप सभी के बच्चे बाहर से आए है एवं दोस्त मित्र भी आए है आप सभी आदर्श श्री रामचंद्र जी के चरित्र का अनुसरण करते हुए रामलीला का आनंद उठाए। मुख्य अतिथि के रूप में ऑपरेशन विभाग से श्री सुबोध दवे तथा सुदर्शन गोयल ने सपरिवार भगवान की आरती कर लीला का शुभारंभ किया। रामलीला समिति के अध्यक्ष नवींद्र पाठक ने सभी आए हुए अतिथियों तथा दर्शकों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

## यूपी में 20 और डायलिसिस केंद्र खोलने की घोषणा

कानपुर। वायटसकेयर ने अगले छह महीनों में उत्तर प्रदेश में 20 और डायलिसिस केंद्र खोलने की घोषणा की है। ये नए केंद्र राज्य भर में गुणवत्तापूर्ण और किफायती डायलिसिस सेवाओं को बेहतर ढंग से प्रदान करने को लेकर कंपनी के जारी प्रयासों के अनुरूप है। गौर करने योग्य है कि प्रयागराज और आसपास के इलाकों में वायटसकेयर के 3 प्रमुख केंद्र मौजूद हैं। वात्सल्य हॉस्पिटलए प्रयागराजय प्रयाग नर्सिंग होमए फूलपुर और संजीवनी हॉस्पिटलए चित्रकूटए जिससे इस क्षेत्र के लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 100प्रतिशत मुफ्त डायलिसिस की सुविधा मिली है। वायटसकेयर के संस्थापक और सीईओ प्रभात श्रीवास्तव ने कहाए श्उत्तर प्रदेश में और अधिक केंद्र खोलने की अपनी योजना पर अमल लाकरए हम क्रॉनिक किडनी डिजीज़ से जूझ रहे रोगियों की मदद करना चाहते हैं।

## जनप्रतिनिधियों के साथ सड़क निर्माण को लेकर बैठक सम्पन्न

**सोनभद्र।** गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सड़कों के निर्माण व शासन को प्रस्ताव भेजें जाने के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के क्रम में इस बैठक का आयोजन किया गया है, इस बैठक में नयी सड़कों के निर्माण, सड़क निर्माण आदि से सम्बन्धित प्रस्ताव जनप्रतिनिधियों के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराया जाना है। बैठक के दौरान चुर्क पुसौली होते हुए कचहरी के आगे तक बाईपास बनाये जाने के प्रस्ताव पर चर्चा की, नई सड़कों के निर्माण में धार्मिक स्थलों को भी मुख्य मार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव सम्मिलित है, जिसमें बरैला, महादेव मंदिर, पंचमुखी मंदिर एवं मगलेश्वर महादेव मंदिर तक सड़क निर्माण के प्रस्ताव पर शासन को भेजने पर जनप्रतिनिधियों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी, इस दौरान ओवरब्रिज के बगल सड़कों पर बने गढ्ढों की मरम्मत हेतु अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देशित किया गया, बैठक में बसकटवा, तेलगुड़वा, पटवध सम्पर्क मार्ग के मरम्मत हेतु प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बैठक में सड़कों पुलों बाईपास आदि निर्माण के सम्बन्ध में जो भी दिशा निर्देश दिये गये हैं, उनका अनुपालन करते हुए सभी अधिकारी शासन को प्रस्ताव उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगें। समाज कल्याण मंत्री संजीव कुमार गौड़, विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य, विधायक सदर भूपेश चौबे, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, सांसद प्रतिनिधि सुनील गौड़, विधायक दुद्धी प्रतिनिधि अवध नारायण यादव अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड अधिशासी अभियन्ता पी0एम0जे0एस0वाई0 सहित सम्बन्धित अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक की गयी।

# उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ की मुख्यालय शाखा गठित

## निर्भय कुमार सिंह चुने गए अध्यक्ष



**प्रयागराज।** उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ की मुख्यालय शाखा का अधिवेशन गुरुवार को आयोजित हुआ। जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष अभिजीत राय और सयुंक्त महामंत्री रूपम पाण्डेय ने की। इस दौरान एनसीआरएमयू और एनसीआरईएस के कई पदाधिकारियों ने सदस्यता ली। जिन्हें पदाधिकारी नियुक्त किया गया। अधिवेशन के दौरान मुख्यालय की नवनिर्वाचित कमेटी का चुनाव हुआ। जिसमें अध्यक्ष निर्भय कुमार सिंह शाखा मंत्री दिलके मीना उपाध्यक्ष संजय वाजपेई सहायक मंत्री गौरी शंकर,सहायक मंत्री आदेश पाण्डेय संगठन मंत्री बीरबल ठाकुर ,कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार चुने गए। जबकि संतोष सिंह हिमांशु दुबे राजेश कुमार पटेल राम चन्द्र पाल विकास कुमार वर्मा आर पी यादव अजीत रेनू चुने गए। कार्यक्रम में प्रहलाद कुमार प्रभात कुमार विपुल पाण्डेय राकेश मीना आदि रहे। इस मौके पर चुनाव अधिकारी आशीष मिश्र मण्डल मंत्री सह चुनाव अधिकारी सत्यम गुप्ता सयुंक्त मण्डल मंत्री तथा प्रस्तावक अजय सिंह अध्यक्ष और समर्थक सभाजीत चौबे मण्डल संगठन मंत्री आदि रहे। संचालन संयुक्त महामंत्री रूपम पांडेय ने किया।

# विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता सेमिनार का शुभारम्भ



**मीरजापुर।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के कार्ययोजना 2024.25 के तहत माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अनमोल पाल महोदय के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मीरजापुर एवं मुख्य चिकित्साधिकारी के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द हाल में ष्विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं मानसिक स्वास्थ्यष् जागरूकता सेमिनार का शुभारम्भ डीएलएसए सचिवध्अपर जनपद न्यायाधीश श्री विनय आर्या एवं डिप्टी मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 मुकेश प्रसाद ने किया ।डीएलएसए सचिवध्अपर जनपद न्यायाधीश श्री विनय आर्या ने उपस्थित मुख्यालयए सीण्एचण्सीण्ए पीण्एचण्सीण् के समस्त डार्टस को सम्बोधित करते हुए बताया कि आधुनिक युग में भाग दौड़ की जीन्दगी में प्रत्येक व्यक्ति तनाव में होता है और वह डिप्रेशनध्अवसादध्तनाव में होता है। रोगी को बार बार नकारात्मक विचारों का आनाध्अंजाना भय ध् कुछ अनहोनी होने के विचारों का आना आता रहता हैं। तनाव मुक्त होने के लिए समय से मनः चिकित्सक से इलाज कराना आवश्यक है। मानसिक एवं तनाव को दूर करने के लिए समय समय पर चिकित्सक के सर्म्पक में रहना चाहिए उन्होने डिप्टी सीएमओ को निर्देशित किया कि मानसिक रोग इलाज के सन्दर्भ में व्यापक प्रचार प्रसार कराना सुनिश्चित करें। मानसिक रोगियों को यदि किसी भी प्रकार दिक्कत आती है तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में एक प्रार्थना पत्र देकर सहायता प्राप्त कर सकता है। डिप्टी सीएमओं डा0 मुकेश प्रसाद ने उपस्थित सभी डार्टस को सम्बोधित करते हुए बताया कि मानसिक रोगियों की संख्या अन्य रोगियों की तुलना में ज्यादा है। इस रोग का पहचान नींद कम आना या अत्यधिक आनाए अंजाना भयध् काल्पनिक आवाजों की सुनाई देनाए भूत प्रेत का डरए आत्महत्या की भावना या आत्महत्या का प्रयास करनाए किसी काम में मन न लगनाध्रोने की इच्छा होनाध्झुझलाहट एवं अत्यधिक आकामक्ता ध् शारीरिक नुकसान पहुंचाना जैसे लक्षण होते है। ऐसे मानसिक रोगियों का इलाज साइकॉस्टि द्वारा मण्डलीय चिकित्सालय में निःशुल्क होता है।

# शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में अंबेडकर नगर माह सितंबर में भी प्रदेश में रहा अव्वल



**अंबेडकनगर ।**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शीर्ष प्राथमिकता वाली समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली ;आईजीआरएसद्ध में जिले ने माह सितंबर में भी प्रदेश के 75 जनपदों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देश पर आइजीआरएस पोर्टल पर माह सितंबर 2024 में प्राप्त शिकायतों का विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने तत्परता से निस्तारण किया। शिकायतों का समयबद्ध एवं त्वरित निस्तारण किए जाने के फ्लस्वरुप प्रदेश सरकार द्वारा की जाने वाली प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में अंबेडकर नगर जनपद को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त अधिकारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जनपद स्तरीय अधिकारियों के कार्य कुशलता के परिणाम स्वरूप मुख्यमंत्री के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जनपद को माह सितंबर 2024 में भी प्रदेश की रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। जनपद आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवम् मानक के अनुरूप निस्तारण सुनिश्चित करते हुए विगत दो माह से प्रथम स्थान पर बना हुआ है। वर्ष 2024 में माह जनवरीए फरवरीए जूनए अगस्त व सितंबर में जनपद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि आइजीआरएस पोर्टल पर विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण आगे भी सभी अधिकारी इसी प्रकार पूर्ण गंभीरता से मानकों एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करेंए ताकि जनपद नियमित प्रदेश रैंकिंग में प्रथम स्थान पर बना रहे।

पोर्टफोलियो को बनाया सशक्तः कानपुर। भारत के प्रमुख दूरसंचार प्रदाता वी ने प्रीपेड उपभोक्ताओं के लिए अपनी नई पेशकश वी मुवीज़ एण्ड टीवी सुपर पैक पेश किया है। वी मुवीज़ एण्ड टीवी का नया अवतार इसी साल मार्च में लॉन्च किया गयाए जो वी के सभी उपभोक्ताओं के लिए वन.स्टॉप एंटरटेनमेन्ट डेस्टिनेशन है। वी मुवीज़ एण्ड टीवी अपने यूज़र्स के लिए एंटरटेनमेन्ट की व्यापक रेंज लेकर आता हैए जिसमें एक ही ऐप के तहत 17 तक ओटीटी ऐप्सए 350 लाईव टीवी चैनल और कई कंटेंट लाइब्रेरीज़ का कॉम्पलीमेंटरी एक्सेस शामिल है।

## पांच सौ करोड़ से ऊपर है बकाया तो कैसे मिलेगी 24 घंटे बिजलीः अधिशासी अभियंता

**गाजीपुर।** विद्युत वितरण खंड.दो के अधिशासी अभियंता आशीष शर्मा ने पत्रकार वार्ता में जनपदवासियों से बिजली का बिल भुगतान करने का अपील किया है। उन्होने बताया कि भुगतान पर ही शासन हमें मरम्मत कार्य के लिए बजट देता है। अगर बिजली का बिल बकाया ज्यादा होगा तो शासन जनपद को बजट बहुत कम देगा जिससे कि मेंटेनेंस कार्य होते हैं। सुविधाजनक चौबिसों घंटे बिजली सप्?लाई के लिए शत.प्रतिशत बिजली का बिल भुगतान करें। उन्होने बताया कि विद्युत वितरण खंड.दो के परिक्षेत्र में एक लाख छह हजार उपभोक्ता हैं जिसमे से 43 हजार 400 उपभोक्ताओं ने बिजली का बिल कभी भुगतान नही किया है। उनके उपर 461 करोड़ रुपया बकाया है। 26 हजार उपभोक्ता रेगुलर बिल जमा नही करते हैं। उनके उपर करीब 94 करोड़ रुपया बकाया है। 20 हजार उपभोक?ता ही रेगुलर बिल का भुगतान करते हैं जिससे कि शासन हमे मरम्मत कार्य के लिए बजट बहुत कम देता है। उन्?हाने बताया कि हमारी प्राथमिकता है कि बिजली उपभोक्ताओं को चौबिसों घंटे बिजली मिलेए फाल्?ट कम से कम होए जो भी फाल्ट हो उसे तुरंत ठीक किया जाये। बिजली की चोरी को रोका जाये। स्मार्ट मीटर दो महीने में लगभग हर घर में लग जायेगा। पीएम सूर्य घर योजना की सारी फाइलों का निस्?तारण कर लाभार्थी को तुरंत लाभ दिया जायेगा। पावर हाउसों पर औचक निरीक्षण किया जायेगा। मोंटी कार्लो कंपनी के कामों की समीक्षा की जायेगी। अगर काम गड़बड़ हुआ है तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

## एनटीपीसी विंध्याचल के सीएचपी में कैंटीन का हुआ भव्य शुभारंभ

**सोनभद्र।** एनटीपीसी विंध्याचल के प्लांट परिसर क्षेत्र सीएचपी में एक नवनिर्मित कैंटीन का उद्घाटन किया गया। परियोजना प्रमुख ई सत्य फणि कुमार द्वारा समीर शर्मा, सुजय कर्माकर, ए जे राजकुमार, महाप्रबंधक राज शेखर पाला, महाप्रबंधक डी के अग्रवाल, राकेश अरोड़ा समेत अन्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष व वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नए प्लांट कैंटीन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर यूनियन और एसोसिएशन के सदस्यों के साथ साथ कैंटीन प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भी भाग लिया। इस नए प्लांट कैंटीन में आईसीएच टीम को कैंटीन आगंतुकों के लिए स्वादिष्ट भोजन तैयार करने के लिए पर्याप्त जगह है। नई कैंटीन में सभी कोनों से पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी के प्रवाह के साथ संतोषजनक भोजन का अनुभव करने के लिए विशाल आंतरिक सज्जा भी है।

### संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान पर हुआ मंथन

# अलर्ट मोड में रहे अफसर, कोताही नहीं



**अंबेडकर नगर।** जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलने वाले विशेष संचारीएदस्तक अभियान की जनपद स्तरीय अंतर विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागो से उनके द्वारा की गयी तैयारियों को लेकर समीक्षा की एवं कार्यक्रम को सफ्ल बनाने के लिए दिशा निर्देश जारी किये ।डेंगूए मलेरियाए चिकनगुनियाएफाइलेरियाएदिमागी बुखार तथा अन्य संचारी रोग यथा क्षय रोगएकुष्ठरोगएपर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित इलाज सर्वोच्य प्राथमिकताओं के साथ करने के निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी विभाग इस अभियान के सफ्ल संचालन हेतु अपनी भूमिका पूर्ण मनोयोग से निभाये तथा सभी विभागों को निर्देश दिये कि वह संचारी रोग नियंत्रण अभियान का सफ्ल आयोजन करें। दस्तक अभियान तथा संचारी अभियान में आशा व आंगनवाड़ी कार्यकत्री की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही साथ जिलाधिकारी द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में अधिशाषी अधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्र में डीपीआरओ को निर्देश दिया गया कि एंटी लारवा छिड़काव व साफ सफाईए फॉगिंग एझाड़ियों की कटाई कराया जाना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने मुख्य चिकित्सा अधिकारीएमुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि अस्पताल में चिकित्सक समय से आए और मरीज का इलाज गुणवत्तापूर्ण सुनिश्चित करें ।मरीज के प्रति अच्छा व्यवहार करें। दूर.दूर से आने वाले मरीज तथा उनके अभिभावक के प्रति अच्छा व्यवहार करें। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉग्राजकुमारएअपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ए उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ए जिला पंचायत राज अधिकारीए जिला बेसिक अधिकारीएसमस्त केन्द्र अधिक्षक ए प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एस0एम0ओ0 डब्लू0एच0ओ0 डी0एम0सी0 यूनिसेफए समस्त खण्ड विकास अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारीएकर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

## विधानसभा चुनाव
### जनता का निर्णय

**विधानसभा चुनाव** में जनता ने अपना निर्णय देते हुए जहां हरियाणा में फिर से भाजपा को सत्ता सौंपी है, वहीं जम्मू कश्मीर में क्षेत्रीय दलों को सफलता मिली है। जनता का निर्णय एक्ज़िट पोलों में लगाए अनुमान से एकदम उलट रहा। भाजपा ने हरियाणा पर अपना कब्जा बनाए रखा, जबकि जम्मू कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस को सत्ता मिली। इन परिणामों ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि जम्मू कश्मीर की जनता 'विकास और शांति' चाहती है, जबकि हरियाणा की जनता ने कृषि कानूनों पर विरोध के बावजूद जमीनी स्तर पर उल्लेखनीय विकास कार्यों के चलते भाजपा पर विश्वास व्यक्त किया है। हरियाणा तथा जम्मू कश्मीर चुनाव के परिणामों का राष्ट्रीय राजनीति पर काफी असर होगा। भाजपा की सफलता से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय नेता वोट बटोर सकते हैं, पर स्थानीय नेताओं को भी कारगर प्रदर्शन करना होगा। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के लिए ये परिणाम भविष्य में रणनीतिक परिवर्तनों की आवश्यकता स्पष्ट करते हैं। खासकर जम्मू कश्मीर में क्षेत्रीय पार्टियों के उभार से भारत के विविधतापूर्ण राजनीतिक परिदृश्य में स्थानीय मुद्दों और 'पहचान की राजनीति' की प्रासांगिकता के संकेत देते हैं। इन परिणामों से न केवल स्थानीय राजनीतिक स्थितियों में परिवर्तन आया है, बल्कि इसका राष्ट्रीय राजनीति पर व्यापक प्रभाव होगा। इससे भाजपा और कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टियों के साथ क्षेत्रीय पार्टियां भी प्रभावित होंगी। महत्वपूर्ण रूप से चुनाव परिणाम एक्ज़िट पोलों के अनुमानों के एकदम विपरीत आए जिन्होंने दोनों राज्यों में अलग परिदृश्यों की कल्पना की थी।

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद चुनावों पर सबकी नजर थी जिसका इस क्षेत्र में प्रतीकात्मक महत्व था। जहां भाजपा ने खासकर जम्मू क्षेत्र में अपनी पकड़ काफी मजबूत की है, वहीं उसे नेशनल कान्फ्रेंस-एनसी जैसी क्षेत्रीय पार्टियों से कड़ा मुकाबला करना पड़ा। परिणामों ने क्षेत्रीय पार्टियों के उभार के संकेत दिए जिनमें फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कान्फ्रेंस ने कश्मीर घाटी की सीटों पर बहुमत प्राप्त किया। भाजपा को जम्मू क्षेत्र में काफी सफलता मिली, पर कश्मीर घाटी में विस्तार न कर पाने के कारण वह महत्वाकांक्षी लक्ष्य से दूर रह गई। ऐसा लगता है कि मतदाताओं के एक हिस्से ने भाजपा के राष्ट्रवादी एजेंडे की तुलना में क्षेत्रीय मुद्दों, जैसे स्वायत्तता, पहचान तथा आर्थिक परेशानियों पर ज्यादा ध्यान दिया। चुनाव परिणामों ने भाजपा के समक्ष चुनौतियों को रेखांकित किया क्योंकि वह अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद इस क्षेत्र पर गहरा प्रभाव डालने में पूरी तरह सफल नहीं हुई। इससे स्थानीय राजनेताओं की मजबूती भी स्पष्ट होती है जिन्होंने घाटी के राजनीतिक विमर्श पर अपना प्रभुत्व लगातार बनाए रखा है। भले ही कांग्रेस हरियाणा में बहुमत तक पहुंचने में विफल रही, पर चुनाव में वह भाजपा से मुकाबले में बनी रही। उसका मत प्रतिशत 39.04 प्रतिशत रहा, जबकि भाजपा का मत प्रतिशत 39.94 प्रतिशत था। भाजपा ने लगातार तीसरी बार हरियाणा में सत्ता पर कब्जा करने में सफलता पाई तथा उसकी सीटों व मत प्रतिशत में भी बढ़ोत्तरी हुई। भाजपा की विजय इसलिए भी अभूतपूर्व है कि हरियाणा राज्य गठन के बाद पहली बार किसी दल को लगातार तीसरा कार्यकाल मिला है। भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं में स्वाभाविक रूप से हरियाणा चुनाव में अभूतपूर्व विजय से भारी उत्साह है। उम्मीद है कि पार्टी हरियाणा विजय से मिले उत्साह को महाराष्ट्र, झारखंड व दिल्ली विधानसभा चुनावों में बनाए रख कर विपक्षियों पर भारी पड़ेगी।

# जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र बहाल

जम्मू कश्मीर में 2019 में अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण परिघटना हैं। इससे लोगों की सामान्य स्थिति तथा राज्य दर्जे की बहाली की इच्छा प्रकट होती है।

**कल्याणी शंकर**
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

**जम्मू कश्मीर में** 2019 में अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण परिघटना हैं। इससे लोगों की सामान्य स्थिति तथा राज्य दर्जे की बहाली की इच्छा प्रकट होती है। संघशासित क्षेत्र जम्मू कश्मीर में इस दशक के पहले विधानसभा चुनाव हुए हैं। इससे दशकों तक उग्रवाद के बाद पिछले सप्ताह लोकतंत्र बहाली की जनता की इच्छा शांतिपूर्ण ढंग से प्रकट हुई है। 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 समाप्त किए जाने के बाद राज्य को जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के संघशासित क्षेत्रों में विभाजित कर दिया गया था। भाजपा ने दावा किया था कि यह कदम राज्य को अलगाववाद से मुक्ति दिलाने के लिए आवश्यक था। इससे इस क्षेत्र में आर्थिक विकास सुनिश्चित हुआ तथा यह देश के साथ पूरी तरह जुड़ गया। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि 1989 के बाद से जम्मू कश्मीर राज्य पूरी तरह उग्रवाद, हिंसा तथा अलगाववादी तत्वों द्वारा चुनाव बहिष्कार के आह्वानों से प्रभावित रहा। उग्रवादी व अलगाववादी तत्वों को पाकिस्तान का समर्थन प्राप्त था। हालिया विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया जो लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव कराने में सफलता मिलने पर निर्वाचन आयोग ने खुशी जताई है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, 'शांतिपूर्ण और सहभागी चुनाव ऐतिहासिक हैं।

इससे स्पष्ट है कि पहले के किसी समय की तुलना में लोकतंत्र ने अपनी जड़ें मजबूती से जमा ली हैं और यह जम्मू कश्मीर की जनता की इच्छा से संचालित है।' विधानसभा चुनाव का उल्लेखनीय तत्व व्यापक चुनाव प्रचार, शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया तथा मतदाताओं की भारी संख्या में चुनाव में सहभागिता है। पहले उग्रवादी व अलगाववादी तत्व मतदाताओं को भयभीत करते थे, पर इस बार वे शांतिपूर्ण मतदान के लिए भारी संख्या में मतदान केन्द्रों पर पहुंचे। यह न केवल राजनीतिक कारणों से, बल्कि विकास के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। दस साल में पहली बार विधानसभा चुनाव हुए हैं, अनुच्छेद 370 समाप्त हुआ है तथा लोकतंत्र की बहाली सुनिश्चित हुई है। इस बार हिंदू-बहुल जम्मू तथा मुस्लिम-बहुल कश्मीर की जनता ने एकजुट होकर राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की है। केन्द्र सरकार ने पहले ही राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया था। विधानसभा चुनाव में भारी मतदान से जनता की लोकतंत्र के प्रति इच्छा प्रकट होती है।

जम्मू कश्मीर की जनता दशकों से राज्य में व्याप्त गोलीबारी, बम धमाकों, हड़तालों, चुनाव बहिष्कार तथा पत्थरबाजी की घटनाओं से थक चुकी थी और वह शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहती थी। 2019 में अनुच्छेद 370 समाप्त करने तथा राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा कानून-व्यवस्था कठोरता से बहाल करने से राज्य की स्थितियों में व्यापक परिवर्तन आया है। इसका परिणाम विधानसभा चुनाव में भारी मतदान के रूप में दिखा है। पहले उग्रवादियों, अलगाववादियों व आतंकवादियों की चुनाव बहिष्कार के आह्वानों तथा मतदान करने वाले नागरिकों को धमकी देने से मतदान बहुत कम होता था, पर इस बार स्थिति पूरी तरह बदल गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने इस संघशासित जनता की प्रशंसा की कि वह बड़ी संख्या में मतदान के लिए सामने आई। इस बार रिकार्ड 58.46 प्रतिशत मतदान हुआ जो पिछले 35 साल में सर्वाधिक है। सुरक्षा बलों ने हिंसा-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी कारण इस बार मतदान पूर्णत: शांतिपूर्ण रहा, कहीं से भी हिंसा व मतदान में बाधा की खबरें नहीं आईं तथा किसी मतदान केन्द्र पर पुन: मतदान की नौबत नहीं आई। सुरक्षा बलों ने अलगाववादियों के आवागमन को पूर्णत: रोक दिया। ये चुनाव पहले हुए चुनावों से इस अर्थ में भी अलग हैं कि अब यह क्षेत्र केवल चार परंपरागत पार्टियों तक सीमित नहीं रहा जिनमें नेशनल कान्फ्रेंस-एनसी, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी-पीडीपी तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व भारतीय जनता पार्टी जैसी राष्ट्रीय पार्टियां शामिल हैं। नया परिवर्तन अलगाववादी तत्वों की चुनावों में सहभागिता के रूप में सामने आया जिसे संबोधित किया जाना चाहिए क्योंकि अब उन्होंने 'बुलेट के बजाय बैलेट' का रास्ता अपना लिया है। अनेक चुनावी मुद्दों, जैसे विकास की कमी तथा बेरोजगारी आदि के बावजूद जनता राज्य का दर्जा बहाल करने तथा जम्मू कश्मीर के एकीकरण की मांग कर रही है। अन्य प्रमुख मुद्दों में अनुच्छेद 370, कानून-व्यवस्था, आतंकवाद तथा सामाजिक-आर्थिक स्थायित्व शामिल हैं।

परिसीमन आयोग ने जम्मू को 6 तथा कश्मीर को 1 सीट अतिरिक्त दीं। इस पर विपक्ष का कहना था कि संतुलन हिंदू-बहुल जम्मू के पक्ष में झुक रहा है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए नौ सीटें आरक्षित की गईं। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव पर सारी दुनिया की नजरें थीं। अनेक देशों के राजनयिकों ने राज्य में चुनाव प्रक्रिया पर जमीनी स्तर पर नजर रखी। राज्य की यात्रा कर उन्होंने सीधे जमीनी सूचनायें प्राप्त कीं। इस बार शांतिपूर्ण चुनाव के अनेक कारण रहे। पहला, पाकिस्तान का हस्तक्षेप न्यूनतम था क्योंकि वह अपनी ही आंतरिक समस्याओं में उलझा है। भारत ने पाकिस्तान पर आरोप लगाया है कि वह इस्लामवादी उग्रवादियों के प्रशिक्षण, फंडिंग तथा उनको भारत भेजने के लिए जिम्मेदार है। ऐसे तत्व मुस्लिम-बहुल कश्मीर घाटी के बजाय हिंदू-बहुल जम्मू क्षेत्र पर ज्यादा निशाना लगाते हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने इन आरोपों से इनकार किया है।

दूसरा, कश्मीरी हिंसक और अराजकता वाली स्थितियों में रहने से परेशान हो चुके थे। यहां बच्चों की दो पीढ़ियों का सामान्य बचपन नष्ट हुआ है। तीसरा, इस बार उग्रवादियों ने चुनाव बहिष्कार का आह्वान नहीं किया। इसके उलट अलगाववादी स्वयं चुनाव प्रक्रिया में शामिल हो गए। पहले आतंकी गतिविधियों से सर्वाधिक प्रभावित रहे क्षेत्रों में इस बार भारी मतदान हुआ। उग्रवादियों को संभवत: यह अहसास हो गया है कि उनको पैसे और संरक्षण की जरूरत है जो अब उन्हें नहीं मिल रहा है। इसलिए उन्होंने चुनाव का रास्ता अपनाने का निर्णय किया। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा है कि लोगों ने बंदूकों को अस्वीकार कर मतदान का रास्ता अपनाया है। जम्मू कश्मीर में इस बार 90 सीटों के लिए बहुकोणीय मुकाबला हुआ जिसमें नेशनल कान्फ्रेंस व कांग्रेस ने गठबंधन किया था। इसके अलावा भाजपा और पीडीपी की महत्वपूर्ण सहभागिता थी। भाजपा की महत्वाकांक्षा व्यापक थी, पर उसका राजनीतिक आधार जम्मू में मजबूत होने के बावजूद घाटी में कमजोर था। पार्टी ने घाटी की 47 सीटों में से केवल 19 पर उम्मीदवार उतारे। भाजपा को घाटी की असलियत पता थी और उसे वहां ज्यादा वोटों की उम्मीद नहीं थी। घाटी में इंजीनियर राशिद, सज्जाद लोन, अल्ताफ बुखारी व गुलाम नबी आजाद भी मैदान में थे। कश्मीरी पंडित अभी अपने घर लौटने से डर रहे हैं। जम्मू कश्मीर के लोगों को राज्य को दो संघशासित क्षेत्रों में बांटे जाने का दु:ख है। यहां अब भी बेरोजगारी तथा नशे के व्यापार जैसी गंभीर समस्यायें बनी हुई हैं। चुनाव परिणामों में नेशनल कान्फ्रेंस-कांग्रेस गठजोड़ को पूर्ण बहुमत मिला है।

कश्मीर घाटी में भाजपा की उपस्थिति लगभग नगण्य थी, इसलिए उसने कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों को इस आशा से समर्थन दिया था कि वह जम्मू में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही थी। केन्द्र सरकार तथा निर्वाचन आयोग को निश्चित रूप से इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उसने चुनाव प्रक्रिया पूरी करने में सफलता पाई है। इसके साथ ही जम्मू कश्मीर की जनता की प्रशंसा की जानी चाहिए कि वे निर्भय होकर मतदान केन्द्रों पर मतदान के लिए आए। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में भी अपनी इसी निर्भीकता का परिचय दिया था। इसे देखते हुए कोई संदेह नहीं कि जम्मू कश्मीर की जनता लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित लोकतांत्रिक सरकार चाहती है। जम्मू कश्मीर की जनता ने एक्ज़िट पोलों और राजनीतिक विश्लेषकों की राज्य में त्रिशंकु विधानसभा के अनुमानों को भी गलत साबित कर पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाई है।

# कार्य और जीवन में संतुलन

> **कार्य-जीवन संतुलन को प्राथमिकता देकर, हम देश के नागरिक के रूप में न केवल अपने कल्याण में बल्कि अपने समुदायों के स्वास्थ्य में भी योगदान देंगे।**

**साक्षी सेठी**
(लेखिका, शिक्षाविद हैं)

**एक स्वस्थ** कार्य-जीवन गतिशीलता न केवल व्यक्तियों को लाभ पहुँचाती है, बल्कि समुदायों को भी मजबूत बनाती है। हाल के वर्षों में, दुनिया ने कोविड-19 महामारी से लेकर चल रहे सामाजिक-आर्थिक व्यवधानों तक, अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना किया है। इन संकटों ने न केवल लोगों की जान ली है, बल्कि हमारी दैनिक दिनचर्या और कार्य वातावरण के मूल ढांचे को भी बदल दिया है। इन उथल-पुथल भरे समय के बीच, कार्य-जीवन संतुलन की अवधारणा एक महत्वपूर्ण आवश्यकता के रूप में उभरी है, जो पेशेवर जिम्मेदारियों को पूरा करते हुए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के महत्व पर जोर देती है। वैश्विक संकटों से जुड़ी बढ़ती मौतों और व्यापक भय ने मानसिक स्वास्थ्य पर भारी असर डाला है। आज, दु:ख, चिंता और अनिश्चितता आम बात हो गई है क्योंकि लोग नुकसान और व्यवधान से जूझ रहे हैं।

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि तेज़ गति वाली तकनीकी प्रगति के लिए निरंतर अनुकूलन और सीखने की आवश्यकता होती है, जो भारी पड़ सकता है और तनाव में योगदान दे सकता है। कई भारतीय कंपनियों में, अधिक काम करने की संस्कृति है, जहाँ छुट्टी लेना अच्छा नहीं माना जाता है। कई अधिकारी अपने समय और स्वास्थ्य का त्याग करते हुए लंबे समय तक काम करते हैं, जो शारीरिक और मानसिक थकावट दोनों में योगदान देता है। इसके अलावा, यह एक विषाक्त वातावरण को भी जन्म दे सकता है, जहाँ कर्मचारियों को न केवल यह महसूस होता है कि उन्हें लगातार अपनी योग्यता साबित करनी है, बल्कि असफलता से जुड़ा कलंक उन्हें सफल होने के लिए खुद को अस्वस्थ सीमा तक धकेलने के लिए प्रेरित कर सकता है।

खराब आहार, व्यायाम की कमी और उच्च तनाव के स्तर ने जीवनशैली से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं जैसे हृदय रोग, मधुमेह और उच्च रक्तचाप को जन्म दिया है, जो उच्च-स्तरीय अधिकारियों में आम हैं।

आर्थिक मंदी और बाजार में उतार-चढ़ाव अधिकारियों पर प्रदर्शन करने का दबाव बढ़ाते हैं, जिससे तनाव और संबंधित स्वास्थ्य जोखिम बढ़ जाते हैं। ऐसे माहौल में, काम और निजी जीवन के बीच संतुलन हासिल करना लचीलापन बढ़ाने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हो गया है। एक स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन व्यक्ति को आत्म-देखभाल, परिवार और समुदाय के लिए समय समर्पित करने की अनुमति देता है, जो भावनात्मक सुधार और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। महामारी के कारण दूरस्थ कार्य और लचीले शेड्यूल में बदलाव ने पारंपरिक कार्य संरचनाओं के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता को रेखांकित किया है। अगर रिमोट वर्क लचीलापन प्रदान करता है, तो साथ ही इसने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन के बीच की रेखाओं को भी धुंधला कर दिया है, जिससे काम के घंटे बढ़ गए हैं और तनाव बढ़ गया है। संगठनों के लिए यह समय की मांग है कि वे इसे पहचानें और ऐसी नीतियों को बढ़ावा दें जो कर्मचारियों को सीमाएँ निर्धारित करने, ब्रेक लेने और व्यक्तिगत समय को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करें। भारतीय कंपनियों में अधिकारियों के बीच उच्च मृत्यु दर को संबोधित करना, उदाहरण के लिए पुणे सीए की मृत्यु, जिसके बाद एनबीएफसी के लिए काम करने वाले एक प्रतिष्ठित भारतीय ने इसी तरह की वजह से आत्महत्या कर ली - यानी वरिष्ठों से काम का दबाव और मानसिक परेशानी, एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। संगठनों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता को प्राथमिकता देनी चाहिए, एक स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना चाहिए, और एक ऐसी संस्कृति बनानी चाहिए जो कर्मचारी कल्याण को महत्व देती हो। ये कदम उठाकर, कंपनियाँ न केवल उच्च-तनाव वाले वातावरण से जुड़े जोखिमों को कम करने में मदद कर सकती हैं, बल्कि एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ कार्यस्थल को भी बढ़ावा दे सकती हैं। कार्य-जीवन संतुलन को महत्व देने वाले वातावरण को बढ़ावा देकर, नियोक्ता उत्पादकता और कर्मचारी संतुष्टि को बढ़ा सकते हैं, जिससे टर्नओवर दरें कम होंगी और अधिक व्यस्त कार्यबल होगा। कार्य-जीवन संतुलन प्राप्त करना केवल एक व्यक्तिगत प्रयास नहीं है, बल्कि समाज के लिए इसके व्यापक निहितार्थ भी हैं। जब व्यक्ति अपने काम और व्यक्तिगत जीवन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकते हैं, तो वे अपने समुदायों में शामिल होने, स्वयंसेवक बनने और स्थानीय पहलों का समर्थन करने की अधिक संभावना रखते हैं। यह सामुदायिक जुड़ाव सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देगा और समाज के ताने-बाने को मजबूत करेगा, जिससे यह प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में अधिक लचीला बनेगा। कार्य-जीवन संतुलन को प्राथमिकता देकर, हम देश के नागरिक के रूप में न केवल अपने कल्याण में बल्कि अपने समुदायों के स्वास्थ्य में भी योगदान देंगे।

## आप की बात

### कांग्रेस की पराजय

**हरियाणा** में कांग्रेस की पराजय ने उसके द्वारा लोकसभा चुनाव में अर्जित चमक को खो दिया है। इससे राहुल गांधी के कद पर भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है जिसके रुझान भी आना शुरू हो गए हैं। इससे कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन के साथी दलों की सीट वितरण में अधिक हिस्सा बटोरने की लालसा बढ़ गई है। आम आदमी पार्टी-आप का दिल्ली और पंजाब के अलावा कहीं कोई खास प्रभाव नहीं है पर उसके नेता भी अब कांग्रेस को ज्ञान बांटने और उपदेश देने लग गए हैं। हरियाणा की शिकस्त पर जम्मू-कश्मीर में पार्टी की जीत भी मरहम नहीं लगा सकी। हालांकि, यहां भी कांग्रेस की संख्या घट कर आधी रह गई है और वह पूरी तरह नेशनल कान्फ्रेंस पर निर्भर हो गई है। ऐसा लगता है कि यदि नेशनल कांफ्रेंस ने कांग्रेस से चुनावी गठबंधन न किया होता तो वह अकेले सरकार बनाने लायक सीटें ले आती। सर्वाधिक चिन्ता की बात यह है कि जम्मू कश्मीर में कांग्रेस द्वारा खड़े किए सारे हिंदू उम्मीदवार चुनाव हार गए। इससे कुछ राजनीतिक विश्लेषक व्यंग्य कर रहे हैं कि क्या कांग्रेस केवल मुसलमानों की पार्टी बन कर रह जाएगी। हरियाणा में भी उसे तुलनात्मक रूप से मुसलमानों का ज्यादा समर्थन मिला है। कहा जाता है कि परिणाम आने वाले दिन राहुल विदेश चले गए।

**-सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

### ईवीएम का जिन्न

**कांग्रेस** पार्टी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर चुनाव आयुक्त को सात शिकायतों वाला प्रतिवेदन सौंपा है। उसने कहा, हमें हरियाणा के कई जिलों से ये शिकायतें मिली है कि वहां ईवीएम के साथ छेड़छाड़ हुई है एवं इसी कारण हमारे लिए यह अप्रत्याशित परिणाम रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का कहना है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे हमारे लिए बिल्कुल ही अप्रत्याशीत रहे हैं। कांग्रेस पार्टी को आशंका है कि ईवीएम में जरूर कुछ न कुछ गड़बड़ी कर हमारी विजय को हार में बदला गया है। इस प्रकार कांग्रेस ने एक बार फिर ईवीएम का राग छेड़ा है क्योंकि चुनाव हारने के कारणों पर वह गंभीर चिंतन कर कमियों को ठीक नहीं करना चाहती अथवा ऐसा करने की स्थिति में नहीं है। मजेदार बात है कि इस बार ईवीएम राग में कोई अन्य विपक्षी दल भी कांग्रेस का साथ नहीं दे रहा है। एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने मजाक उड़ाते हुए कहा कि जब कांग्रेस जीतती है तो ईवीएम ठीक होती है, पर अपनी हार का ठीकरा वह ईवीएम पर फोड़ देती है। देश की सबसे पुरानी 138 साल की कांग्रेस के लिए राजनीति का ऐसा शार्ट कट उसका लगातार कद घटाने का काम कर रहा है।

**- मनमोहन राजावत,** शाजापुर

### एक्ज़िट पोल की विश्वसनीयता

**एग्जिट पोल** के नतीजे पिछले कुछ समय से विफल हो रहे हैं और वे नजदीकी संभावनाओं के निकट भी नहीं पहुंच पा रहे हैं। इससे उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कहीं न कहीं वैचारिक स्वार्थ तो इनसे नहीं जुड़ता जा रहा है? इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि हर व्यक्ति प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी विचारधारा से जुड़ा हो सकता है, फिर चाहे वह राजनेता, पत्रकार, सरकारी, गैर-सरकारी कर्मचारी हो या किसी तरह की संस्था से संबद्ध हो। बहुत से लोग किसी खास पार्टी के काम को तवज्जो देते हैं, पर समय व परिस्थितियां बदलने पर अपने विचार बदलने में ज़रा भी देर नहीं लगाते हैं। इसलिए चुनाव के परिणाम के बारे में सही या निरपेक्ष अनुमान लगाना आसान नहीं है। एक्ज़िट पोलों का नमूना-आकार भी सवालों के घेरे में रहता है क्योंकि अधिकांश पोल करवाने वाले महानगरों व नगरों के आसपास ही मतदाताओं से सवाल पूछ कर खानापूरी कर लेते हैं। इस प्रकार वे ग्रामीण क्षेत्रों तथा कस्बाई इलाकों के लोगों की राय नहीं जान पाते हैं। विफलताओं को देखते हुए अपनी विश्वसनीयता बहाल करने के लिए एक्ज़िट पोल कराने वाली संस्थाओं को गंभीरता से सारी स्थितियों का गहन विश्लेषण करना चाहिए।

**-शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

### रतन टाटा को श्रद्धांजलि

**विख्यात उद्योगपति**, टाटा संस के मानद प्रमुख तथा पद्म विभूषण से सम्मानित रतन नवल टाटा का निधन समूचे उद्योग जगत व देश के लिए अपूर्णीय क्षति है । रतन टाटा सचमुच में देश के अनमोल रतन थे। उन्होंने न केवल टाटा संस को नई ऊंचाई दी, बल्कि देश को भी गौरवान्वित किया। आज भी उनका उद्योग समूह लाखों परिवारों की रोजी-रोटी का साधन है। अविवाहित, शांत व सौम्य स्वभाव के धनी रतन टाटा सादगी से रहना पसंद करते हैं जो उनकी खास पहचान थी। बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उनमें लेशमात्र भी घमंड नहीं था। जब भी देश में कोई संकट या आपदा आती है तो दान देने में भी वे पीछे नहीं हटते थे। कोरोना काल में भी उन्होंने करोड़ रूपए का दान दिया था। आर्थिक तंगी के शिकार छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए उनके द्वारा स्थापित ट्रस्ट स्कॉलरशिप देता रहा है। उन्होंने नैनो कार के माध्यम से मध्यवर्गीय परिवारों को कार दिलाने का वादा पूरा किया था। ऐसे नेकदिल, ईमानदार, दूरदर्शी तथा सच्चे देशभक्त को शत-शत नमन एवं श्रद्धा सुमन।

**-हेमा हरि उपाध्याय,** खाचरोद

**पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से**
**responsemail.hindipioneer@gmail.com**
**पर भी भेज सकते हैं।**

# प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर दिये आवश्यक निर्देश

**● पात्र व्यक्तियों को मिले योजनाओं का लाभः सचान**

**गोवंश स्थलों का किया जाए उचित प्रबंधनः राज्यमंत्री**



**रायबरेली।** प्रदेश के सूक्ष्म एवं लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग, मंत्री व जनपद के प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने बचत भवन स्थिति कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यो एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास व प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओ की समीक्षा करते हुए के निर्देश दिए कि ब्लॉक स्तर पर पात्र लाभार्थियों का रजिस्टर तैयार कराया जाए जो भी लाभार्थी छूट गए हैं। उन्हें योजना से शीघ्र जोडा जाए। लाभार्थियों के खाते में राशि स्थानांतरण समय से पूरा कराया जाए। गौशालाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारी समय-समय पर निराश्रित गोआश्रय स्थलों का निरीक्षण करते रहे। हरे चारे की व्यवस्था करने के लिए चरागाहों का चिन्हांकन शीघ्र कराया जाए। समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आवेदन की कार्यवाही शीघ्र पूरी कराई जाए। जल विभाग को निर्देश दिए कि पाइप लाइन बिछाने का कार्य जल्दी पूरा किया जाए जिससे कि आवागमन में असुविधा ना हो। पाइपलाइन बिछाते समय जो भी सडके क्षतिग्रस्त हो गई हैं उनके निर्माण का कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए। ग्राम पंचायत स्तर पर सडक निर्माण में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को राशन कार्ड जारी करने से संबंधित शिकायतो का शीघ्र निस्तारण कराया जाए और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाए। चिकित्सा विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड अधिक से अधिक जारी किए जाएं जिससे स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सके। विद्युत विभाग को निर्देश दिया कि बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। कनेक्शन काटते-जोडते समय अच्छी प्रकार से जांच पडताल करा ली जाए। ओवर बिलिंग ना की जाए। सिंचाई विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि नहरो की साफ सफाई का कार्य समय से पूरा कराया जाए। पेयजल योजनाए धरातल पर दिखे इसके लिए समय- समय पर स्थलीय परीक्षण अवश्य कराया जाए। युवाओं को रोजगार परक योजनाओ से आच्छादित किया जाए। मेलो में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए।कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि अपराधों को रोकने के लिए समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए।

## डीएम व पुलिस अधीक्षक ने रामलीला मैदान एवं पूजा पंडालों का किया निरीक्षण



**जगदीशपुर, अमेठी।** जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक अमेठी ने जगदीशपुर कस्बा व आस पास के दुर्गा पूजा पंडालों व रामलीला मंच का निरीक्षण कर सुरक्षा के लिए निर्देश दिया। कस्बा व आस पास में बने दुर्गा पूजा पंडालों का डीएम व पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा के मद्देनजर समिति के अध्यक्षों को आग व अन्य अराजक तत्वों के नजर रखने के लिए सी सी कैमरा व अग्नि शमन का रख रखाव सुनिश्चित रखे वही पुलिस प्रशासन को अराजक तत्वों की धर पकड़ तेज करने की बात कही इस दौरान केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष मुन्ना त्रिवेदी, राम लीला अध्यक्ष पी के सिंह गौरव सिंह सतीश कौशल आदि मौजूद रहे।

# जिले के नहरो के सफाई की समीक्षा डीएम ने किया

**संतकबीरनगर।** जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में नहरों की सिल्ट सफाई कार्य के संबंध में बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक में अधिशासी अभियन्ता विश्वनाथ शुक्ला द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में सरयू परियोजना के अन्तर्गत बॉसी शाखा प्रणाली, खलीलाबाद शाखा प्रणाली, कुआनों पम्प नहर प्रणाली एवं महुली राजवाहा प्रणाली के द्वारा सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाती है। इस जनपद में कार्यरत सरयू नहर खण्ड-खलीलाबाद के अन्तर्गत कुल नहरों की लम्बाई किमी 227.004 में राजवाहा की कुल लम्बाई किमी 112540 के सापेक्ष किमी 112.540 एवं माइनर की कुल लम्बाई 114.464 के सापेक्ष किमी 114.464 सिल्ट सफाई में प्रस्तावित है। इसी प्रकार सरयू नहर खण्ड-प्रथम, बांसी, सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत कुल नहरों की कुल लम्बाई किमी0 86.875 में राजवाहा की लम्बाई किमी0 24.285 के सापेक्ष किमी 24.285 एवं माइनर की कुल लम्बाई 62.590 के सापेक्ष किमी 62.590 सिल्ट सफाई में प्रस्तावित है। सरयू नहर खण्ड-4, बस्ती द्वारा इस जनपद में पड़ने वाली कुल नहरों की लम्बाई 66.350 में राजवाहा की कुल लम्बाई किमी. 32.200 के सापेक्ष किमी. 32200 एवं माइनर की कुल लम्बाई 34.150 के सापेक्ष किमी. 34.150 एंव जनपद संतकबीर नगर में कुल लम्बाई 380.229 किमी. सिल्ट सफाई का कार्य प्रस्तावित है। डीएम ने सम्बंधित को निर्देशित किया है की कार्यों को गुणवत्ता पूर्वक ससमय सम्पादित कराया जाये जिससे किसानो को रबी में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जा सकें। कार्यों को कराने में नहरों की सिल्ट/स्क्रैपिंग का उचित निपटान किया जाये। कोई शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। डीसी मनरेगा प्रभात द्विवेदी, अधिशासी अभियंता सिंचाई बीएन शुक्ल सहित संबंधित आदि उपस्थित रहे।



समीक्षा करते जिलाधिकारी।

# प्रशासन की सूझबूझ से दो समुदायों का बड़ा विवाद टला

**गोंडा।** थाना क्षेत्र छपिया के कस्बा मसकनवा में नवरात्रि पर्व की सप्तमी पर दिनांक 9 अक्टूबर को रात्रि करीब 23:30 बजे स्थापित दुर्गा प्रतिमा की आंखों पर बंधी पट्टी खोलने की प्रथा के दौरान गोले-तमाशे दागे जा रहे थे, जिसमें कुछ गोले पास में ही गैर हिन्दू समुदाय के लोगों के घर के सामने दाग दिए जाने पर दूसरे पक्ष के लोगों द्वारा विरोध किया गया। इससे वहां शांति व्यवस्था में खलल पैदा हो गया और दोनों पक्षों में वाद विवाद बढ़ गया। समुदाय विशेष के लोगों ने इस दौरान वहां पथराव भी किया। पूजा समिति के लोगों सहित हिंदू पक्ष की काफी भीड़ जमा हो गई। छपिया थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया। घटना की जानकारी मिलने पर डीएम नेहा शर्मा व एसपी विनीत जायसवाल ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी लेते हुए लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी प्राप्त होते ही वहां के जागरूक व संभ्रांत नागरिकों से संयमित रहने का आह्वान किया गया। साथ ही तत्काल मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया गया, बातचीत के माध्यम से भीड़ को समझा बुझाकर मामले को शांत किया गया तथा भीड़ को मौके से हटाया गया। वहीं दुर्गा पूजा आयोजन समिति द्वारा मुस्लिम पक्ष पर कतिपय आरोप लगाए गए, जिसके संबंध में प्रार्थना पत्र प्राप्त कर थाना छपिया पर धारा 124, 190, 191(2), 298, 299, 302, 352, 351(3) बीएनएस व 7 सीएलए एक्ट का मुकदमा पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। साथ ही मुकदमे में नामजद 01 आरोपी असलम को पुलिस द्वारा हिरासत में ले लिया है। मौके पर एहतियातन पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है, शांति एवं कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

# भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही हैः के.एल.शर्मा

**रायबरेली।** जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक सांसद आवास भुएमऊ में आयोजित की गई, के.एल.शर्मा सांसद अमेठी ने प्रदेश में बढ़ रहे अपराधिक मामलों पर योगी सरकार को आड़े-हाथों लिया, उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है, जहां एक ओर जन नायक राहुल गांधी जी देश की एकता एवं प्रेम-सौहार्द को बचाने के लिए सत्ता से टकरा रहे है वहीं दूसरी ओर भाजपा किसी भी कीमत पर सत्ता पाना चाहती है। मा.सांसद ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनता के सुख-दुःख में शामिल रहने का निर्देश दिया और कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्ता की राजनीति नहीं करती है, बल्कि राष्ट्रहित, देश का अमन चैन बना रहे और संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी जिम्मेदारी से विपक्ष की भूमिका निभा रही है।

प्रमुख रूप से प्रत्याशी विधानसभा सरेनी सुधा द्विवेदी, प्रत्याशी विधानसभा ऊँचाहार अतुल सिंह, वी.के.शुक्ला,



सरिता गुप्ता, साहबशरण पासवान, रमेश कुमार शुक्ला, संजीव पाण्डेय, शिवानंद मोर्या, पद्मधर सिंह, मेंहदी हसन, विजयशंकर अग्निहोत्री, निर्मल शुक्ला, सईदुल हसन, अशोक कुमार सिंह, विनय द्विवेदी, महेश प्रसाद शर्मा, नौशाद हुसैन खतीब, अजीत सिंह, संतोश त्रिवेदी, सतगुरूदेव लोधी, अनवार खान, राकेश सिंह राना, मो.जफरूल, दीपेन्द्र गुप्ता, कृपाशंकर शुक्ला, संजय श्रीवास्तव, आर.के.सिंह, आलोक विक्रम यादव, चन्द्र प्रकाश बाजपेई, जितेन्द्र पासी, यशपाल भारती, घनश्याम शुक्ला, शशिकांत पाण्डेय, मनोज तिवारी, मेराजुल हसन फारूकी, दिनेश यादव, कृपाशंकर शर्मा, अनुरूद्ध दीक्षित, अभय सिंह, राहुल बाजपेई, राज कुमार द्विवेदी, राम बहादुर गुप्ता, अमित चौधरी, विजय दीक्षित, आकर्षण द्विवेदी, अखिलेश शुक्ला, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, अनुज सिंह, जितेन्द्र शुक्ला, सौरभ शुक्ला, गिरीश बहादुर सिंह, कामता प्रसाद गौड़, विनोद प्रताप सिंह, अवधेश चौधरी, प्रदीप चौधरी, कामता नाथ सिंह, मो.अशरफ खान, मोहित मौर्या, सुरेश पासी, ओम प्रकाश पाल, अम्बरीश बाजपेई, हाफिज रियाज, आयुष द्विवेदी, विजय पटेल, अनिल कुमार मिश्रा, रमाकांत सिंह उपस्थित रहे।

## मुलायम सिंह यादव की द्वितीय पुण्य तिथि पर कार्यक्रम आयोजित कर कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

**मुसाफिरखाना, अमेठी।** सपा के संस्थापक यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री पदम विभूषण मुलायम सिंह यादव की द्वितीय पुण्य तिथि पर स्थानीय कस्बा स्थित निजी लॉन में आयोजित कार्यक्रम में सपा कार्यकर्ताओं ने उन्हे भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों पर चलने व सपा को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। सपा के वरिष्ठ नेता पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं से नेताजी की नीतियों व सिद्धांतो को आत्मसात कर गरीबों किसानों मजदूरों के हित में सदैव काम करने का संकल्प लेने का आवाह्न किया। उनके विचार सदैव प्रासंगिक रहेंगे। कस्बा मुंशीगंज रोड स्थित निजी मैरिज लॉन में पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व जिला महासचिव सत्य नारायण यादव की अध्यक्षता में सपा के वरिष्ठ नेता पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू व विशिष्ट अतिथि सपा के प्रदेश सचिव छोटेलाल यादव जी शामिल हुए।

## क्विक न्यूज

### एसडीएम ने बगैर खनिज प्रपत्र मौरम ले जाते तीन को किया सीज

**कालपी (जालौन)।** एसडीएम का मौरम के अवैध परिवहन के खिलाफअभियान जारी है। वुधवार रात उन्होंने फिर उन्होंने बगैर खनिज प्रपत्रों के तीन ट्रकों को पकड़कर सीज कर दिया है। प्रशासन की कोशिश और कार्यवाही के बाद भी क्षेत्र में वालू का अवैध परिवहन नही रुक रहा है जबकि प्रशासन आये दिन अवैध वालू से भरे ट्रकों के खिलाफकार्यवाही कर रहा है। वुधवार की रात उप जिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने सीओ डा. देवेन्द्र पचौरी के साथ आकस्मिक छापेमारी कर हाईवे से तीन ओवरलोड मौरम भरे ट्रक पकड़े है जिनके पास खनिज प्रपत्र भी नहीं थे। इसके अलावा उन्होंने मंगलवार रात भी जोल्हूपुर रेलवे ओवरब्रिज के पास से चार ट्रक पकड़े थे जिन्हें सीज कर कोतवाली पुलिस की अभिरक्षा में दे दिया था लेकिन इस कार्यवाही के बाद भी वालू का अवैध परिवहन करने वालों के हौंसले नहीं टूटे है जिसकी बानगी सुबह शाम हाईवे पर देखी जा सकती है। इस कारोबार मे लोकेशन माफियाओं की बड़ी भूमिका है जो बालू घाट से लेकर वालू मण्डी तक पहुंचने की जिम्मेदारी लेते हैं और इसके लिए उनके गुर्गे प्रशासनिक जिम्मेदारों और परिवहन तथा खनिज विभाग के अधिकारियों की पल पल की गतिविधियों की जानकारी रखते हैं और शायद इसी वजह से प्रशासन को इस अवैध कारोबार को रोकने में अपेक्षित सफलता नहीं मिलती है।

### सरकारी जमीन बेचने के मामले में एफआईआर दर्ज के आदेश

**गोंडा।** जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने सरकारी जमीन को बेचने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिया है। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर को निर्देशित किया कि वे तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस प्रकार के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मामला गोंडा जिले के ग्राम सराय जरगर का है। शिकायतकर्ता आबेश अहमद पुत्र एजाज अहमद ने बुधवार को जनसुनवाई में बताया कि यहां एक भूमि, जो सरकारी स्कूल निर्माण के लिए सुरक्षित की गई थी उसको कुछ लोगों ने दस्तावेजों में हेर-फेर कर बेच दिया है। शिकायत में कहा गया कि 13 अगस्त 2024 को उक्त भूमि इरशाद पुत्र भग्गन के द्वारा शेर अहमद को विक्रय की गई। 14 अगस्त 2024 को कब्जाधारियों ने फिर से उक्त भूमि को वीरपुर विसेन निवासी विपिन सिंह के नाम बैनामा लिखा गया है। इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करें और ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाएं। जिलाधिकारी ने सरकारी भूमि को संरक्षित करने के लिए सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया और चेताया कि इस तरह के अवैध कब्जों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

### मूर्ति विसर्जन के लिए तैयारियां जोरों पर

**ऊंचाहार,रायबरेली।** नवरात्रि खत्म होते ही मूर्ति विसर्जन का कार्य भक्तों और श्रद्धालुओं के द्वारा प्रारंभ किया जाएगा। इस उद्देश्य से श्रद्धालुओं को कोई असुविधा का सामना न करना पड़े इसलिए उपजिलाधिकारी और प्रभारी निरीक्षक ने सभी घाटों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए और मूर्ति विसर्जन हेतु गड्ढा खोदने का कार्य शुरू करवाया। नवरात्रि में मूर्ति विसर्जन के लिए गंगा घाटों का निरीक्षण उपजिलाधिकारी सिद्धार्थ चौधरी प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह द्वारा किया गया है। गंगा घाट पर मूर्ति विसर्जन के लिए गड्ढे को खुदवाया जा रहा है। तथा स्नार्थियों के लिए नहाने की व्यवस्था को भी दिशा निर्देश जारी किया गया है। निरीक्षण के क्रम में गोकना घाट, बादशाहपुर, गोलाघाट, तीर का पुरवा, कोटरा बहादुरगंज आदि कई घाटों का निरीक्षण किया गया।

### विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम का किया आयोजन

**अमेठी।** आज सीएमओ कार्यालय गौरीगंज जनपद अमेठी में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यालय प्रांगण से जनपदस्तरीय रैली को जिला मानसिक स्वास्थ्य पुनर्विलोकन बोर्ड के संयोजक सदस्य सचिव मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह द्वारा हरी झंण्डी देकर रवाना किया गया। रैली में स्कूली छात्रछात्राओं, अध्यापकों के साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में तत्पश्चात् कार्यालय सभागार मनहित से जनहित हैशटैग पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, इस वर्ष की थीम अर्थात यह समय कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का है। विषय पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुये कार्यस्थल पर सभी कर्मचारियों के बेहतर सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य हेतु वातावरण निर्माण तथा तनाव प्रबंधन पर जानकारी दी गयी, सीएमओ कार्यालय के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार उपाध्याय, डा. दीपक कुमार सिंह (जिला क्षय रोग अधिकारी), डा. प्रणव गौतम (मनोरोग विशेषज्ञ), डा. बीबी सिह (मनोचिकित्सक), श्रीराज (एमएण्डई आफिसर), शालू गुप्ता (स्वा. शिक्षा अधिकारी), राम आसरे सरोज (स्वा. शिक्षा अधिकारी), प्रदीप कुमार (कनिष्ठ सहायक), अजय कुमार मौर्य क्लीनिकल, साइकोलाजिस्ट, अरून कुमार, सुरज कुमार, अर्जुन सहित अन्य कर्मचारीगण सम्मिलित हुये।

## धरती पर जब जब अत्याचार बढता है भक्तों के लिए भगवान प्रकट हो जाते हैं

**महराजगंज ( रायबरेली )।** कस्बे के आर्य नगर (घेरा) में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के आज पांचवे दिन श्री धाम वृंदावन से पधारे कथा व्यास पवन देव जी महाराज ने भगवान के अनेक गुणन वादों का वर्णन किया। और भगवान श्री कृष्ण के जन्म के प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धरती पर अनाचार अत्याचार जब भी बढता है, भगवान प्रकट हो जाते है,.. प्रबल प्रेम के कारण हमने प्रभु को नियम बदलते देखा, अपना मान घटे घट जाए पर जन का मान न घटते देखा, रामचरित मानस की चौपाई का संदर्भ देते हुए बताया कि ईश्वर अंश जीव अविनाशी, जीव भगवान का ही अंश है, भक्तों के लिए ही भगवान ने कंश की कारागार में जन्म लिया।कंश ने भगवान श्री कृष्ण को मारने के लिए अपने राज्य की बलवान राक्षसी पूतना को भेजा पूतना ने स्तन पान के माध्यम से भगवान को जहर पिलाने का प्रयास किया तो भगवान ने उसका वध करके उद्धार कर दिया।

## 48 घंटे के भीतर पूर्व प्रधान हत्याकांड के नौ आरोपी गिरफ्तार आला कत्ल बरामद

**संवाददाता।** शुकुल बाजार, अमेठी

**बीते** मंगलवार को धारदार हथियार और लाठी डंडों से पीटकर की गई संसारपुर के पूर्व प्रधान व भाजपा मंडल उपाध्यक्ष के भाई शिवनरायण सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने 48 घंटे के भीतर दस में से नौ नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त रक्तरंजित कुल्हाड़ी के साथ चार डंडे बरामद किए हैं। विधिक कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया। हालांकि घटना का मुख्य साजिशकर्ता अब तक पुलिस की गिरफ्त से दूर है।

बीते मंगलवार की सुबह संसारपुर के पूर्व प्रधान शिवनरायण सिंह पर लाठी डंडों पर धारदार हथियार से हमला हुआ था। मरणासन्न हालत में उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। मामले में मृतक के पुत्र बृजेन्द्र प्रताप सिंह की तहरीर पर पुलिस ने दस नामजद व एक अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्जकर आरोपियों की तलाश शुरू की।

गुरुवार की सुबह लगभग साढ़े 10 बजे एसओ दयाशंकर मिश्रा ने नौ हत्यारोपियों रवि यादव, शानू, रजनीश, मनीष, जितेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डूए गुलाब सिंह, शिवमूरत सिंह, अंकुर सिंह व राजकुमार सिंह निवासीगण संसारपुर को सड़क तिराहा शाहपुर से गिरफ्तार कर लिया। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने खून से सनी एक कुल्हाड़ी व चार डंडे बरामद कर लिए। हालांकि घटना के साजिशकर्ता के रूप में नामजद समर बहादुर सिंह निवासी खेममऊ को पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष दयाशंकर यादव ने बताया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# 60 लाख का अवैध पटाखा बरामद, एक गिरफ्तार

**● एसओजी टीम व कोतवाली पुलिस ने 58 कुन्तल 7 किग्रा 92 गत्ता पटाखा बरामद हुआ**

**संतकबीरनगर।** पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता के मार्गदर्शन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अजीत चौहान के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में आगामी त्यौहार के दृष्टिगत पटाखो के अवैध भण्डारण एवं बिक्री के रोकथाम हेतु चलाये गये। 09, अक्टूबर, 2024 को एसओजी टीम व थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस द्वारा मेंहदावल बाईपास से नेंदुला की तरफ जाने वाले रोड पर स्थित स्टेट ट्रांसपोर्ट की गोदाम से भारी मात्रा में अवैध रूप से पटाखा की बरामदगी एवं एक अभियुक्त की गिरफ्तारी की गयी। नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त कृष्ण कुमार पुत्र लालचन्द्र निवासी छोटी सरौली थाना कोतवाली खलीलाबाद, कुल 216 गत्ता विभिन्न ब्रांड के पटाखे वजन करीब 58 कुंतल 07 किग्रा अनुमानित कीमत करीब 60 लाख, कुल 11 अदद बिल बाउचर। गिरफ्तार अभियुक्त कृष्ण कुमार पुत्र लालचन्द द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वह स्टेट ट्रांसपोर्ट कम्पनी का मालिक है। लखनऊ से यह पटाखे मंगाये गये थे। अपने दो गोदाम क्रमशः एक छोटी सरौली स्थित मकान के दो कमरो तथा शेष हाईवे के किनारे ट्रांसपोर्ट आफिस के नीचे बेसमेंट में बने गोदाम में रखे थे। छोटा सरौली में स्थित गोदाम मे रखा कुल 92 गत्ता पटाखा क्रमशः शिवकुमार पुत्र जवाहर लाल निवासी गोलाबाजार थाना खलीलाबाद, मानस अग्रहरि पुत्र श्यामबिहारी अग्रहरी निवासी गोला बाजार थाना खलीलाबाद का है, हाईवे के किनारे बेसमेंट मे बने गोदाम में रखा 124 गत्ता पटाखा राजू अग्रहरी पुत्र जवाहर लाल गोला बाजार थाना खलीलाबाद, अरूण कुमार अग्रहरि पुत्र माता प्रसाद निवासी घघसरा रोड पटखौली थाना सहजनवां गोरखपुर, राज गुप्ता पुत्र मनोज कुमार गोला बाजार थाना खलीलाबाद, राजन गुप्ता पुत्र सुबाषचन्द्र मुखलिपुर रोड थाना खलीलाबाद, श्याम कुमार पुत्र द्वारिका गोला बाजार हनुमानगढ़ी के पीछे थाना खलीलाबाद, प्रमोद जायसवाल पुत्र ओमप्रकाश गोला बाजार थाना खलीलाबाद एवं पवन कुमार पुत्र प्रेमचन्द कस्बा महुली थाना महुली संतकबीरनगर का है।



प्रेसवार्ता कर जानकारी देते पुलिस अधीक्षक।

# तनाव व मानसिक रोग बचने के लिए मोबाइल का कम प्रयोग करें: सीएमएस

**● अध्यक्ष जगत जायसवाल ने कार्यशाला का किया उद्घाटन**

**संतकबीरनगर।** विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर संयुक्त जिला चिकित्सालय के एमसीएच विंग के प्रांगण में बृहद मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष जगत जायसवाल द्वारा फीता काटकर किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के साथ सीएमओ, एसीएमएस, सीएमएस संयुक्त जिला चिकित्सालय द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन करके शुरूआत किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के गतिविधियों के तहत जन सामान्य को जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया मुख्य रूप से शंभू नाथ मेमोरियल नर्सिंग कॉलेज, कौशल विकास मिशन, डीजी स्वास्थ्य फाउंडेशन, नेहरू इंटर कॉलेज के साथ-साथ 24 विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभा किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न तरह के नुक्कड़ नाटक आयोजन करके उपस्थित जन सामान को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित बीमारियों के लक्षणों के विषय में जागरूक करते हुए उनसे बचाव के तरीकों के विषय में जानकारी दी गई तथा वैज्ञानिक युग में मोबाइल से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया गया। समस्त प्रतिभागियों द्वारा मुख्य रूप से नुक्कड़ नाटक पोस्टर प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों सहित जिला चिकित्सालय में कार्यरत समस्त वार्ड इचांर्ज, एनसीडी क्लीनिक में कार्य सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य रूप से सीएमएस डॉक्टर भवनाथ पांडेय, एसीएमओ डॉ0 राम रतन एनसीडी क्लीनिक से डॉक्टर तनवांगी मणि शुक्ला, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, सतीश गौड़, साइट्रिक नर्स मौजूद रहे।



सम्बोधित करते मुख्य चिकित्सा अधीक्षक

# इंटरलाकिंग बिछाने में प्रांतीय खंड लोनिवि ने फिर लगा दिया भ्रष्टाचार का तड़का

**● सदर विधायक ने मौके पर पहुंचकर इंटरलाकिंग की गुणवत्ता परखी ● मानक के अनुसार कार्य न कराया तो कार्यदायी संस्था का भुगतान रोकने के लिये शासन को लिखेंगे पत्र**

**उरई (जालौन)।** नगर के मुख्य राजमार्ग की सड़क का निर्माण प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन की देखरेख में कार्यदायी संस्था श्रीराम कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा निर्मित कराया जा रहा है जिसकी घटिया गुणवत्ता की शिकायतें सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा को लगातार मिल रही थी गुरुवार को सदर विधायक ने नवनर्मित ग्रांट ट्रंक रोड व डाली गयी इंटरलाकिंग का स्थलीय निरीक्षण किया तो घटिया इंटरलाकिंग की पोल खुलकर सामने आ गयी। विधायक की मौजूदगी में स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि प्रांतीय खंड लोनिवि के अधिकारी व कार्यदायी संस्था के जिम्मेदार लोग मिलकर इंटरलाकिंग डालने के नाम पर खानापूर्ति करने के प्रयासों में जुटे हुये हैं। सदर विधायक ने मौके पर मौजूद कार्यदायी संस्था सुरेंद्र सिंह व प्रांतीय खंड के अधिकारियों को निर्देशित किया कि घटिया इंटरलाकिंग को उखाड़कर उसके स्थान पर मानक के अनुसार इंटरलाकिंग बिछायी जाये बरना कंपनी का भुगतान रोकने के लिये वह शासन से पत्राचार करने को बाध्य होंगे।

पिछले कई महीने से नेशनल हाइवे रिनियां से लेकर मेडिकल चौराहे तक उच्च तकनीकि से 22 करोड़ की लागत से दस किमी सड़क का निर्माण कार्य कराने के लिये प्रांतीय खंड लोनिवि को बजट दिया था उक्त निर्माण कार्य श्रीराम कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा कराया जा रहा है जिसमें नेशनल हाइवे से झांसी रोड पुल तक सड़क का डामरीकरण कार्य हो चुका है। इसके बाद नगर के बीचों बीच से निकले मुख्य राजमार्ग का निर्माण ग्रांट ट्रंक तकनीकि से कराया जाना है जिसका कार्य चल रहा है। सड़क निर्माण का कार्य एक साइड पूरा होने के बाद कार्यदायी संस्था श्रीराम कंस्ट्रक्शन कंपनी की कर्ताधर्ता सुरेंद्र सिंह की देखरेख में इंटरलाकिंग बिछाने में खानापूर्ति की शिकायत सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा को लगातार मिलने के बाद गुरुवार को उन्होंने इंटरलाकिंग का स्थलीय निरीक्षण कर उसकी गुणवत्ता को परखा तो पता चला कि इंटरलाकिंग डालने से पूर्व उस पर रोड रोलर ही नहीं चलवाया गया जिससे कई स्थानों पर इंटरलाकिंग धंसने लगी। इंटरलाकिंग की घटिया गुणवत्ता देखते ही सदर विधायक ने कार्यदायी संस्था श्रीराम कंस्ट्रक्शन कंपनी के सुरेंद्र सिंह को फटकार लगाते हुये कहा कि यदि घटिया इंटरलाकिंग को उखाड़कर पुनः मानक के अनुसार इंटरलांकिंग न डलवायी गयी तो वह कंपनी का भुगतान रोकने के लिये शासन से पत्राचार ही नहीं करेंगे बल्कि प्रांतीय खंड लोनिवि के एक्सईएन द्वारा बरती जा रही घोर लापरवाही की भी शिकायत शासन से करने में संकोच नहीं दिखायेंगे। प्रांतीय खंड लोनिवि के जेई इंदल सिंह को फटकार लगाते हुये कहा कि सड़क निर्माण में रत्ती भर भी यदि गुणवत्ता को ठेगा दिखाते हुये निर्माण कार्य कराने का प्रयास किया तो कड़ी कार्यवाही कराने से नहीं चूकेंगे।



### विभागीय एक्सईएन ने बीमारी का बनाया बहाना नहीं आये मौके पर

**उरई।** सदर विधायक द्वारा घटिया इंटरलाकिंग का स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्ता देखने की जानकारी जैसे ही विभागीय जेई द्वारा प्रांतीय खंड लोनिवि के एक्सईएन अमित सक्सेना को मोबाइल पर दी तो उन्होंने खुद को बीमार बताते हुये मौके पर आने में असमर्थता जाहिर कर दी। ऐसे में विभागीय एक्सईएन वास्तव में बीमार थे या फिर उन्होंने सदर विधायक की फटकार से बचने के लिये खुद को बीमार बता दिया यह तो वही जानते होंगे। मौके पर कार्यदायी संस्था के कर्ताधर्ता सुरेंद्र सिंह सदर विधायक के तेवर देखकर हक्का बक्का रह गया।

### कार्यदायी संस्था के मालिक ठेका लेने के बाद नहीं आए उरई

**उरई।** शासन द्वारा 22 करोड़ रुपयों का भारी भरकम बजट प्रांतीय खंड लोनिवि को दस किमी सड़क निर्माण के लिये भेजा था जिसका कार्य करने का ठेका श्रीराम कंस्ट्रक्शन कंपनी जिसके मालिक ताराचंद्र मित्तल बताये जाते हैं। जिन्होंने सड़क निर्माण का ठेका हासिल करने के बाद एक भी दिन यह देखने मौके पर नहीं आये कि क्या वास्तव में सड़क मानक के अनुसार बनायी जा रही है या फिर सड़क व इंटरलाकिंग निर्माण के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है।

# सिलेंडर में आग लगने से दस लोग झुलसे, आधा दर्जन कानपुर रेफर

## ● कन्या भोज के लिए बन रही थी खीर, घायलों की हालत गंभीर

अस्पताल में भर्ती लोग

**सुमेरपुर।** कस्बा सुमेरपुर के रामनगर मोहल्ले में नवरात्र की अष्टमी के मौके पर कन्या भोज के लिए खीर बनाते समय गैस सिलेंडर से आग लग गई आग बुझाने के प्रयास में एक महिला सहित करीब दस लोग बुरी तरह से झुलस गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया उनमें से आधा दर्जन घायलों को बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर किया गया है, आग से दस बकरियां भी झुलसी हैं। मोहल्ले के राजाराम प्रजापति के आंगन में गुरुवार की सुबह कन्या भोज के लिए खीर बनाई जा रही थी। खीर बनने के बाद भगौना उतारकर नीचे रखा गया और जैसे ही सिलेंडर से रेग्युलेटर निकाला गया वैसे ही सिलेंडर के अंदर लगी पिन टूट गई। इससे गैस फोर्स के साथ रिसने लगी। कुछ युवकों ने हिम्मत बांधकर सिलेंडर को पानी से भरे भगौने में औंधे मुंह रख दिया, लेकिन गैस आसपास के क्षेत्र में फैल गई और कुछ ही दूर जल रहे दूसरे चूल्हे के संपर्क में आने चारों तरफआग फैल गई। इससे अफरा तफरी मच गई, सिलेंडर में लगी आग को बुझाने के प्रयास में अमित कुमार, संदीप कुमार, रोहित, सुमित कुमार पुत्र कमलेश विनोद कुमार पुत्र हरिप्रसार्द अशोक कुमार पुत्र राम शकील योगेश कुमार पुत्र रामबाबू राजाराम प्रजापति पुत्र मातादीन तिजिया पत्नी राजाराम प्रजापति सुमित पुत्र राजाराम समस्त निवासीगण वार्ड नंबर 5 बसंत नगर थाना सुमेरपुर को उपचार हेतु तत्काल पीएचसी सुमेरपुर भेजा गया जहां से सभी को जिला अस्पताल हमीरपुर रेफर किया गया। राजाराम तिजिया अमित मुखिया,मन्नू संदीप को गंभीर हालत में कानपुर रिफर कर दिया गया है।

# पिता पुत्र की मौत के मामले में रोडवेज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

**संवाददाता।** राठ (हमीरपुर)

**बुधवार** को रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार पिता पुत्र की दर्दनाक मौत के मामले में मृतक के भाई ने रोडवेज बस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है वही पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक बसेला गांव निवासी संतराम ने बताया कि उसका भाई मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण.पोषण करता था। उसके दो पुत्र निखिल व कार्या थे।

निखिल गांव के सरकारी विद्यालय में कक्षा दो में पढ़ता है। साथ में 4 वर्षीय कार्या भी भाई के साथ विद्यालय चला जाता था। बुधवार को पनवाड़ी थाने के नकरा गांव में उसके परिवार के चाचा रामकुमार के यहां कुल देवी की पूजा थी। उसका छोटा भाई सुबह पत्नी रेशमा व एक रिश्तेदार को बाइक से नकरा छोड़ गया था। बच्चें स्कूल गए थे। बताया कि बच्चों के स्कूल आने के बाद वह दोपहर करीब साढ़े तीन बजे उसका छोटा भाई 27 वर्षीय काशीराम अहिरवार अपने छह वर्षीय पुत्र निखिलए चार वर्षीय कार्या को बाइक से लेकर पनवाड़ी थाने के नकरा गांव कुल देवी की पूजा में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही उसके वह गिरवर मोड़ के पास पहुंचे तो महोबा की ओर से आ रही तेज रफ्तार महोबा डिपो बस ने बाइक में सीधी टक्कर मार दी। जिससे भाई व दोनों भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया था। जहां डॉ अखिलेश सिंह ने भाई काशीराम व भतीजा कार्या को मृत घोषित कर दिया था। निखिल को मामूली चोटें आईं थीं। मझगवां थानाध्यक्ष नंदलाल प्रजापति ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरु की गयी है।

# प्रायवेट दुकानों से किसानों का भरोसा उठने से जिले में खाद की मच रही है अफरा तफरी

## ● ज्यादा दामों में भी विक्री की जाती है प्रायवेट दुकानों में खाद, दुकानों में मिलावट खाद की होती है विक्री

**हमीरपुर।** जिले में किसानों का प्रायवेट दुकानों से विश्वास उठ गया है,यही कारण है कि सभी किसान सहकारी समितियों की ओर खाद लेने के लिये भागते है जिससे जिले में उर्वरक की मांग दिनो दिन अधिक होती जाती है। किसानों का मानना है कि प्रायवेट दुकानों में खाद ज्यादा दामों में व गुणवत्तायुक्त खाद नही मिल पायेगी। शासन ने खाद की आपूर्ति के लिये कोआपरेटिव को चालिस फीसदी व कृषि विभाग को साठ फीसदी खाद की आपूर्ति करने की जिम्मेदारी सौपी है। सहकारिता विभाग के पास पीसीएफ व अपनी सहकारी समितियां है किसान इन सहकारी समितियों का सदस्य होता है इन समितियों से किसान को उधार उर्वरक मिल जाती है बाद में किसान खाद का मूल्य चुकाता रहता है। जिससे वह सहकारी समितियों की ओर भागता रहता है। इधर किसानों का मानना है कि प्रायवेट दुकानों में अधिक मूल्य की खाद की विक्री की जाती है कई मर्तवा नकली खाद की विक्री कर दी जाती है। जिससे फसल पूरी तरह प्रभावित हो जाती है। जब कि इस समय प्रायवेट दुकानों में यूरिया डीएपी खूब उपलब्ध है मगर किसान इन दुकानों की तरफरुख नही करता है। हालाकि समय समय पर जो खाद के सैम्पल भेजे जाते है वह कई मर्तवा फेल हो जाते है जिससे किसानों का भरोसा और भी टूट चुका है। किसानों ने बताया कि युरिया व डीएपी में दुकानदार कम से कम सौ रुपये बढा कर खाद की विक्री करता है। इस मामले में हालाकि समय समय पर डीएओ जांच पडताल करते रहते है। एग्राजंक्शन में भी खाद ज्यादा कीमत की विक्री की जाती है जबकि ये दुकाने कृषि विभाग के सहयोग से संचालित की जाती है।

### बेतहासा वृद्धि के लिये शासन से उच्चाधिकारी करेगे जांच

**हमीरपुर।** जिले में प्रत्येक साल बेतहासा उर्वरक की मात्रा बढ़ने से शासन ने चिंता व्यक्त की है,इसके लिये शासन ने लखनऊ से डिप्टी डायरेक्टर टीएसी को जिले में वास्तविक जानकारी करने के लिये भेजने का फैसला किया है। डिप्टी डायरेक्टर कृषि हरीशंकर भार्गव ने बताया कि जिले में परंपरागत खेती व प्राकृतिक खेती के लिये हर साल लाखों रुपये का बजट आता है मगर यहां पर उर्वरक की मात्रा घटने के बजाय लगातार बढती जा रही है।

# पुष्टाहार उत्पादन इकाई का निरीक्षण करते हुए

**बांदा।** बांदा में 10 अक्टूबर जिलाधिकारी नगेंद्र प्रताप ने आज विशिष्ट मंडी ग्राम दुर्रनी में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित प्रगति प्रेरणा लघु उद्योग का निरीक्षण किया। इस पुष्टाहार उत्पादन इकाई का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कच्चा माल भंडारण कक्ष एवं तैयार माल भंडारण कक्ष तथा कार्यालय का निरीक्षण करते हुए यहां पर तैयार किया जा रहे दलिया एबेसन बर्फी इत्यादि के उत्पादों को चेक करते हुए गुणवत्ता युक्त सामग्री तैयार करने के निर्देश दिए। इस उत्पादन इकाई में गर्भवती धात्री महिलाओं के लिए आटा बेसन, बर्फी तैयार किया जा रहा है तथा 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए दलिया, मूंग दाल खिचड़ी का उत्पादन किया जाता है। उन्होंने पोषाहार उत्पादन के लिए आने वाले कच्चे माल के संबंध में जानकारी करते हुए डीपीओ एवं उपयुक्त एनआरएलएम तथा खंड विकास अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को यहां पर तैयार किया जा रहे हैं उत्पादों का परीक्षण करने के संबंध में निर्देश दिए।

# जिलाधिकारी ने की कर.करेत्तर, राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा, दिए निर्देश

## ● आईजीआरएस व तहसील दिवस पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का निर्धारित समयावधि में कराया जाए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

**कानपुर देहात।** डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में कर.करेत्तर, राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। डीएम ने स्टाम्प, आबकारी, वाणिज्यकर, परिवहन, विद्युत, वन, खनिज, बाट.माप आदि को लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को रोस्टर बनाकर कैम्प के माध्यम से विद्युत बिल वसूली कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कैम्प में उपभोक्ताओं के बिद्युत बिल संबंधित शिकायतों व अन्य शिकायतों का भी निस्तारण किया जाये। परिवहन विभाग को प्रवर्तन बढ़ाने के निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि त्योहारों के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे, इस पर विशेष ध्यान दिया जाये। सभी संबंधित विभागों को लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत प्राप्ति करने के निर्देश दिये। डीएम द्वारा राजस्व कार्यो की समीक्षा की गयी। डीएम ने राजस्व वादों के निस्तारण, स्टांप वाद आदि की समीक्षा कर विस्तृत दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुराने लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाए। डीएम द्वारा विभिन्न धाराओं के अंतर्गत वादों के निस्तारण के प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिये गये। डीएम ने आडिट आपत्तियों, वेदखली वाद का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये। आईजीआरएस व तहसील दिवस पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समयावधि में कराया जाए। आय, जाति, निवास व अन्य प्रमाण पत्रों को निर्धारित समयावधि में जारी किया जाये।

## घायल लोगो को सरकारी अस्पताल में कराया भर्ती

**मौदहा( हमीरपुर )।** क्षेत्र में हुई अलग.अलग घटनाओं में चार युवक घायल सभी घायलों को लहुलुहान हालत में राहगीरों की मदद से कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। क्षेत्र के मुटनी गांव निवासी अमित 18 वर्ष पुत्र पंचम लालए बालेंद्र पुत्र छिद्दू मुटनी निवासी बाइक में सवार होकर कस्बे से गांव की ओर जाते समय रमना के पास बाइक का संतुलन बिगड़ जाने पर सड़क पर गिर घायल हो गए राहगीरों की मदद से कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरी घटना भैंसमरी गांव निवासी अनुज पुत्र जसकरनए संतोष 40 पुत्र रामकिशोर बाइक में सवार होकर सुमेरपुर से अपने गांव की ओर जाते समय टोला माफ चंद्रावल नदी के पास बाइक का संतुलन बिगड़ जाने पर सड़क पर गिर घायल हो गए अनुज की हालत गंभीर होने पर पीआरबी 112 नंबर गंभीर अवस्था में कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां उनका इलाज जारी।

## क्विक न्यूज

### देवताओं की सवारी वाले मार्गों का मरम्मतीकरण की मांग

**फतेहपुर।** श्री जय हनुमान मंदिर समिति के सदस्यों ने जिलधिकारी से मिलकर दशहरा के दिन देवताओं की निकलने वाली सवारी वाले मार्गों का मरम्मतीकरण एवं कराये जाने व अतिक्रमण हटाये जाने की मांग किया। श्री जय हनुमान मंदिर के सर्वकार एवं प्रबंधक राम प्रकाश गुप्ता की अगुवाई में समिति के सदस्यों ने जिलधिकारी से मिलकर बताया कि दशहरा पर्व पर देवी देवताओं की सवारियां निकाली जाती है जो कि हनुमान मंदिर चौक से सांयकाल पांच बजे से कोतवाली रोड होते हुए मोटेश्वर महादेव मंदिर पीरनपुर जाती है। वहां से वापस रामलीला मैदान ज्वालागंज में आती है, फिर रामलीला कमेटी की सवारियों के साथ ज्वालागंज बस स्टाप होते हुए बाकरगंज, लाटी मोहाल, चौगलिया होते हुए चौक हनुमान मंदिर अपने पूर्व नियत मार्ग से आती है। सवारियां निकलने वाला मार्ग कहीं-कहीं बहुत खराब हैं। सवारियों एवं दर्शकों के आने जाने में कठिनाइयां होंगी। जिसका मरम्मतीकरण कराना अति आवश्यक है। साथ ही सवारियां रात में निकलती है इसलिए उनकी सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित कराये जाने व मार्गो में अतिक्रमण है।

### एक दिन की बीईओ बनीं कक्षा तीन की छात्रा उजाला

**फतेहपुर।** मलवां ब्लॉक में मिशन शक्ति पंचम के तहत बीईओ डा. विनोद कुमार ने प्राथमिक विद्यालय मलवां प्रथम की कक्षा तीन की छात्रा उजाला को एक दिन का सांकेतिक बीईओ बनाया। बतौर खंड शिक्षा अधिकारी उजाला ने सबसे पहले बीआरसी का निरीक्षण किया। कमी नजर आने पर स्टाफसे जानकारी हासिल की। हालांकि छात्रा छोटी होने के कारण बीईओ डा. विनोद कुमार एवं ब्लाक कोर्डीनेटर राहुल कुमार छात्रा का सहयोग करते रहे। एक दिन की बीईओ बनी छात्रा उजाला ने प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका प्रीती पाण्डेय से भी मिड-डे-मील और बच्चों की उपस्थिति पंजिका की जांच की। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। बच्चों ने संतोषजनक जवाब दिए। इस बारे में जब उजाला से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अधिकारी बनने में बहुत अच्छा लगता है। मेरा भी सपना है कि अच्छी पढ़ाई करके अधिकारी बनुंगी।

### अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

**फतेहपुर।** औंग थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुधवार की देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से 38 वर्षीय बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गोरखपुर जनपद के थाना सहबाजगंज गांव शिवपुर निवासी कमलेश जायसवाल का पुत्र आदित्य जायसवाल का एक मकान कानपुर नगर के जरीब चौकी के समीप है। बताते हैं कि रात लगभग ढाई बजे बाइक से वह कानपुर से गोरखपुर जा रहा था। जैसे ही वह औंग थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनएच-2 पर पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दिया जिससे उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से भाग जाने में सफल रहा। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

### युवक की सड़क हादसे में मौत, हत्या का आरोप

**फतेहपुर।** हुसैनगंज थाना क्षेत्र के मोधनपुर गांव निवासी झूरी रैदास का पुत्र अंकित की शादी तीन वर्ष पूर्व कैथनपुर गांव निवासी स्व0 बाबूलाल की पुत्री के साथ हुई थी। बताते हैं कि बुधवार की शाम वह अपनी ससुराल गया था। तभी उसकी सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक के चाचा अनूप ने बताया कि उसके भतीजे की सड़क हादसे में मौत नहीं हुई है, बल्कि उसकी हत्या हुई है। उसने मृतक के साले राजा सहित परिवार के अन्य लोगों पर हत्या का शक जाहिर किया है।

### तालाब में डूबकर युवक की मौत

**फतेहपुर।** इटावा जनपद के थाना सैफई गांव हरदोई निवासी सालिगराम का पुत्र आदेश छह दिन पूर्व अपनी ससुराल आधारपुर आया था। बताते हैं कि आठ अक्टूबर को गांव के समीप स्थित तालाब में डूब गया था। काफी खोजबीन के बाद उसका कोई सुराग न लगा। बुधवार की शाम उसका शव तालाब में तैरता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

### जिले एवं मंडल के अधिकारियों ने किया फ्लेग मार्च

**बांदा।** आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा श्री बालकृष्ण त्रिपाठी एवं पुलिस उप महानिरीक्षक श्री अजय कुमार सिंह तथा जिलाधिकारी नगेंद्र प्रताप एवं पुलिस अधीक्षक श्री अंकुर अग्रवाल तथा समस्त सीवओव, पुलिस अधिकारियों शहर कोतवाल सहित कोतवाली पुलिस टीम के साथ कल रात बाबूलाल चौराहे से महेश्वरी देवी मंदिर एवं प्रमुख बाजार होते हुए रामलीला मैदानएबाकरगंजए रेलवे स्टेशन होते हुए फ्लैग मार्च किया गया। आयुक्त चित्रकूटधाम मंडल श्री बाल कृष्ण त्रिपाठी ने बताया कि आज नवरात्रि एवं आने वाले आगामी पर्व को दृष्टिगत रखते हुए जनपद के समस्त अधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ आज फ्लैग मार्च किया गया जिसका उद्देश्य जनता के बीच सामंजस्य स्थापित करना था ताकि त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। उन्होने बताया कि चित्रकूट धाम मंडल में व्यवस्था चुस्त दुरुस्त हैं।

## अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के डेलीगेट नामांकन के दौरान बुधवार को हुए बवाल

**लखीमपुर खीरी।** अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के डेलीगेट नामांकन के दौरान बुधवार को हुए बवाल का असर गुरुवार को भी देखने को मिला। व्यापारी नेता राजू अग्रवाल के साथ हुई बदसलूकी को लेकर लखीमपुर के व्यापारियों में रोष व्याप्त है। घटना के विरोध में जिला उद्योग व्यापार मंडल के कई पदाधिकारी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अर्बन बैंक की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सिंह और उनके पति बार संघ के जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह व उनके साथियों द्वारा भाजपा के व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक व व्यापार मंडल के प्रांतीय संगठन मंत्री राजू अग्रवाल के साथ की गई अभद्रता की कड़ी निंदा की गई। व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ दो दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं की गईए तो वे अनिश्चितकालीन बंदी पर जाने को मजबूर होंगे।

# हमारी स्मृतियों व विचारों में नेताजी सदैव जीवित रहेंगेः अमित यादव

**गुरसहायगंज (कन्नौज)।** उपेक्षित समाज को उनका अधिकार दिलाने का काम श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव ने किया है। हमें ऐसे महापुरूष के आदर्शों से सदैव प्रेरणा लेनी चाहिए। नेताजी हमारी स्मृतियों व विचारों में सदैव जीवित रहेंगे। यह बात गुरूवार को समाजवादी शिक्षकसभा जिलाध्यक्ष अमित कुमार यादव ने नेताजी मुलायम सिंह यादव की द्वितीय पुण्यतिथि पर बाबू जागेश्वर प्रसाद मेमोरियल इण्टर कालेज में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कही। कहा कि समाजवाद को जमीन पर साकार करने वाले, वंचितों और पिछड़ों के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव केवल एक नेता ही नहीं बल्कि एक विचारधारा भी थे। नेताजी ने अपने कैरियर की शुरूआत शिक्षा के क्षेत्र से की थी। जिलाध्यक्ष ने नेताजी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया और पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद जिलाध्यक्ष ने विद्यालय के नन्हें मुन्ने बच्चों को फल वितरित किये। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष सुनील यादव, अनिल कुमार, पंकज पाल, टिल्लू यादव, अवनीश पाल, अनिल कुमार, ओमेंद्र सिंह, पंकज पाल, अमन कुमार, प्रमोद कुमार, जितेंद्र, संजय कुमार आदि मौजूद रहें। उधर सपा जिला कार्यालय पर सपा संस्थापक श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव की द्वितीय पुण्यतिथि पर जिलाध्यक्ष कलीम खॉन, पूर्व सपा विद्यायक अरबिन्द सिंह यादव, क्षत्रिय नेता राजसिंह चौहान उर्फ छोटे ठाकुर, मनोज अग्रवाल, पिछडा वर्ग जिलाध्यक्ष मास्टर राम सेवक बाथम ने श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर व हवन पूजन करनें के उपरान्त कहा कि सपा संस्थापक श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव नें सदैव ही किसानों, मजदूरों, व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखकर उनके उत्थान के लिये कार्य किया था। नेताजी के आदर्श हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे।

# उत्तरवाहिनी यमुना तट पर स्थित मां मुक्तेश्वरी करती हैं भक्तों की हर मुराद पूरी

**संवाददाता।** कानपुर देहात

**शारदीय** नवरात्र के चलते भोगनीपुर तहसील क्षेत्र में उत्तरवाहिनी यमुना तट पर स्थित माता मुक्तेश्वरी मंदिर में पर इन दिनों दर्शन करने वाले भक्तों का तांता लग रहा। सबेरे चार बजे से ही मंदिर परिसर में दर्शनार्थियों की कतारें लग रही हैं। सीमावर्ती जिलों से ही नहीं बल्कि सीमावर्ती प्रदेशों से भी लोग माता के दरबार में माथा टेकने व मन्नत मांगने आते हैं और मन्नत पूरी होने पर धार्मिक अनुष्ठान जैसे मुंडन संस्कार आदि कराने को आते हैं। मंदिर के बारे में कई कहानियां भी प्रचलित है। आज भी मंदिर उन पौराणितक ,आध्यामिक, दार्शनिक धार्मिक महत्व अपने में समेटे हुए है।

किंवर्दतियां है कि राजा दक्ष प्रजापति के यज्ञ में सती हुई माता पार्वती का मुकुट जहां पर गिरा था मूसानगर के उसी स्थान पर माता मुक्तेश्वरी का मंदिर बना है। माता पार्वती

मंदिर में विराजमान माता मुक्तेश्वरी की मूर्ति

का मुकुट गिरने के कारण ही इस स्थान का नाम मुकुटेश्वरी पड़ा। समय के साथ बोलचाल में शब्दों का अपभ्रंस होते होते वर्तमान में इस स्थान को मुक्तेश्वरी के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि मूसानगर का प्राचीन नाम मुक्तानगर था। जिसे प्रहलाद के पौत्र दैत्यराज बलि ने बसाया था। दैत्यराज बलि को भगवान विष्णु के वामन अवतार द्वारा छले जाने की कथा ग्रामीणों से सुनी जा सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि मुक्तादेवी मंदिर के आसपास क्षेत्र मंदिर की दंतकथाओं से जुड़ा हुआ है। मंदिर से सटे हुए गांव हलिया के बारे बताया कि यहां पर भगवान के बामन अवतार ने बलि के सिर पर पैर रखा था। छलिया का मतलब राजा बलि की छलने वाला। छलिया का अपभ्रंश होते-होते आज यहां बसे गांव को हलिया के नाम से जाना जाता है। माता मुक्तेश्वरी मंदिर के बारे में कई कथाएं ग्रामीणों से सुनी जा सकती है। ग्रामीणों का. किस्स सुनाने का निराला अंदाज सुनकर लोग मंत्रमुग्ध हो जाते है।

### माता मुक्तेश्वरी मंदिर जीर्णोधार

मंदिर की पुजारी प्रियंवदा द्विवेदी ने बताया कि उक्त कहानियां पीढ़ी दर पीढ़ी गुजरती हुई उन तक पहुंची है। मंदिर के गर्भ गृह की ओर इशारा कर जानकारी दी कि माता सती का मुकुट यहीं एक करील की झाड़ी में अटक गया था। ग्वाले गाय चराने आते थे। एक ग्वाले की गाय चरने के बाद जब घर पहुंचती थी तो उसके धनों में दूध की एक बूंद भी नहीं निकलती थी।

# मुलायम के आदर्शों पर चलकर ही शांति, विकास और भाईचारा संभवः अभिषेक दीक्षित

**संडीला (हरदोई)।** देश के पूर्व रक्षामंत्री एवं उत्तर प्रदेश के कई बार मुख्यमंत्री रहे स्व. मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनि श्रद्धाजलि अर्पित करते हुए वरिष्ठ सपा नेता अभिषेक दीक्षित एडवोकेट ने कहा कि स्व. मुलायम सिंह यादव ने देश में समाजवाद की जड़ों को सींचा और प्रदेश और देश को आगे बढ़ाने तथा समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया। उनके आदर्शों पर चलकर ही देश को कल्याणकारी राज्य के रूप में विकसित किया जा सकता है।

दीक्षित निवास पर आयोजित पुण्यतिथि कार्यक्रम वरिष्ठ सपा नेता वसीम वारसी ने कहा कि स्व0 मुलायम सिंह यादव जैसे विज़न का नेता युगों में जन्म लेता है। एक साधारण शिक्षक से प्रदेश के कई बार मुख्यमंत्री तथा देश के रक्षामंत्री बनने वाले स्व0 मुलायम सिंह यादव ने प्रदेश और देश को शांति और विकास

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सपा नेतागण

के मार्ग पर आगे ले जाने का कार्य कियाए जिसे उनके यशस्वी पुत्र पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अब आगे बढ़ा रहे हैं। स्व. मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अभिषेक दीक्षित एडवोकेट ने कहा कि स्व. मुलायम सिंह ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में प्रदेश को नई दिशा दी। प्रदेश की कानून व्यवस्था को सशक्ति बनाने के साथ साथ इसे औद्योगिक विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाया। वे सर्वधर्म संभाव और परस्परिक भाईचारे और प्रेम के पोषक थे और उन्होंनें इससे कभी समझौता नहीं किया। हमें देश को विकास और शांति के मार्ग पर आगे ले जाने के लिए उनके आदर्शों पर चलना चाहिए। सभासद हसन मक्की, विशाल अर्कवंशी, सभासद अकील अंसारी, मो. आलम खां एडवोकेट, दाउद चौधरी आदि ने भी अपने विचार रखे।

# कन्या पूजन मातृ शक्ति की आराधना का प्रतीकः प्रभारी मंत्री

## ● जिला प्रशासन ने रचा इतिहास, 1100 कन्याओं का एक साथ पूजन ● कन्या पूजन व शक्ति वंदन कार्यक्रम में अभिनंदन देख मुग्ध हुईं छात्राएं

**लखीमपुर खीरी।** जिला मुख्यालय का मंडी समिति परिसर दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी बना। गुरुवार को खीरी की धरा पर एक इतिहास रचा गया। सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में बड़े कन्या पूजन शक्ति वंदनश् समारोह आयोजित किया गया। जिले के परिषदीय विद्यालयों की 1100 बेटियों का कन्या पूजन किया गया। उन्हें उपयोगी उपहारो का बैग (बैग, टिफिन, बोतल, स्टील की प्लेट व दीवार घड़ी, एनीमिया चार्ट) भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से कलाकारों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने समारोह में बतौर मुख्य अतिथि और राज्यमंत्री महिला कल्याण प्रतिभा शुक्ला ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। विधायक विनोद शंकर अवस्थी, उप्र महिला आयोग की सदस्य सुजाता कुमारी, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीडीओ अभिषेक कुमार समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। सभी गणमान्यों ने हवन कुंड में आहुति देकर देश, समाज और विश्व के कल्याण की कामना की। विभिन्न ब्लॉकों से आई कन्याओं के पूजन के साथ उपहारो का बैग वितरित किया गया। गणमान्य अतिथियों के द्वारा भी कन्या पूजन कर प्रसाद का वितरण किया। इस मौके पर अतिथियों ने 6 माह की 11 बालिकाओं को खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। इन बालिकाओं को कपड़े गर्म कपड़े हाइजीन किट भी प्रदान की। यह अपनी तरह का अनूठा एवं वृहद कार्यक्रम केवल जनपद खीरी में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल पर आयोजित किया गया।

### कन्या पूजन मातृ.शक्ति की आराधना का प्रतीकः मंत्री

प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने शारदीय नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आठ दिनों से मां दुर्गा के अलग.अलग स्वरूपों की पूजा की जा रही है। कन्या.पूजन मातृ.शक्ति की आराधना का प्रतीक है। 1100 परिषदीय विद्यालय की कन्याओं का पूजन करना मेरा सौभाग्य है। सरकार सीएम योगी जी के नेतृत्व में नारी व बेटी को सुरक्षित करने की एजेंडे के साथ उनके सम्मान, सुरक्षा के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। बेटियां समाज की शक्ति, गौरव, लक्ष्मी और प्रभाव है। बेटियों ने जो मुकाम हासिल किया‌ए सफलता पाया और प्रतिभा दिखाई। वह निश्चित रूप से काबिले तारीफ है। उन्होंने मिशन शक्ति की आवश्यकता, प्रासंगिकता भी बताई। बेटियों के जन्म से घर पवित्र हो जाता है। आपके हर सुख.दुख में पूरी सरकार खड़ी है और आपके सम्मान के लिए कटिबंध है। बेटियां समाज में संतुलन बनाने का काम करती है। दशहरा, दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी। नारी और कन्याओं का सम्मान, स्वाभिमान गिरने नहीं देंगे। यह हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

### शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, संस्कार के साथ लक्ष्य को साधे बेटियांः प्रतिभा शुक्ला

राज्य मंत्री महिला कल्याण प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि बेटियां शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, संस्कार के साथ ही अपने लक्ष्य को साधे। सरकार बेटियों को सशक्त बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर काम कर रही। बेटियां पढ़े.बढ़े और स्वावलंबी बनेए ऐसी मां दुर्गा से कामना है। संस्कारशाला की रक्षक बनाकर बेटियां आगे बढ़े। डीएम से आग्रह करते हुए कहा कि बेटियों को मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दिलवाएं। बेटियों को शुरुआती 25 साल परिश्रम करने की सलाह दी ताकि जिंदगी के 75 साल आराम उठा सके।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 11 अक्टूबर, 2024



# मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं : शाह

**भाषा।** नई दिल्ली

**केंद्रीय गृह मंत्री** अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ पिछले 10 साल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। इतना ही नहीं नीतिगत निर्णय लेने में जो शिथिलता थी, उसे भी समाप्त किया और भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से बाहर निकालते हुए एक आकर्षक स्थान में बदला गया। शाह ने यहां उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सालाना सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक मोदी सरकार की विभिन्न नीतियों के कारण भारत दुनिया के सर्वाधिक विकसित देशों में से एक के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने (2014 से) कार्यभार संभाला है, सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किए हैं। इसके परिणामस्वरूप अन्य बातों के अलावा बुनियादी ढांचा बेहतर हुआ, संपर्क सुविधा अच्छी हुई, डिजिटल अर्थव्यवस्था और रेलवे नेटवर्क का विस्तार हुआ तथा सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए विनिर्माण इकाइयों की स्थापना हुई है। शाह ने विकसित भारत एट 2047: प्रगति के शिखर की ओर विषय पर आयोजित सत्र में कहा, हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस अवधि के दौरान, हमारी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। इसे विपक्ष ने भी स्वीकार किया है। गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल में मोदी सरकार ने आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद को जमीन के 200 गज नीचे दफना दिया है। उन्होंने कहा कि जब मोदी ने सत्ता संभाली, तो नीतिगत निर्णय और क्रियान्वयन को लेकर शिथिलता की स्थिति थी जिसे बहुत ही कम समय में निर्णायक उपायों के साथ समाप्त किया गया। सरकार ने इसे प्रदर्शन की नीति से बदल दिया। शाह ने कहा कि एक समय भारत को पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्था की श्रेणी में रखा जाता था लेकिन मोदी सरकार ने देश को उस स्थिति से बाहर निकाला और अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष इसे आकर्षक स्थान कहता है। सर्वाधिक पांच कमजोर अर्थव्यवस्था यानी फ्रेजाइल फाइव एक अवधारणा है। इसका उपयोग अगस्त, 2013 में मॉर्गन स्टेनली के एक वित्तीय विश्लेषक ने किया था। उन्होंने उन उभरते देशों के लिए इस शब्द का उपयोग किया जो अपनी विकास आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जोखिम भरे विदेशी निवेश पर अत्यधिक निर्भर हो गए थे। इसमें इंडोनेशिया, ब्राजील, तुर्की, भारत और दक्षिण अफ्रीका को रखा गया था। गृह मंत्री ने कहा कि 10 साल पहले भारत दहाई अंक की मुद्रास्फीति वाला देश था लेकिन अब यह बड़ी वृद्धि वाला देश बन गया है। शाह ने पिछले 10 साल में गरीबों के कल्याण के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है, पांच करोड़ लोगों को मुफ्त आवास दिया गया है, 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं, 11 करोड़ लोगों को मुफ्त बिजली कनेक्शन और 15 करोड़ लोगों को पीने का पानी दिया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि भारत 50 करोड़ लोगों का बाजार था। बाकी 80 करोड़ लोग अपनी रोजी-रोटी कमाने में व्यस्त थे और उनके पास क्रय शक्ति नहीं थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, मोदी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देकर उनकी ए समस्याएं खत्म कर दीं और भारत अब 130 करोड़ लोगों का बाजार है। शाह ने कहा कि अगले 25 साल में भारत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे सभी क्षेत्रों में वैश्विक अगुवा होगा और मोदी सरकार इस दिशा में ईमानदारी से काम कर रही है।

# न्यायाधीशों को लौकिक नैतिकताओं से प्रभावित हुए बिना कानूनी निर्णय लेने चाहिएः प्रधान न्यायाधीश

**भाषा।** नई दिल्ली

**प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई)** डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि न्यायाधीशों से संवैधानिक और कानूनी प्रश्नों पर निर्णय करते समय लौकिक नैतिकता से अप्रभावित होकर कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने बुधवार को भूटान में जिग्मे सिंग्ए वांगचुक व्याख्यान श्रृंखला के तहत भूटान डिस्टिंग्विश्ड स्पीकर्स फोरम को संबोधित किया। प्रधान न्यायाधीश ने न्यायपालिका की विश्वसनीयता और अदालतों में संस्थागत विश्वास के विषय पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में संस्थागत विश्वास और उनकी विश्वसनीयता ही एक समृद्ध संवैधानिक व्यवस्था का आधार है और न्यायालय सीधे तौर पर लोगों के ट्रस्टी के रूप में संसाधनों को अपने पास नहीं रखते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, न्यायिक शाखा की विश्वसनीयता के लिए जनता का भरोसा बहुत जरूरी है, जो अन्यथा अपने कामकाज में जनता की राय से अलग रहती है - जैसा कि होना भी चाहिए। भारतीय उच्चतम न्यायालय को इस बात पर गर्व है कि वह जनता की अदालत है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका ने कई मौकों पर सरकार के अन्य अंगों द्वारा अनुबंधों और प्राकृतिक संसाधनों जैसे राज्य के उदारतापूर्ण वितरण की निष्पक्षता पर सवाल उठाया है। राजनीतिक कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका के बीच अंतर बताते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निचली अदालत के स्तर पर न्यायिक अधिकारियों को अपने निर्णयों की लोकप्रियता से अलग हटकर कानून को अक्षरशः लागू करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।प्रधान न्यायाधीश ने पारदर्शिता के महत्व पर जोर दिया, भारत में जनहित याचिका की अवधारणा का उल्लेख किया। उन्होंने अदालतों में प्रत्यक्ष और वर्चुअल यानी मिश्रित तरीके से सुनवाई का भी जिक्र किया और कहा कि कोविड-19 के समय लॉकडाउन से निपटने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई थी और अब ए भारतीय अदालतों की एक विशेषता बन गई हैं।

## अनुसंधानकर्ताओं ने गंभीर जलवायु आपदा की चेतावनी दी

नई दिल्ली। अनुसंधानकर्ताओं ने गंभीर जलवायु आपदा की चेतावनी दी है जिससे उबरना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि हर साल जलवायु परिवर्तन पर नजर रखने वाले 35 महत्वपूर्ण संकेतो मे से 25 रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए है। एक अंतरराष्ट्रीय टीम की रिपोर्ट मे कहा गया है कि अत्यधिक प्रतिकूल मौसमी घटनाएं बार-बार हो रही है, और उनकी तीव्रता भी बढ़ गई है। जीवाश्म ईंधन से उत्सर्जन अब तक के उच्चतम स्तर पर है जो 25 महत्वपूर्ण संकेतो मे से एक है। इस अंतरराष्ट्रीय टीम मे जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट ऑफ क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च के शोधकर्ता भी शामिल थे। रिपोर्ट मे जिन अन्य महत्वपूर्ण संकेतो का जिक्र किया गया है, उनमे पृथ्वी की सतह का औसत तापमान, महासागर की गर्मी, वैश्विक समुद्र का स्तर और मानव आबादी शामिल है तथा ए सभी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहे है। उन्होने कहा कि मानव आबादी प्रतिदिन लगभग दो लाख की दर से बढ़ रही है। यह रिपोर्ट बायोसाइंस नामक पत्रिका मे प्रकाशित हुई है।

## लद्दाख को दुनिया की सबसे ऊंची एमएसीई वेधशाला मिली

लेह-जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को मेजर एटमॉस्पेरिक चेरेनकोव एक्सपेरीमेंट (एमएसीई) वेधशाला मिली है, जो दुनिया की सबसे ऊंची इमेर्जिंग चेरेनकोव दूरबीन है और यह हान्ले मे 4,300 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है। यह वेधशाला अंतरिक्ष और ब्रह्मांडीय किरण अनुसंधान क्षमताओ मे भारत की प्रगति को रेखांकित करती है।एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सचिव और परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार मोहंती ने यहां एमएसीई वेधशाला का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया। उन्होने बताया कि इसका निर्माण भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और अन्य भारतीय उद्योग भागीदारो के सहयोग से स्वदेशी रूप से किया गया है। उनके मुताबिक, एमएसीई एशिया का सबसे बड़ा इमेर्जिंग चेरेनकोव टेलीस्कोप है।

# तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल में डर की संस्कृति और जंगल राज कायम किया : जेपी नड्डा

**भाषा।** कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म एवं हत्या की घटना को लेकर पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर बृहस्पतिवार को निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी ने राज्य में डर की संस्कृति तथा जंगल राज कायम किया है। शहर के एक होटल में बुद्धिजीवियों के एक समूह से बात करते हुए नड्डा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद केंद्र सरकार ने कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में सभी स्टाफ सदस्यों और छात्रों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के संबंध में तीन परामर्श जारी किए हैं। भाजपा अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल सरकार से इन परामर्श पर अमल करने और उसके द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में अराजकता और जंगल राज है। तृणमूल कांग्रेस के शासन में डर की संस्कृति कायम हुई है। यह शर्मनाक है कि राज्य सरकार प्रदेश की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान नहीं कर पा रही है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने सभी मेडिकल कॉलेज और संस्थानों के लिए एक परामर्श जारी किया है, जिसमें उनसे संकाय, छात्रों और रेजिडेंट डॉक्टरों सहित सभी स्टाफ सदस्यों के लिए कॉलेज एवं अस्पताल परिसर के भीतर एक सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए नीतियां विकसित करने का आग्रह किया गया है। कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि भाजपा अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज में सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की चिकित्सकों की मांग का समर्थन करती है। आरजी कर अस्पताल में नौ अगस्त को एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी।

## एनजीटी ने उप्र के संभल के डीएम पर 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश के संभल के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) पर अधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होने के कारण 10,000 रुपए जुर्माना लगाया है। हरित निकाय ने जिले में पटाखों के एक अवैध गोदाम में हुए विस्फोट के पीड़ितों को मुआवजा देने के मामले की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। अवैध पटाखा गोदाम में पिछले साल 13 जून को आग लगने से दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई थी और सात अन्य लोग घायल हुए थे। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने तीन अक्टूबर को जारी आदेश में कहा कि अधिकरण ने 16 जुलाई को पारित अपने आदेश में डीएम को उसके समक्ष उपस्थित रहने और उसे तथ्यों से अवगत कराने का निर्देश दिया था।

# सिद्धरमैया के इस्तीफे की मांग के बीच कर्नाटक के मंत्रियों ने मुख्यमंत्री के साथ एकजुटता व्यक्त की

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के मंत्रियों ने बृहस्पतिवार को कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के प्रति एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया, जो एमयूडीए भूखंड आवंटन मामले में संलिप्तता के आरोपों से घिरे हैं। विपक्षी दल मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के भूखंड आवंटन मामले में कथित संलिप्तता को लेकर सिद्धरमैया के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। ऐसे में राज्य के मंत्रियों ने सिद्धरमैया के प्रति एकजुटता जताई। यह कदम सत्तारूढ़ कांग्रेस में पर्दे के पीछे जारी राजनीतिक गतिविधियों के बीच उठाया गया है। सिद्धरमैया के मंत्रिमंडल के कुछ मंत्रियों ने हाल में बंद कमरे में बैठकें कीं, जिससे नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो गईं। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, यहां तक कि (मंत्रियों की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन) खरगे से मुलाकात को भी आप (मीडिया) गलत तरीके से पेश कर रहे हैं, यहां तक कि अगर मंत्री किसी भोज के दौरान मिलते हैं तो भी इसे गलत तरीके से पेश किया जाता है, ऐसे में आज कैबिनेट की बैठक के दौरान सभी मंत्रियों ने (मुख्यमंत्री के साथ) एकजुटता एवं समर्थन व्यक्त किया और कहा कि हम उनके साथ हैं। कुछ रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस की प्रदेश इकाई के प्रमुख डी के शिवकुमार से नेतृत्व परिवर्तन संबंधी अफवाहों को खत्म करने को कहा है और कुछ मंत्रियों द्वारा दिए जा रहे बयानों एवं उनमें से कुछ द्वारा अलग से बैठकें करने पर नाराजगी भी व्यक्त की है।

# रितू और मेधा को पीएच.डी. उपाधि

**बाराबंकी।** श्रीराम स्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज विभाग में विधि शोध के आज के समय हेतु प्रासंगिक महत्वपूर्ण विषय बिन्दु प्रोटेक्शन अगेंस्ट कस्टोडियल क्राइम्स इन इंडिया बिद स्पेशल रिफरेन्स टू उत्तर प्रदेश नामक शीर्षक पर पीएच. डी. की उपाधि प्रदान की गई। रितू गोयल जोकि शिक्षा जगत में बहुत वर्षों से अवध ग्रुप ऑफ कालेज्स को संचालित करती आयी हैं, ने अपने सुपरवाइजर, प्रोफेसर रोहित पी साबरन, डायरेक्टर इन्स्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज को इस विषय पर शोधकार्य पूर्ण होने का श्रेय दिया। इस मौके पर डॉ. रोहित पी साबरन ने विचार व्यक्त किए कि भविष्य में होने वाले शोधकार्यों के लिए यह शोध एक मील का पत्थर साबित होते हुए बहुत उपयोगी होने जा रहा है। कस्टडी में सुरक्षा की चिंता को समर्पित यह शोध पूर्व के शोधों की प्रासंगिकता इस लोककल्याणकारी युग से जोड़ता भी है। वहीं दूसरी छात्रा मेधा तिवारी जिन्होंने अपनी पी एच डी फ्रीडम ऑफ स्पीच एन्ड एक्सप्रेसन बिद स्पेशल रिफरेन्स टू सोशल मीडिया इन्टरमीडियरिस, लीगल इश्यूस एन्ड चैलेंजेस नामक आज के साइबर काल के महत्वपूर्ण विषय पर पूर्ण की। मेधा तिवारी वर्तमान में शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा उत्तर प्रदेश में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। यह दोनों पीएच. डी. डॉ. रोहित पी साबरन के निर्देशन में सम्पूर्ण हुईं।

## कर्नाटक के मिस्त्री ने जीती 25 करोड़ रुपए की लॉटरी

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के मांड्या में रहने वाले एक मिस्त्री ने इस साल 25 करोड़ रुपए की केरल थिरुवोनम बंपर लॉटरी जीती है। अल्ताफ ने बृहस्पतिवार को वायनाड के कलपेट्टा में पीटीआई वीडियो से कहा, मैं लगभग 15 साल से लॉटरी टिकट खरीद रहा था। आखिरकार मैं जीत गया। वह अपने लॉटरी टिकट को भुनाने और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के लिए वायनाड में हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने बचपन के दोस्त से मिलने के लिए अकसर वायनाड आते हैं, जो मीनागड़ी में रहता है। अल्ताफ ने कहा, मैं जब भी उससे मिलने आता था, तब टिकट खरीदता था। बुधवार को तिरुवनंतपुरम के गोर्की भवन में आयोजित ड्रॉ में विजेता नंबर टीजी 43422 चुना गया, जिसे वायनाड के पनामारम स्थित एसजे लकी सेंटर ने बेचा था। अधिकारियों के अनुसार, पिछले साल भी बंपर ईनाम राज्य के बाहर किसी व्यक्ति ने जीता था।

# भारत की विकास यात्रा में रतन टाटा का योगदान चिरस्मरणीय रहेगा : आरएसएस

**भाषा।** नई दिल्ली

**राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ** (आरएसएस) ने बृहस्पतिवार को देश के प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक जताया और कहा कि भारत की विकास यात्रा में उनका योगदान चिरस्मरणीय रहेगा। सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, देश के सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का निधन समस्त भारतवासियों के लिए अत्यंत दु:खद है। उनके निधन से भारत ने एक अमूल्य रत्न को खोया है। भारत की विकास यात्रा में रतन टाटा का योगदान चिरस्मरणीय रहेगा। टाटा समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा का बुधवार देर रात मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। वह पिछले कुछ दिनों से ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे।आरएसएस ने कहा कि रतन टाटा ने उद्योग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई व प्रभावी पहल के साथ ही कई श्रेष्ठ मानकों को स्थापित किया तथा समाज के हितों के अनुकूल सभी प्रकार के कार्यों में उनका सतत सहयोग बना रहा।संघ ने कहा कि राष्ट्र की एकात्मकता व सुरक्षा की बात हो या विकास का कोई पहलू हो अथवा कार्यरत कर्मचारियों के हित का मामला हो, रतन जी अपनी विशिष्ट सोच व कार्य से प्रेरणादाई रहे।उसने कहा, अनेक ऊंचाइयों को छू लेने के पश्चात भी उनकी सहजता एवं विनम्रता की शैली अनुकरणीय रहेगी। हम उनकी पावन स्मृतियों को विनम्र अभिवादन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित करते हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें, यही प्रार्थना है। रतन टाटा का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को सुबह 10 बजे से अपराह्न साढ़े तीन बजे तक दक्षिण मुंबई में नरीमन प्वाइंट स्थित राष्ट्रीय प्रदर्शन कला केंद्र (एनसीपीए) में लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। उनका अंतिम संस्कार आज दिन में मुंबई के वर्ली इलाके में किया जाएगा।

## मथुरा के गांव में होगी आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल की बैठक

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल की बैठक इस वर्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश मे मथुरा के एक गांव मे होगी जिसमे भावी योजनाओ एवं कार्यक्रमो के अलावा देश हित के वर्तमान विषयो पर चर्चा की जाएगी।आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। आंबेकर ने कहा, इस वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल की बैठक पश्चिम उत्तर प्रदेश के ब्रज प्रांत मे मथुरा के पास परखम ग्राम मे आगामी दिनांक 25 एवं 26 अक्तूबर को होगी। यह बैठक प्रति वर्ष इन्ही दिनो मे दीपावली के पूर्व संपन्न होती है। अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल मे संघ के सभी 46 प्रांतो के प्रांत एवं सह संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारक भाग लेगे।बैठक मे सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले तथा सभी सह सरकार्यवाह एवं अन्य अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुखो सहित कार्यकारिणी के सदस्य भी उपस्थित रहेगे।आंबेकर ने कहा, बैठक मे विजयादशमी के पावन पर्व पर सरसंघचालक द्वारा प्रस्तुत विचारो मे उल्लेखित महत्वपूर्ण मुद्दो के क्रियान्वयन के लिए योजनाओ तथा देश के समसामयिक विषयो पर व्यापक चर्चा होगी। बैठक मे इसी साल मार्च मे हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा मे निर्धारित वार्षिक योजना की समीक्षा की जाएगी तथा संघ कार्य के विस्तार का ब्योरा भी लिया जाएगा।उन्होने कहा, बैठक मे विशेषकर संघ शताब्दी निमित्त सुनिश्चित संगठनात्मक लक्ष्यो को विजयादशमी 2025 तक पूर्ण करने के संबंध मे विचार-विमर्श होगा। संघ की 1925 मे दशहरे के दिन ही नागपुर मे स्थापना हुई थी। विजयादशमी दिन संघ के नागपुर मुख्यालय समेत देशभर की शाखाओ मे शस्त्र पूजा की जाती है। इसके अलावा देश के अलग-अलग हिस्सो मे पथ संचलन निकाला जाता है।

## पेज 1 का शेष

### भारत के...

सफेद फूलों से सजे शव वाहन में दक्षिण मुंबई के एनसीपीए ले जाया गया, जहां लोगों के अंतिम दर्शन के लिए इसे सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3.55 बजे तक रखा गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और उद्योगपति मुकेश अंबानी रतन टाटा के निधन की खबर सुनते ही आधी रात के आसपास ब्रीच कैंडी अस्पताल पहुंचने वालों में शामिल थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार सुबह रतन टाटा के भाई नोएल टाटा से बात की और टाटा के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इससे पहले, टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक ट्वीट में मोदी ने लिखा, रतन टाटा एक दूरदर्शी कारोबारी नेता, एक दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, साथ ही, उनका योगदान बोर्डरूम से कहीं आगे तक गया। उन्होंने अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के कारण कई लोगों को अपना मुरीद बना लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने शोक संदेश में कहा, रतन टाटा के दुखद निधन से, भारत ने एक ऐसे आइकन को खो दिया है, जिन्होंने कॉर्पोरेट विकास को राष्ट्र निर्माण और उत्कृष्टता को नैतिकता के साथ जोड़ा। उन्होंने महान टाटा विरासत को आगे बढ़ाया और इसे और अधिक प्रभावशाली वैश्विक उपस्थिति दी। उन्होंने अनुभवी पेशेवरों और युवा छात्रों को समान रूप से प्रेरित किया। मुर्मू ने एक्स पर लिखा, परोपकार और दान के क्षेत्र में उनका योगदान अमूल्य है। भारत सरकार की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रतन टाटा के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उद्योगपति मुकेश अंबानी, जो अपनी पत्नी नीता, आनंद महिंद्रा और कुमार मंगलम बिड़ला के साथ आए थे, भारत इंक के उन प्रमुख लोगों में शामिल थे - जिनमें पीरामल, गोदरेज, हिंदुजा, महेंद्र और बजाज जैसे प्रमुख व्यापारिक घरानों के प्रमुख शामिल थे, इन लोगों ने दिवंगत उद्योगपतियों को श्रद्धांजलि दी। शिंदे और फड़नवीस के अलावा, रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि देने वाले प्रमुख राजनेताओं में एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे और पृथ्वीराज चव्हाण और एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे शामिल थे। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर, जिनके टाटा समूह के पूर्व प्रमुख के साथ शानदार तालमेल था, उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने दिग्गज उद्योगपति को श्रद्धांजलि दी।

### जमशेदपुर...

में राजकीय शोक घोषित करने के लिए मजबूर कर दिया। युवा प्रशिक्षु के रूप में, रतन टाटा टेल्को में डीलर के प्रशिक्षु छात्रावास के कमरा नंबर 11 में रहते थे। जुलाई 2020 में एक सोशल मीडिया पोस्ट में, रतन टाटा ने कॉलेज की छुट्टियों के दौरान जमशेदपुर की अपनी पहली यात्रा को याद किया।

### अलविदा...

उन्होंने सिंगापुर एयरलाइंस के साथ विस्तारा की शुरुआत करके एयरलाइन चलाने की अपनी लंबे समय की महत्वाकांक्षा को पूरा किया और भले ही वे दिन-प्रतिदिन के कामकाज से सेवानिवृत्त हो गए हों, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि उन्होंने टाटा संस द्वारा एयर इंडिया के अधिग्रहण में भूमिका निभाई। यह सही है कि रतन टाटा का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जा रहा है और उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटा गया, क्योंकि सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे भारत के लिए बेहद गौरवशाली व्यक्तित्व वाले लीजेंड थे। आने वाले दिनों में, जबकि भारत उनके निधन पर शोक मनाएगा, उनके व्यापारिक व्यवहार के कुछ पहलू जो आदर्श से कम नहीं थे, फिर से सबके सामने आएंगे। लेकिन कई अन्य बड़े भारतीय उद्योगपतियों के विपरीत उनकी प्रतिष्ठा बेदाग रही और इसका कारण उनका बड़ा दिल था। मिस्टर टाटा, आपका अंतिम सफर शानदार हो।

### विधायक दल...

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) को उसकी जीत और पार्टी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुने जाने पर बधाई दी, लेकिन सवाल उठाया कि क्या भारी बहुमत गुंडागर्दी और संपत्तियों को नष्ट करने के लिए था।

### राफेल...

फेडरर और जोकोविच के खिलाफ खेलते हुए तस्वीरों के बीच कहा, मैं समूचे टेनिस जगत और खेल से जुड़े हर व्यक्ति खासकर अपने पुराने प्रतिद्वंद्वियों को धन्यवाद देना चाहता हूं।

### दिल्ली सरकार...

ने दस साल के आर्थिक कुप्रबंधन के जरिए राष्ट्रीय राजधानी को वित्तीय संकट में धकेल दिया है। मुनाफे के बजट के दावों के बावजूद, शहर अब वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपने पहले घाटे के बजट का सामना कर रहा है। सचदेवा ने इस बात पर जोर दिया कि वित्त वर्ष 1994-95 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दौरान, दिल्ली का पहला सरप्लस बजट पेश किया था, जो वर्ष 2022-23 तक जारी रहा। सवदेवा ने दावा किया, अरविंद केजरीवाल के 10 साल के आर्थिक कुप्रबंधन का नतीजा यह है कि वित्तवर्ष 2023-24 में गिरावट भरी आर्थिक स्थिति के कारण, वर्ष 2024-25 का बजट अब दिल्ली के विधायी इतिहास का पहला घाटे का बजट बन गया है। यह सब आप के कथित भ्रष्टाचार के कारण है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की अक्सर बजट घाटा तब होता है जब रेवेन्यू खर्च के मुकाबले कम हो पर दिल्ली सरकार का रेवेन्यू साल दर साल बढ़ रहा है। बढ़ते रेवेन्यू के बावजूद केजरीवाल सरकार के बजट के घाटे में जाने का मूल कारण है बिना आर्थिक संसाधन जुटाये जन हितकारी योजनाएं लागू कर देना पर योजनाबद्ध कार्यों को बजट में डाल कर भी उनके लिए समयबद्ध धन कर प्रावधान ना करना है। दिल्ली के वित्त विभाग के बजट प्रभाग ने 2024 वित्तीय वर्ष के लिए संशोधित अनुमान तैयार करते समय ये अनुमान लगाए। सूत्र बताते हैं कि वित्त विभाग ने हाल ही में मुख्यमंत्री आतिशी के साथ शहर की वित्तीय स्थिति पर एक नोट साझा किया, जो वित्त विभाग भी संभालती हैं, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के तहत कर, गैर-कर राजस्व और व्यय का विवरण दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के बजट अनुमानों द्वारा उल्लेखित दिल्ली सरकार की वित्तीय स्थिति बढ़ती राजकोषीय मांगों का संकेत देती है। ये फंड मुख्य रूप से सरकार चलाने, परिचालन लागतों को संबोधित करने, बुनियादी ढांचे को बनाए रखने और कल्याणकारी योजनाओं को सब्सिडी देने के लिए आवश्यक राजस्व व्यय को कवर करने के लिए आवंटित किए जाते हैं। हालांकि, राजस्व के मोर्चे पर अतिरिक्त संसाधन आवश्यकताओं की पहचान की गई है, जो संभावित रूप से बजट को और अधिक तनावपूर्ण बना सकती है। दूसरे राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप पेंशन और भत्ते को निधि देने के लिए कानून विभाग के लिए 141 करोड़ रुपये। बिजली विभाग डिस्कॉम के माध्यम से उपभोक्ता सब्सिडी के लिए 512 करोड़ रुपये चाहता है, जबकि परिवहन विभाग को इलेक्ट्रिक बसों के रखरखाव का समर्थन करने के लिए 941 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। इसके अलावा, स्वास्थ्य विभाग को इस वर्ष पूरा होने वाले अस्पतालों के पुनर्निर्माण पर व्यय के लिए निर्धारित किया गया है। अतिरिक्त दबाव वाली जरूरतों में सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के लिए आवश्यक डी-सिल्टिंग और जीर्णोद्धार कार्यों के लिए 447 करोड़ रुपये और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के लिए 3,271 करोड़ रुपये शामिल हैं, जो कोविड-19 महामारी से परिचालन घाटे और जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी को ऋण दायित्वों को संबोधित करते हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के तहत यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस के अधिग्रहण के लिए अतिरिक्त 250 करोड़ रुपये की भी आवश्यकता है।

### यहां समय...

ही में यातायात पुलिस और परिवहन विभाग को पत्र लिखकर हमेशा जाम रहने वाले प्रेस एन्क्लेव मार्ग को जाम से मुक्त करने के लिए सुझाव मांगे हैं। सूत्रों ने बताया कि कुछ समाधानों पर विचार किया जा रहा है, जिसमें मंदिर मार्ग चौराहे पर कारों के लिए जगह खाली करने के लिए सेंट्रल वर्ज को स्थानांतरित करना और पूरे मार्ग को सिग्नल-मुक्त बनाना शामिल है।

## ज्ञानवापी परिसर के सर्वे की याचिका पर हिंदू पक्ष ने दाखिल किया जवाब 16 को अगली सुनवाई

**वाराणसी।** वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के परिसर का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वे कराने का आदेश देने संबंधी याचिका पर बृहस्पतिवार को हिंदू पक्ष के वकीलों ने अपना जवाब दाखिल किया, जिसके बाद मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर के लिए निर्धारित कर दी गई।हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने बताया कि दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) युगुल शंभू के समक्ष अपनी दलील में उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी परिसर में एएसआई द्वारा किया गया सर्वेक्षण अधूरा है और एएसआई बिना खुदाई के सही रिपोर्ट नहीं दे सकती लिहाजा एएसआई को ज्ञानवापी में खुदाई करने और पूरे ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया जाना चाहिए।इससे पहले, गत आठ अक्टूबर को अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने याचिका पर अपनी दलीलें पेश की थीं। कमेटी के वकीलों ने कहा था कि जब हिंदू पक्ष ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में मामले को उठाने की अपील की है तो अधीनस्थ न्यायालय में इस मामले पर बहस करने का कोई औचित्य नहीं है।मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने यह भी दलील दी थी कि जब ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वेक्षण एक बार पहले ही हो चुका है तो दूसरा सर्वेक्षण करने का कोई औचित्य नहीं है।

# आरजी कर हत्याकांड: विरोध में आमरण अनशन पर डटे हुए हैं जूनियर डॉक्टर

**भाषा।** कोलकाता

**आरजी** कर अस्पताल में अपनी सहकर्मी से दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या किए जाने की घटना के विरोध में आंदोलन कर रहे जूनियर डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा उत्सव के बीच बृहस्पतिवार को पांचवें दिन भी अपना आमरण अनशन जारी रखा। विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के नौ जूनियर डॉक्टर अनशन कर रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को ठप कर देने वाली अपनी काम रोको हड़ताल खत्म करने के बाद शनिवार की शाम को कोलकाता के मध्य में धर्मतल्ला के डोरीना चौराहे पर आमरण अनशन शुरू किया था। राज्य सरकार ने बुधवार की शाम को प्रदर्शनकारियों के साथ बैठक बुलाई, लेकिन गतिरोध दूर करने में असफल रही।

मुख्य सचिव मनोज पंत की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने आरोप लगाया कि उन्हें राज्य सरकार की ओर से मौखिक आश्वासन के अलावा कुछ भी ठोस नहीं मिला। डॉक्टरों ने शहर में कुछ दुर्गा पूजा पंडालों के बाहर प्रदर्शन कर रहे और पर्चे बांट रहे उनके सहकर्मियों और कुछ अन्य युवक-युवतियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि वे प्रदर्शन के लिए गिरफ्तार किए गए लोगों को पूर्ण कानूनी सहायता प्रदान करेंगे।दोपहर में जब गिरफ्तार लोगों को अलीपुर की एक अदालत में पेश किया गया तो कुछ डॉक्टरों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। उनका आरोप था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन को खत्म कराने के लिए पुलिस ने झूठे मामले दर्ज किए हैं। सप्तमी के शुभ अवसर पर जब शहर भर में दुर्गा पूजा पंडालों में चहल-पहल थी, तब डॉक्टरों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए बड़ी संख्या में लोग डोरीना चौराहे के विरोध स्थल पर एकत्र हुए। अनशन पर बैठे एक डॉक्टर के पिता ने पत्रकारों से कहा, उनके स्वास्थ्य के प्रति हमारी चिंता के बावजूद, हम एक बड़े उद्देश्य के लिए उनका समर्थन कर रहे हैं। अगर राज्य सरकार उनकी मांगों पर सहमत हो जाती है तो केवल 10 मिनट में अनशन खत्म हो सकता है। कुछ वरिष्ठ डॉक्टर भी दिन में अपने जूनियर डॉक्टरों के साथ प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने इस बात पर जोर दिया कि मृतक महिला डॉक्टर को न्याय दिलाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्वास्थ्य सचिव एन.एस. निगम को तत्काल हटाने की भी मांग की तथा विभाग में प्रशासनिक अक्षमता और भ्रष्टाचार के खिलाफ निष्क्रियता का आरोप लगाया।अन्य मांगों में राज्य के सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के लिए एक केंद्रीकृत रेफरल प्रणाली की स्थापना, बिस्तर रिक्ति निगरानी प्रणाली का कार्यान्वयन और कार्यस्थलों पर सीसीटीवी, ऑन-कॉल रूम और शौचालय के लिए आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित करने के वास्ते कार्यबल का गठन शामिल है।वे अस्पतालों में पुलिस सुरक्षा बढ़ाने, स्थाई महिला पुलिस कर्मियों की भर्ती करने तथा डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने की भी मांग कर रहे हैं।

## काशी प्रान्त का 52 स्वर्ण, 26 रजत व 15 कांस्य पदकों के साथ क्षेत्रीय खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

**प्रयागराज।** मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में चलने वाली पांच दिवसीय 35वें क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में पूर्वी उत्तर प्रदेश के चारों प्रान्तों काशी प्रान्त गोरक्ष प्रान्त कानपुर प्रान्त एवं अवध प्रान्त में काशी प्रान्त ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कुल 93 पदक 52 स्वर्ण 26 रजत 15 कांस्य जीतकर पहला स्थान प्राप्त करते हुए ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की। समापन कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में डॉ वी के सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डा शेखर कुमार यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में भानु भास्कर अपर पुलिस महानिदेशक गणेश केसरवानी महापौर एवं हेमचन्द डॉ राम मनोहर और शेषधर द्विवेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर गंगापुरी तथा माधव ज्ञान केन्द्र की बहनों के द्वारा समूह लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया।समापन कार्यक्रम का शुभारम्भ आए हुए अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती और भारत माता के चित्र के सम्मुख दीपार्चन एवं पुष्पार्चन से हुआ। विक्रम बहादुर सिंह परिहार प्रधानाचार्य ज्वाला देवी सिविल लाइन्स ने अतिथियों का परिचय एवं सम्मान किया। कार्यक्रम का वृत्त निवेदन हेमचंद द्वारा किया गया। क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख जगदीश कुमार सिंह एवं मंचासीन अतिथियों के द्वारा इन प्रतियोगिताओं के चारों वर्गों में शिशु बाल किशोर एवं तरुण वर्ग में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहिनों को सम्मानित किया गया। पूर्वी उप्र के क्षेत्रीय खेल विभाग ने घोषणा की है कि आगे होने वाले राष्ट्रीय खेलों में और अधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा और खिलाड़ियों को अतिरिक्त ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी।समापन समारोह में विजय उपाध्याय दिव्यकांत शुक्ल चिंतामणि सिंह गोपाल तिवारी मोहन जी टंडन एवं महानगर के विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र बाके बिहारी पाण्डेय दिनेश दुबे सुरेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

## आईआईटी कानपुर की छात्रा ने आत्महत्या की

**कानपुर।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर में पीएचडी की पढ़ाई कर रही 28 वर्षीय एक छात्रा ने बृहस्पतिवार को छत के हुक से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस के मुताबिक, आईआईटी कानपुर में पिछले एक वर्ष में आत्महत्या का यह चौथा मामला है।कानपुर के सनिगवां की रहने वाली प्रगति खरया संस्थान में पृथ्वी विज्ञान में पीएचडी कर रही थी।पुलिस ने बताया कि उसने अपने छात्रावास के हॉल संख्या-चार के कमरे डी-116 में रात के समय आत्महत्या कर ली लेकिन मामला बृहस्पतिवार दोपहर प्रकाश में आया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) राजेश कुमार सिंह ने पीटीआई-भाषा को फोन पर बताया कि पुलिस को दोपहर करीब 12 बजे पीएचडी छात्रा द्वारा आत्महत्या करने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि आत्महत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस वहां पहुंची और पाया कि प्रगति के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था।सहायक पुलिस आयुक्त (कल्याणपुर) अभिषेक पांडे ने बताया कि दरवाजा तोड़ने पर महिला का शव पंखे से लटका हुआ मिला, जिसके बाद फोरेंसिक टीम को साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया गया।अधिकारी ने बताया कि कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है, जिसमें छात्रा ने अपने इस कदम के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया।उन्होंने बताया कि छात्रावास के कमरे से मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है, जिससे पुलिस को आत्महत्या के पीछे के रहस्य को सुलझाने में मदद मिल सकती है।पांडे ने बताया कि आत्महत्या के पीछे के संभावित कारणों का खुलासा प्रारंभिक जांच और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद ही हो पाएगा।उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।आईआईटी कानपुर द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, संस्थान पृथ्वी विज्ञान विभाग की पीएचडी छात्रा प्रगति खरया के दुखद और असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करता है। खरया ने दिसंबर 2021 में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश लिया था।

## जब रतन टाटा को एक शब्द का एसएमएस भेजकर नैनो को गुजरात ले आए थे मोदी

**नई दिल्ली।** (भाषा) गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रतन टाटा को एक शब्द का एसएमएस वेल्कम (स्वागत है) भेजा था, जिसके बाद 2008 में टाटा नैनो परियोजना पश्चिम बंगाल से गुजरात स्थानांतरित हो गई थी। इससे दुनिया की सबसे सस्ती कार बताई जा रही नैनो के इतिहास में एक अध्याय समाप्त हो गया था और दूसरा अध्याय शुरू हो गया था।पश्चिम बंगाल में 2006 में राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार द्वारा टाटा समूह के वास्ते सिंगूर में नैनो कार उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए किए गए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी के नेतृत्व में उग्र विरोध प्रदर्शन हुए थे। मोदी ने टाटा को यह एसएमएस उस समय भेजा था जब उद्योगपति कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे और पश्चिम बंगाल से टाटा नैनो परियोजना बाहर ले जाने की घोषणा कर रहे थे। मोदी ने 2010 में साणंद में 2,000 करोड़ रुपए के निवेश से बने टाटा नैनो संयंत्र का उद्घाटन करते हुए कहा था, जब रतन टाटा ने कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वे पश्चिम बंगाल छोड़ रहे हैं, तो मैंने उन्हें एक छोटा सा एसएमएस भेजा था जिसमें मैंने लिखा था, वेल्कम और अब आप देख सकते हैं कि एक रुपए का एसएमएस क्या कर सकता है। टाटा ने तीन अक्टूबर, 2008 को पश्चिम बंगाल से नैनो परियोजना को बाहर ले जाने की घोषणा की थी और कहा था कि अगले चार दिन के भीतर गुजरात के साणंद में संयंत्र स्थापित किया जाएगा।मोदी ने तब कहा था कि कई देश नैनो परियोजना के लिए हरसंभव मदद देने को उत्सुक हैं, लेकिन गुजरात सरकार के अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि परियोजना भारत से बाहर न जाए। उन्होंने सरकारी मशीनरी की भी प्रशंसा करते हुए कहा था कि यह दक्षता में कॉर्पोरेट संस्कृति से मेल खा रही है और राज्य के तेज विकास में प्रमुख भूमिका निभा रही है। साणंद में प्लांट से जून 2010 में पहली नैनो कार के बाहर निकलने के समय, टाटा ने इकाई स्थापित करने में मदद के लिए मोदी के नेतृत्व वाली गुजरात सरकार की सराहना की थी। टाटा ने कहा था, जब हमने एक अन्य नैनो संयंत्र के लिए जमीन की तलाश की, तो हम शांति और सद्भाव की ओर बढ़ना चाहते थे। गुजरात ने हमें वह सब कुछ दिया जिसकी हमें जरूरत थी। मोदी ने हमसे कहा, यह सिर्फ टाटा की परियोजना नहीं, यह हमारी परियोजना है। हम पर जो समर्थन और भरोसा जताया गया है, उसके लिए हम उनके बहुत आभारी हैं। टाटा ने 2018 में नैनो कारों का उत्पादन बंद कर दिया।

# कुंभ मेले के दौरान चलाई जाएंगी 1225 रेल गाड़ियां

**प्रयागराज** (पीएनएस)। मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज हिमांशु बडोनी ने गुरुवार को महाकुंभ की तैयारियों की जानकारी मीडिया को दी। अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य संजय सिंह ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाकुंभ के लिए रेलवे की तैयारियों योजना निर्माणाधीन कार्य जारी कार्यों के पूर्ण होने की समयावधि एवं यात्रियों के परिवहन हेतु रेलवे की व्यवस्थाओं से अवगत कराया। मंडल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी ने कहा कि महाकुंभ में उत्तर मध्य रेलवे उत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर रेलवे संयुक्त रूप से श्रद्धालुओं को सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। जिसमें उत्तर मध्य रेलवे तीनों रेलवे के बीच समन्वय करेगा। उन्होंने बताया कि प्रयागराज मण्डल द्वारा रेलवे की महाकुंभ से संबंधित व्यवस्थाओं के संबंध में व्यापक जनसंपर्क अभियान चला कर रेलवे द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं और योजनाओं से यात्रियों और श्रद्धालुओं को अवगत कराने का शुभारंभ इस प्रेस वार्ता के माध्यम से किया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न प्रचार माध्यमों से यात्रियों को आंतरिक मूवमेंट सहित अन्य सुविधाओं के बारे में अवगत कराया जाएगा। अपर मंडल रेल प्रबंधक संजय सिंह ने बताया कि गत कुंभ मेला में रेलवे द्वारा 694 गाडियां चलाई गई थी। जबकि इस बार 1225 गाड़ियां चलाने की योजना तैयार की गई है।कहा कि आवश्यकता पड़ने पर इसे 1600 गाड़ियों तक बढ़ाया जा सकता है। रेलवे ने मौनी अमावस्या पर यात्रियों को प्रयागराज से प्रस्थान करने के लिए 284 गाड़ियां चलाने का प्लान तैयार किया है प् इसके अतिरिक्त पूरे मेला के दौरान 140 नियमित गाड़ियां भी प्रतिदिन सेवाएं प्रदान करेंगी। प्रयागराज क्षेत्र में अतिरिक्त टिकट काउंटरों की सहायता से प्रति घण्टे 80 हजार यात्रियों को टिकट वितरित किया जा सकेगा और प्रतिदिन 10 लाख टिकट जारी किए जा सकेंगे। अपर मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज ने बताया कि रेलवे ने वेटिंग रूम वेटिंग हाल स्लीपिंग पॉड रिटायरिंग रूम एग्ज़ीक्यूटिव लाउंज बैटरी अपरेटेड कार व्हील चेयर खानपान सुविधा प्राथमिक चिकित्सा यात्री सुविधा केंद्र पर्यटक बूथ प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र एवं क्लाक रूम की सुविधाओं को उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। रेलवे का लक्ष्य यात्रियों को उन्नत एवं उत्कृष्ट सेवाओं से संतुष्टि प्रदान करना है। रेलवे ने गत वर्षों में प्रयागराज क्षेत्र में दोहरीकरण रेल मार्गों का उन्नयन रोड ओवर ब्रिज एवं रोड अंडर ब्रिजों का निर्माण कर अपनी क्षमता में बढ़ोत्तरी की है। रेलवे आगामी कुंभ मेला में यात्रियों को परिवहन और बेहतर सेवाएं देने के लिए तैयार है। अपर मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज ने बताया कि गत कुंभ मेला में प्रयागराज क्षेत्र में प्रयागराज जंक्शन ने करीब 45 फीसदी रेल यात्रियों को सेवाएं प्रदान की थी। प्रयागराज क्षेत्र के सभी नौ स्टेशनों प्रयागराज जंक्शन प्रयागराज छिवकी नैनी सूबेदारगंज प्रयागराज रामबाग प्रयागराज संगम प्रयागराज रामबाग झूँसी एवं फाफामऊ स्टेशनों को और अधिक विकसित किया गया है जिससे सभी स्टेशनों की क्षमताओं में वृद्धि हुयी है। प्रेस वार्ता में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग हिमांशु शुक्ला महाकुंभ मेल में यात्रियों की सुविधा के लिए टॉल फ्री नंबर 1800 4199 139 जारी किया। इस टॉल फ्री नंबर के माध्यम से यात्री सभी प्रकार जानकारियाँ कॉल सेंटर से प्राप्त कर सकेंगे। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग ने बताया महाकुंभ मेला 2025 में यात्रियों को बहुभाषी घोषणा प्रणाली की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। बहुभाषी घोषणा प्रणाली के माध्यम से महाकुंभ के दौरान भारतवर्ष के कोने कोने से आए हुए श्रद्धालुओं को यात्रा संबन्धित सूचनाएं जानकारियाँ रेलवे स्टेशनों पर तथा मेला क्षेत्र में विभिन्न भाषाओं में उद्घोषित की जाएगी।

## मुस्लिम कैदियों ने जेल में रखा नवरात्र का व्रत

**शाहजहांपुर।** जिले के जिला कारागार में 27 मुस्लिम कैदियों के अलावा फांसी की सजा का सामना कर रही एक ब्रिटिश महिला ने नवरात्र के दौरान सभी दिन व्रत रखकर पूजा की। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जेल अधीक्षक निजाजी लाल ने बताया कि कारागार में कैद की सजा काट रहे मुस्लिम समुदाय के 27 पुरुषों ने हिंदुओं की तरह नवरात्र के दिनों में व्रत रखा और अष्टमी के दिन पूजा की। उन्होंने बताया कि एक ब्रिटिश महिला कैदी रमनदीप कौर ने भी यहां नवरात्र में मां की आराधना करते हुए व्रत रखे।महिला ने ब्रिटेन से यहां आकर पुवायां में एक सितंबर 2016 को अपने पति की हत्या कर दी थी, जिसके बाद से वह जेल में बंद है। रमनदीप कौर को 2023 में फांसी की सजा सुनाई गई थी। जेल अधीक्षक ने जेल में बंद मुस्लिम कैदियों के हवाले से बताया कि जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने व्रत क्यों रखे तो उन्होंने (कैदियों ने) बताया कि सब भगवान एक ही है इसलिए उन्होंने व्रत रखे। लाल ने बताया कि जेल में कुल 217 कैदियों ने व्रत रखे, जिनमें से 29 मुस्लिम तथा कुछ सिक्ख के अलावा 17 महिलाओं ने भी व्रत रखा।उन्होंने बताया कि इस दौरान इन लोगों को खाने के लिए रोजाना 750 ग्राम उबले आलू, 500 ग्राम दूध तथा फलों के अलावा चीनी दी गई और जेल की ओर से पूजा सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।

## 2015 दंगों के 31 आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामला वापस लेने का आदेश

**कानपुर।** उत्तर प्रदेश सरकार ने 2015 में विभिन्न समुदायों के बीच झड़प के दौरान हुए दंगे और आगजनी की घटना से संबंधित 31 आरोपियों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामला बृहस्पतिवार को वापस लेने का आदेश दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।कानपुर के फजलगंज थाना क्षेत्र के दर्शनपुरवा में एक धार्मिक पोस्टर के कथित अनादर के कारण दो समुदायों के सदस्यों ने पथराव किया और एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए। कानपुर में दंगों के वक्त प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार थी। दर्शनपुरवा पुलिस चौकी के तत्कालीन प्रभारी उपनिरीक्षक बृजेश कुमार शुक्ला ने दंगा भड़काने, आगजनी और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम (पीपीडी अधिनियम) और आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम की अन्य संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।जिला सरकारी वकील (अपराध) दिलीप अवस्थी ने बताया कि सभी 31 आरोपियों ने राज्य सरकार को एक लिखित अनुरोध प्रस्तुत किया, जिसमें उनके खिलाफ आपराधिक मामला वापस लेने की मांग की गई थी।मामले को एक समिति को भेजा गया था, जिसने जिला प्रशासन और पुलिस से रिपोर्ट मांगी थी।अवस्थी ने बताया, राज्य सरकार ने 31 व्यक्तियों के खिलाफ लंबित मामले को खत्म करने का आदेश जारी किया।

## भाजपा विधायक से मारपीट के मामले में बैंक की पूर्व अध्यक्ष समेत चार लोगों को नोटिस

**लखीमपुर खीरी।** लखीमपुर खीरी जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक योगेश वर्मा के साथ मारपीट के मामले में नगरीय सहकारी बैंक (यूसीबी) की पूर्व अध्यक्ष, उनके पति और पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी समेत चार लोगों को पार्टी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। भाजपा के प्रान्तीय महासचिव गोविंद नारायण शुक्ला ने विधायक से मारपीट के मुख्य आरोपी जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश सिंह, उनकी पत्नी और नगरीय सहकारी बैंक की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव तथा भाजपा कार्यकर्ता ज्योति शुक्ला को बृहस्पतिवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

यूसीबी के प्रबंध बोर्ड सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के दौरान बुधवार को लखीमपुर के भाजपा विधायक योगेश वर्मा के साथ अवधेश सिंह द्वारा की गई मारपीट के बाद की यह कार्वाई की गई।

# सपा और कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा: अखिलेश

**इटावा।( भाषा )** समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी और विपक्ष के इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की सहयोगी कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। सपा द्वारा बुधवार को इनमें से छह सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद सपा और कांग्रेस के गठबंधन के बरकरार रहने को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच अखिलेश का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यादव ने इटावा के सैफई में अपने पिता मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस से गठबंधन जारी रहने की सम्भावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, आज समय नहीं है इस पर चर्चा का। मगर जहां तक इंडिया गठबंधन का सवाल है तो मैं कहना चाहूंगा कि सपा और कांग्रेस का गठबंधन रहेगा। सपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की पराजय के एक दिन बाद बुधवार को उपचुनाव वाली 10 में से छह सीटों फूलपुर, मझवां, करहल, कटेहरी, मिल्कीपुर और सीसामऊ पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। कांग्रेस उनमें से फूलपुर और मझवां सीटों पर दावेदारी कर रही थी। ऐसे में सपा और कांग्रेस के गठबंधन को लेकर तरहतरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। सपा और कांग्रेस ने इंडिया के तहत पिछला लोकसभा चुनाव लड़ा था जिसमें बेहतर प्रदर्शन करते हुए सपा ने उत्तर प्रदेश में 37 और कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की थी। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा, हरियाणा चुनाव पर चर्चा अभी करना ठीक नहीं है। जब हम मिलेंगे तो चर्चा होगी। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों कटेहरी (अंबेडकर नगर), करहल (मैनपुरी), मिल्कीपुर (अयोध्या), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) पर उपचुनाव होने हैं। हालांकि उपचुनाव का कार्यक्रम अभी घोषित नहीं हुआ है।

## नेता जी ने देश को दिखाया समाजवादी विचारधारा से जोड़कर चलने का रास्ता

**इटावा।** समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने अपने पिता सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर उन्हे श्रद्धांजलि देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि नेता जी ने देश को समाजवादी विचारधारा से जोड़कर चलने का रास्ता दिखाया और पार्टी उनके सिद्धांतो को आगे बढ़ा रही है। यादव ने सपा संस्थापक पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव सैफई मे उनकी समाधि और प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओ से कहा कि उनके पिता ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चेतना जगाई और देश को समाजवादी विचारधारा से जोड़कर चलने का रास्ता दिखाया। उन्होने कहा, नेता जी (मुलायम सिंह यादव) इसी धरती से संघर्ष करके धरती पुत्र के नाम से जाने गए। उन्होने राजनीति के बड़े-बड़े उतार-चढ़ाव देखे और समाज व राजनीति को हमेशा दिशा दी। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चेतना जगाई और देश को समाजवादी विचारधारा से जोड़कर चलने का रास्ता दिखाया। हम सभी उसी पर चल रहे है। सपा प्रमुख ने कहा, हम संकल्प लेते है कि नेताजी के समाजवादी मूल्यो व सिद्धांतो को और बढ़ाकर लोगो का जीवन बदलने की उनकी मुहिम को आगे बढ़ाएंगे। नेताजी ने गैर बराबरी के खिलाफ पूरा जीवन लगा दिया। सपा महासचिव और मुलायम के छोटे भाई शिवपाल सिंह यादव ने भी इस अवसर पर संवाददाताओ से कहा, नेताजी ने लोहिया के समाजवाद को पूरे देश मे फैलाया। उन्होने किसानो और गरीबो के लिए जो काम किया है। छात्रो, व्यापारियो और नौजवानो के लिए जो किया है वह भुलाया नही जा सकता है। आज हम नेताजी को नमन करते है और उनके आदर्शों और सिद्धांतो पर चलकर समाजवाद को आगे ले जाएंगे।

# मोदी ने जापान व न्यूजीलैंड के पीएम से मुलाकात की

## विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर हुई चर्चा

**भाषा।** विएंतियान (लाओस)



**प्रधानमंत्री नरेन्द्र** मोदी ने बृहस्पतिवार को यहां अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के साथ मुलाकात की, जिसमें उन्होंने बुनियादी ढांचे, संपर्क और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने विएंतियान में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से भी मुलाकात की। मोदी दो दिवसीय यात्रा पर लाओस की राजधानी में हैं। उन्होंने 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के अवसर पर जापान के नवनियुक्त प्रधानमंत्री इशिबा से मुलाकात की और उन्हें उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए जापान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सफलता की कामना की। मोदी ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री इशिबा के साथ बहुत ही सार्थक बैठक हुई। मैं जापान का प्रधानमंत्री बनने के कुछ ही दिन बाद उनसे मिलकर खुश हूं। हमारी बातचीत में बुनियादी ढांचे, संपर्क, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। इशिबा को पिछले सप्ताह ही जापान का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। उन्होंने फुमियो किशिदा की जगह ली है, जिन्होंने नए नेता के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। भारतीय प्रधानमंत्री के कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने लाओ पीडीआर में भारत-आसियान शिखर सम्मेलन से इतर शानदार बातचीत की। उन्होंने प्रौद्योगिकी, रक्षा और लोगों के बीच संबंध समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंध मजबूत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने विश्वसनीय मित्र और रणनीतिक साझेदार जापान के साथ अपने संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जारी रखेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा, जापान-भारत संबंधों को बढ़ावा दिया जा रहा है, एक्ट ईस्ट नीति को मजबूत किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने आज 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतर सार्थक बातचीत की।

### विश्व में संघर्षों और तनावों के समय भारत-आसियान मित्रता महत्वपूर्ण : प्रधानमंत्री मोदी

**विएंतियान।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऐसे समय में जब विश्व के कई हिस्से संघर्ष और तनाव का सामना कर रहे है, भारत-आसियान मित्रता बहुत महत्वपूर्ण है। यहां 21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होने 10 साल पहले एक्ट ईस्ट नीति की घोषणा की थी और पिछले दशक मे इसने भारत और आसियान देशो के बीच ऐतिहासिक संबंधो को नई ऊर्जा, दिशा और गति दी है। भारत-आसियान शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब क्षेत्र मे दक्षिण चीन सागर में समुद्री मुद्दो को लेकर फिलीपीन और चीन के बीच तनाव है तथा म्यांमा मे संकट है, जहां जातीय समूह सैन्य शासन से संघर्ष कर रहे है। मोदी ने कहा कि उन्हे विश्वास है कि 21वी सदी, जिसे एशियाई सदी भी कहा जाता है, भारत की और आसियान देशों की सदी है। उन्होने कहा, भारत-आसियान मैत्री, समन्वय वार्ता और सहयोग ऐसे समय मे बहुत महत्वपूर्ण है जब विश्व के कई हिस्से संघर्ष और तनाव का सामना कर रहे है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और आसियान देश पड़ोसी है और वैश्विक दक्षिण मे साझेदार है। उन्होने कहा, हम शांतिप्रेमी देश है और एक दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते है तथा क्षेत्र के युवाओ के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है।

## राष्ट्रपति मुइज्जू ने आर्थिक सहायता के लिए भारत का आभार जताया

**माले।** मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत की आर्थिक सहायता एवं लगातार समर्थन के लिए बृहस्पतिवार को आभार जताया। पत्नी साजिदा मोहम्मद के साथ भारत की पांच दिन की राजकीय यात्रा समाप्त कर वापस लौटे राष्ट्रपति ने मालदीव को, विशेष तौर पर मुश्किल समय में, आर्थिक सहायता देने और लगातार समर्थन करने के लिए भारत के प्रति आभार जताया। मुइज्जू ने एक प्रेस बयान में भारत की आर्थिक सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, जिसमें पांच करोड़ अमरीकी डॉलर के ट्रेजरी बिल की मियाद को एक वर्ष बढ़ाना शामिल है। पदभार ग्रहण करने के बाद मुइज्जू की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निमंत्रण पर यह पहली भारत यात्रा थी। यात्रा के दौरान, मुइज्जू ने राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं।

## ब्रिटेन में उच्चायुक्त ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी

**लंदन।** ब्रिटेन मे भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने जानेमाने उद्योगपति रतन टाटा को यहां एक कार्यक्रम के दौरान श्रद्धांजलि दी। इस दौरान रतन टाटा की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। लंदन में बुधवार को संसद भवन के पास भारतीय उच्चायोग और इंडिया आल पार्टी पार्लियामेंटरी ग्रुप (एपीपीजी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पूर्व-निर्धारित दिवाली कार्यक्रम के दौरान रतन टाटा की 86 वर्ष की आयु में निधन की मुंबई से सूचना मिली। इस पर दोरईस्वामी ने रतन टाटा को भारत-ब्रिटेन साझेदारी का महान समर्थक बताते हुए उन्हे श्रद्धांजलि दी। उन्होने और वहां मौजूद लोगो ने रतन टाटा की स्मृति मे कुछ पल का मौन रखा। सांसदो, उद्यमियों और समुदाय के नेताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए दोराईस्वामी ने कहा, मै बहुत दुख के साथ भारत के जानेमाने उद्योगपतियो मे से एक रतन टाटा के निधन की खबर साझा कर रहा हूं। उनके लिए मुंबईभारत और लंदनाब्रिटेन दोनों ही घर थे। उन्होने भारत-ब्रिटेन साझेदारी की भावना को हर चीज में समाहित किया - एयर इंडिया से लेकर, जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) से ताज होटल से लेकर टाटा स्टील तक वास्तव मे हर चीज मे, जिसमे ब्रिटेन मे एक बैटरी कारखाने मे निवेश का उनका निर्णय भी शामिल है। कोबरा बीयर के संस्थापक और इंडिया एपीपीजी के सह-अध्यक्ष लॉर्ड करण बिलिमोरिया ने एक साथी पारसी को श्रद्धांजलि दी, जिन्होने भारत और ब्रिटेन के बीच संबंधो को पोषित करने के लिए कड़ी मेहनत की।कन्फेडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने अपने संबोधन मे कहा, रतन टाटा ने दुनिया भर मे सीआईआई के कई प्रतिनिधिमंडलो का नेतृत्व किया और वास्तव मे हमे यह रास्ता दिखाया कि कैसे भारतीय कंपनियो का दुनिया भर मे प्रसार होगा। उनकी याद मे, भारतीय उद्योग की ओर से यह प्रतिज्ञा करना अच्छा है कि इस (भारत-ब्रिटेन) आर्थिक और वाणिज्यिक गलियारे को गहरा किया जाएगा और उसी सच्ची भावना से आगे बढ़ाया जाएगा, जिसके साथ उन्होने भारतीय कंपनियो के वैश्वीकरण की शुरुआत की थी। इस कार्यक्रम मे द्विपक्षीय साझेदारी के अन्य पहलुओ पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमे मंत्रियो ने विश्वास व्यक्त किया कि जारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता निकट भविष्य मे पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते का रूप लेगी। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) मे हिंद-प्रशांत मंत्री कैथरीन वेस्ट ने कहा, जिस मुख्य चीज का हम सभी इंतजार कर रहे है, वह है व्यापार सौदा। विदेश कार्यालय की मंत्री ने कहा कि उन्हे उम्मीद है कि लेबर पार्टी सरकार भारत-ब्रिटेन एफटीए पर हस्ताक्षर करेगी, जो अब वार्ता के अपने 14वें दौर मे है। हाल मे हाउस ऑफ कॉमन्स के लिए निर्वाचित हुए भारतीय मूल के सांसद एवं इंडिया एपीपीजी के सह-अध्यक्ष जीवन संधेर ने कहा, इंडिया एपीपीजी ब्रिटेन-भारत संबंधो को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने के लिए यहां है।

## बेसहारा बच्चों के लिए लर्निंग सेंटर की शुरुआत

**मलाबार।** मलाबार ग्रुप ने अपनी हंगर फ्री वर्ल्ड इनिशिएटिव के तहत बेसहारा बच्चों को बुनियादी शिक्षा मुहैया कराने और उनकी औपचारिक स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए देश भर में 247 माइक्रो लर्निंग सेंटर की शुरुआत की है। इन सेंटर्स पर अब तक 11,700 बच्चों का नामांकन हो चुका है। इन सेंटर्स पर उन्हें औपचारिक शिक्षा में वापस लाने या शुरुआत में मदद करने के लिए एक वर्ष की बुनियादी शिक्षा दी जाती है। इस इनिशिएटिव के तहत सुनिश्चित किया जाता है कि हर बच्चे को एक अच्छे स्कूली माहौल में पढ़ाई जारी करने का मौका मिले। इसमें हर बच्चे की शिक्षा पर सालाना 10,000 रुपये का खर्च आता है। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने मुंबई के ईस्ट गोवंडी टाटा नगर स्लम में आयोजित एक समारोह में दूसरे चरण के सेंटर्स का उद्घाटन किया। परियोजना के दूसरे चरण के तहत 11 राज्यों में 101 माइक्रो लर्निंग सेंटर खोले गए हैं। इस समारोह में उपस्थित रहने वाले गणमान्य लोगों में वाइस चेयरमैन केपी अब्दुल सलाम, इंडिया ऑपरेशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर ओ. अशर,ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ए. के. निषाद और थानल के चेयरमैन डॉ. वी. इदरीस शामिल रहे।

## ट्रूकॉलर ने नेम वेरीफिकेशन सेवा की शुरुआत की

**यूके।** ट्रूकॉलर ने भारत में प्रीमियम सेवाओं के सभी यूजर्स के लिए ब्लू टिक वेरिफिकेशन की शुरुआत की है। इस नई वेरीफाइड बैज सेवा की मदद से यूजर्स को सरकार के सहयोग से संचालित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के जरिये अपनी पहचान को वेरीफाई करने की सुविधा मिलती है और इस तरह वे आपने सही नाम की पुष्टि कर सकते हैं। बीते कुछ सालों के दौरान वेरीफाइड बैज एक ऐसे फीचर के तौर पर सामने आया है, जिसकी मांग ट्रूकॉलर के यूजर्स के बीच सबसे ज्यादा है। ज्यादातर यूजर्स ने यह इच्छा जाहिर की है कि इसे प्राप्त करने के तरीके को अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाया जाए। लोगों की इस ज़बरदस्त मांग को पूरा करने के लिए ट्रूकॉलर ने वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को नया रूप दिया है ताकि उन्हें ज्यादा सटीक और भरोसेमंद समाधान उपलब्ध कराया जा सके। नए फीचर के लॉन्च के बारे में बात करते हुए भारत में ट्रूकॉलर के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर एवं एमडी ऋषित झुनझुनवाला ने कहा कि हमने अपने प्रीमियम यूजर्स के फीडबैक को ध्यान में रखकर इस नए वेरीफाइड बैज को लॉन्च किया है,जो चाहते हैं कि उनके पास अपनी पहचान को प्रमाणित करने के लिए अधिक दमदार और भरोसेमंद तरीका उपलब्ध हो।

## अमेज़न और डीपीआईआईटी के साथ की साझेदारी

**ग्लोबल।** अमेज़न इंडिया ने घोषणा की है कि वह उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी)के तत्वावधान में स्टार्टअप इंडिया के साथ मिलकर काम करेगी,ताकि ई-कॉमर्स के जरिये अपना व्यवसाय ख?ाकरने और ब?ाने के लिए स्टार्टअप को सशक्त बनाने की दिशा में पहल की जा सके। अमेज़न स्टार्टअप इंडिया पोर्टल पर एक समर्पित पेज के जरिये अमेज़न इंडिया के मार्केटप्लेस पर पंजीकरण कर योग्य स्टार्टअप को ई-कॉमर्स के क्षेत्र में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने में मददकरने के लिए स्टार्टअप इंडिया के साथ सहयोग करेगा। अमेज़न स्टार्टअप को समर्पित ऑनबोर्डिंग अनुभव प्रदान करेगा, जिससे उन्हें घरेलू बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी और साथ ही अमेज़न के नेतृत्व से मार्गदर्शन, बाजार से जुड़ने में सहायता और लॉजिस्टिक्स संबंधी मार्गदर्शन भी मिलेगा। कंपनी अपने सहेली कार्यक्रम के माध्यम से ई-कॉमर्स में महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए स्टार्टअप इंडिया के साथ साझेदारी करेगी। यह सहयोग, भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले छोटे एवं मध्यम आकार के व्यवसायों की ई-कॉमर्स यात्रा को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी शिक्षण कार्यक्रम को आगे बढ़ाएगा। अमेज़न इंडिया के उपाध्यक्ष (सार्वजनिक नीति), चेतन कृष्णस्वामी ने कहा, भारत में स्टार्टअप हर किसी के लिए प्रेरणास्रोत हैं, क्योंकि उनमें विभिन्न उद्योगों में सफल व्यवसाय बनाने के लिए दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति है। ई-कॉमर्स की शक्ति का लाभ उठाकर, वे नई ऊंचाई को छू रहे हैं और अपने नएकिस्मके उत्पादों के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में ग्राहकों की सेवा कर रहे हैं। हम उद्यमियों को सशक्त बनाने और भारत में आर्थिक विकास को गति देने के अपने साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया,डीपीआईआईटीके साथ हाथ मिलाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, यह विविध और समावेशी परितंत्र को बढ़ावा देने केप्रति अमेज़न इंडिया के समर्पण को रेखांकित करता है, जहां महिला उद्यमियों को अपनी पूरी क्षमता का अहसास कराने के लिए तरीके और अवसर मिलते हैं।

## पाकिस्तान विश्व में सबसे अधिक मौत की सजा सुनाने वाले देशों में एक : रिपोर्ट

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान विश्व मे सबसे अधिक मृत्युदंड देने वाले देशो मे शामिल है। वैश्विक स्तर पर मौत की सजा का सामना कर रहे कैदियो मे 26 प्रतिशत पाकिस्तान मे है। एक गैर सरकारी संगठन द्वारा बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट मे यह जानकारी दी गई। कानूनी कार्वाई समूह जस्टिस प्रोजेक्ट पाकिस्तान (जेपीपी) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट मे कहा है कि 2024 मे कुल 6,161 कैदी मौत की सजा का सामना कर रहे है, जबकि 2023 मे यह संख्या 6,039 थी। यह संख्या पहले के रुझानो से अलग है, जब 2022 मे मौत की सजा का सामना कर रहे लोगो की संख्या 3,226 थी। लाहौर के गैर सरकारी संगठन ने 22 वे विश्व मृत्युदंड विरोधी दिवस पर अपनी वार्षिक रिपोर्ट का तीसरा संस्करण जारी किया है, जिसका शीर्षक है पाकिस्तान मे मृत्युदंड : मृत्युदंड का डेटा विश्लेषण। इस तरह के कैदियो की सबसे अधिक संख्या 2,505 पंजाब प्रांत मे है, जिसके बाद 2,311 कैदी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत मे है। जेपीपी के आंकड़ो से यह भी पता चला है कि पाकिस्तान मृत्युदंड का सबसे अधिक इस्तेमाल करने वाले देशो मे एक है। आंकड़ो मे कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर मौत की सजा का सामना कर रहे कैदियो मे 26 प्रतिशत पाकिस्तान मे है। जेपीपी की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान मे मृत्युदंड पाने वालो का आंकड़ा पूरे विश्व मे 13 प्रतिशत है। गैर सरकारी संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 2004 से अब तक पाकिस्तान मे कम से कम 4,500 लोगो को मौत की सजा सुनाई गई है, यानी औसतन प्रतएक दिन एक व्यक्ति को अदालत ने यह सजा सुनाई। दुनिया भर मे, अदालतो द्वारा मौत की सजा सुनाए जाने वाला हर सातवां व्यक्ति और विश्व भर मे मृत्युदंड पाने वाला हर आठवां व्यक्ति पाकिस्तानी है।

## इनोवेशन के साथ एमेजॉन का विकास में योगदान

**अमेजन।** त्योहारों के अवसर पर एमेजॉन इंडिया अपने कर्मचारियों, सैलर्स, एसोसिएट्स और पार्टनर्स को सम्मानित करता है, जो तीव्र और भरोसेमंद ग्राहक अनुभव प्रदान करने में अपना योगदान देते हैं। सभी के लिए एमेजॉन का अनुभव सुगम बनाने के लिए सैकड़ों-हजारों लोग काम करते हैं। उनमें से एक कंपनी के ग्रोसरी व्यवसाय, एमजॉन फ्रेश के लीडर-कैटेगरी एवं ग्रोथ, अभिषेक जोशी हैं। सेल्स, मार्केटिंग, प्रोडक्ट और कैटेगरी मैनेजमेंट में अपने अनुभव के साथ अभिषेक ने पंद्रह सालों के करियर में अनेक उद्योगों और कंपनियों का विस्तृत ज्ञान प्राप्त किया है।उन्होंने परिवर्तन लाने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। वो एमेजॉन की मार्की ईवेंट, संभव के पहले संस्करण में आयोजक टीम के एक प्रमुख सदस्य थे। यह ईवेंट कंपनी के नेतृत्व, सरकारी अधिकारियों, औद्योगिक नेतृत्वकर्ताओं और एमएसएमई को एक मंच पर लेकर आती है। एक घटना, जिसने अभिषेक के हृदय को छू लिया, एक सैलर की कहानी है, जिसने एमेजॉन मार्केटप्लेस पर सैलिंग करते हुए कोविड-19 महामारी के दौरान अपना व्यवसाय बनाए रखते हुए कई परिवारों को सहारा दिया। लोगों के जीवन और आजीविका पर एमेजॉन के प्रभाव के बारे में अभिषेक ने कहा, ''ये क्षण सबसे ज्यादा संतुष्टि प्रदान करते हैं।

## चीन ने क्षेत्रीय मामलों में हस्तक्षेप के लिए बाहरी ताकतों को दोषी ठहराया

**विएंतियान (लाओस)।** दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के नेताओं ने बृहस्पतिवार को वार्षिक शिखर वार्ता के दौरान विवादित दक्षिण चीन सागर में झड़पों के बाद चीन पर अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने के लिए दबाव दिया लेकिन चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने क्षेत्रीय मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए बाहरी ताकतों को दोषी ठहराया। ली ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के 10 सदस्यीय संघ (आसियान) की बैठक हाल में चीन और आसियान सदस्यों फिलीपीन और वियतनाम के बीच हिंसक झड़पों के बाद हुई। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि संगठन ने दक्षिण चीन सागर में नियंत्रित करने के लिए आचार संहिता पर जल्द निष्कर्ष निकालने का आह्वान किया। आचार संहिता पर बातचीत कई साल से चल रही है, जिसमें कई पेचीदा मुद्दे शामिल है। इनमें इस बात को लेकर असहमति भी शामिल है कि क्या समझौता बाध्यकारी होना चाहिए। इब्राहिम अगले साल आसियान की अध्यक्षता संभालेंगे।

## शांति योजना के लिए समर्थन जुटाने ब्रिटेन और नाटो नेताओं से मिल रहे जेलेंस्की

**लंदन।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के खिलाफ युद्ध के लिए अपनी शांति योजना पर ब्रिटेन और नाटो के नेताओं के साथ बातचीत के लिए बृहस्पतिवार को लंदन पहुंचे।जेलेंस्की ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीअर स्टॉर्मर और नाटो महासचिव मार्क रूत्ते से मुलाकात करेंगे। उसके बाद वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिलने के लिए पेरिस की यात्रा करेंगे।जेलेंस्की ने कहा कि वह योजना पर चर्चा के लिए इस सप्ताह जर्मनी और इटली के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे।जेलेंस्की को जर्मनी में पश्चिमी देशों के नेताओं और रक्षा मंत्रियो के साथ सप्ताहांत बैठक में अपनी योजना का खाका प्रस्तुत करना था लेकिन इस बैठक को स्थगित कर दिया गया क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने फ्लोरिडा में तूफान मिल्टन के दस्तक देने के बाद देश में ही रहने का हवाला दिया था। जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बैठक की तारीख जल्द ही फिर तय कर ली जाएगी।जेलेंस्की की योजना के विवरण को गुप्त रखा गया था हालांकि उसकी रूपरेखा सामने आ गई है, जिसमे 2022 मे शुरू हुए युद्ध के बाद से पश्चिमी सहयोगियों द्वारा विचार किए जा रहे निर्णयों पर त्वरित कार्वाई की आवश्यकता शामिल है।जेलेंस्की ने बुधवार को क्रोएशिया मे दक्षिण-पूर्वी यूरोपीय देशों के नेताओ के साथ एक शिखर सम्मेलन मे कहा कि इस योजना का उद्देश्य रूस के साथ किसी भी तरह की बातचीत से पहले यूक्रेन को भू-राजनीतिक और युद्ध के मैदान दोनों स्तर पर मजबूत बनाना है।

## पख्तूनख्वा में आतंकवादी हमले में दो पुलिसकर्मियों की मौत

**पेशावर।** पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को गश्त के दौरान पुलिस की एक वैन पर संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा घात लगा कर किए गए हमले में कम से कम दो पुलिसकर्मी मारे गए और तीन घायल हो गए। आतंकियों ने टैंक जिले के पठान कोट के पास पुलिस वैन पर घात लगाकर हमला किया। घायलों को जिला मुख्यालय के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को भी अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने आरोपियो की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। फिलहाल किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नही ली है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन खान गंडापुर ने पुलिस वैन पर की गई गोलीबारी की कड़ी निंदा की और दो पुलिस अधिकारियो की मौत पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने मारे गए पुलिसकर्मियो के परिजनो के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की है। पुलिस ने लोगो की जान और संपत्ति की सुरक्षा के लिए अनुकरणीय बलिदान दिया है।

## ताइवान ने चीन की धमकियों के बीच मनाया अपना राष्ट्रीय दिवस

**ताइपे।** ताइवान ने चीन से मिलने वाली धमकियों के बीच बृहस्पतिवार को अपना राष्ट्रीय दिवस मनाया। चीन स्वशासित द्वीपीय गणराज्य को अपना क्षेत्र बताकर उस पर दावा करता रहा है। यह उत्सव चीन गणराज्य की स्थापना का प्रतीक है, जिसने 1911 में छिंग राजवंश को उखाड़ फेंका था। 1949 में गृह युद्ध के बाद माओत्से तुंग के कम्युनिस्टों ने मुख्य भूमि पर कब्जा जमा लिया था। 1980 और 1990 के दशक में पूर्ण लोकतंत्र को अपनाने तक ताइवान में मार्शल लॉ लागू था।

# गाजा में आश्रयस्थल पर इजराइली हमले में 27 मरे

● फलस्तीनी अधिकारी ने दी जानकारी

**भाषा।** दीर अल-बलाह



फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को गाजा में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर इजराइली हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इज़राइली सेना ने बिना कोई सबूत दिए कहा कि उसने आम लोगों के बीच छुपे उग्रवादियों को निशाना बनाया। इजराइल ने फलस्तीनी क्षेत्र में उग्रवादी ठिकानों पर हमले जारी रखे हैं, जबकि उसका ध्यान लेबनान में हिज्बुल्ला के खिलाफ युद्ध और ईरान के साथ बढ़ते तनाव पर केंद्रित है। उसने इस हफ्ते की शुरुआत में उत्तरी गाजा में हमास के विरुद्ध बड़े पैमाने पर हवाई और जमीनी अभियान शुरू किया था। अल-अक्सा शहीदी अस्पताल ने कहा कि दीर अल-बलाह में हुए हमले में एक बच्चे और सात महिलाओं समेत 27 लोगों की मौत हुई है। उसने कहा कि हमले में कई अन्य लोग घायल हुए हैं। एसोसिएटेड प्रेस के एक संवाददाता ने अस्पताल में एक के बाद एक कई एंबुलेंस को आते देखा और शवों की गिनती की। अस्पताल में कई शव क्षत-विक्षत अवस्था में लाए गए थे। एक व्यक्ति ने कहा हम दुनिया से अपील करते हैं। हम मर रहे हैं। इज़राइली सेना ने कहा कि उसने स्कूल के अंदर एक उग्रवादी कमांड और नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाकर हमला किया।

# बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच दुर्गा पूजा उत्सव शुरू

**भाषा।** ढाका

**बांग्लादेश में मंदिरों** और मंडपों में कड़ी सुरक्षा के बीच दुर्गा पूजा उत्सव बुधवार को शुरू हुआ। अंतरिम सरकार ने बृहस्पतिवार को सप्तमी के अवसर पर आधिकारिक अवकाश की घोषणा की। बांग्लादेश में पांच दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव का समापन रविवार को देवी दुर्गा की मूर्तियों के विसर्जन के साथ होगा। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस के रविवार को प्रमुख शक्ति पीठों में से एक ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा करने की उम्मीद है। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद नेता काजोल देबनाथ ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम आज दूसरे दिन (सप्तमी) दुर्गा पूजा उत्सव मना रहे हैं। अभी कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। गत पांच अगस्त को शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर जाने के बाद हुई हिंसा के दौरान अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को निशाना बनाया गया था और उनके व्यवसायों, संपत्ति और धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ व आगजनी की गई थी।

# तूफान मिल्टन ने फ्लोरिडा में मचाई तबाही

**भाषा।** टैम्पा (अमेरिका)

● कम से कम 4 लोगों की मौत

**तूफान मिल्टन** बृहस्पतिवार को अमेरिका के फ्लोरिडा में तबाही मचाने और तेज हवाओं एवं बारिश के साथ शहरों को तबाह करने के बाद, अटलांटिक महासागर में प्रवेश कर गया। तूफान के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हुई है। तूफान (हरीकेन) मिल्टन अंतिम घंटों में दक्षिण की ओर बढ़ गया और बुधवार रात टैम्पा से लगभग 112 किलोमीटर दक्षिण स्थित सिएस्टा तट पर श्रेणी 3 के तूफान के रूप में टकराया। हालांकि, तूफान के कारण बहुत नुकसान हुआ है और जल स्तर कई दिनों तक बढ़ सकता है, लेकिन गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने कहा कि यह सबसे बुरी स्थिति नहीं है। टैम्पा में जिस प्रलयकारी तूफान की आशंका थी, वैसा देखने को नहीं मिला, लेकिन इलाके में अब भी एक बड़ी आपात स्थिति है। तूफान के कारण इलाके के कुछ हिस्सों में 18 इंच (45 सेंटीमीटर) बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने कहा है कि खतरा अभी टला नहीं है और फ्लोरिडा के पूर्वी-मध्य तट के अधिकांश भाग और जॉर्जिया के उत्तर में तूफानी लहरों की चेतावनी जारी की गई है। दक्षिण कैरोलिना के तट पर उष्णकटिबंधीय तूफान की चेतावनी जारी की गई है। तूफान के कारण फ्लोरिडा के एक बड़े हिस्से में बिजली गुल हो गई, जिससे 32 लाख से अधिक घरों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। फ्लोरिडा के अटलांटिक तट पर फोर्ट पियर्स के पास स्थित स्पेनिश लेक्स कंट्री क्लब को भारी नुकसान पहुंचा है, जहां कई मकान नष्ट हो गए और कुछ निवासियों की मौत हो गई। सेंट लूसी काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि वहां आए तूफान में चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने फ्लोरिडा के 15 इलाकों को खाली करने के आदेश जारी किए, जिनकी कुल आबादी लगभग 72 लाख है।

# दुबई शॉपिंग फेस्टिवल की फिर वापसी

**दुबई।** फेस्टिवल्स एंड रिटेल एस्टैब्लिशमेंट (डीएफआरई) ने अपने प्रतिष्ठित दुबई शॉपिंग फेस्टिवल (डीएसएफ) के सबसे शानदार और अविस्मरणीय 30वें संस्करण के लिए दिन-प्रतिदिन चलने वाले उत्सवों की शुरुआत करने के लिए एक लाइव एंटरटेनमेंट लाइन-अप की घोषणा की है। उत्साह से भरपूर 38 दिनों के लिए इस शानदार फेस्टिवल के इतिहास के सबसे असाधारण सीज़न की शुरुआत के साथ, डीएसएफ के उद्घाटन सप्ताहांत में बेहद लोकप्रिय 321 फेस्टिवल की बहुप्रतीक्षित वापसी होगी, जो दो नए और रोमांचक स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। 6-8 दिसंबर तक कोका-कोला एरिना में बड़े और शानदार ए-लिस्ट कंसर्ट्स और स्टार-स्टडेड परफॉरमेंस का एक भव्य आयोजन होगा, जो 321 फेस्टिवल डीएसएफ की स्टाइलिश शुरुआत का जश्न मनाने के लिए दुबई को एकजुट करेगा। इसके अलावा, 321 का जश्न सिटी वॉक में पहली बार विस्तारित होगा, जहां फ्री-टू-अटेंड इंटरटेनमेंट की सुविधा होगी, जिससे सभी के लिए एक शानदार सप्ताहांत का आयोजन होगा।सभी उद्घाटन सप्ताहांत की गतिविधियों के केंद्र में कोका-कोला एरिना, दुबई का लाइव एंटरटेनमेंट होम, 3 शानदार शामों के लिए बेहद लोकप्रिय अरब, दक्षिण पूर्व एशियाई, और पश्चिमी सुपरस्टार्स की धमाकेदार परफॉरमेंस की मेजबानी करेगा, जो बेहतरीन मनोरंजन और यादगार पलों का अनुभव प्रदान करेगा। इस अद्वितीय कॉन्सर्ट सीरी? की शुरुआत 6 दिसंबर को अरब संगीत के दो महान दिग्गजों, जॉर्जेस वासौफ और कदीम अल साहिर द्वारा होगी, जो अपनी सुरली आवाज़ और सबसे पसंदीदा हिट्स के साथ एक मनमोहक संगीत यात्रा पर ले जाएंगे। अब टिकट उपलब्ध हैं, जिससे शहर में सबसे अच्छी सीट पाने का यह सुनहरा मौका न चूकें। शेष सप्ताहांत के कलाकारों की घोषणा जल्द की जाएगी। सिटी वॉक भी पहली बार 321 समारोह में भाग लेगा, जहां फ्री घूमने-फिरने के लिए आउटडोर इंटरटेनमेंट, अद्वितीय गतिविधियाँ और बहुत कुछ शामिल होगा, जो डीएसएफ के इस ऐतिहासिक 30वें संस्करण में और भी रोमांच जोड़ेंगे। परिवार के हर सदस्य के लिए बहुत सारी चीजें मुफ्त देखने और करने के लिए उपलब्ध होंगी, जिससे डीएसएफ के उद्घाटन सप्ताहांत के दौरान यह जगह हर किसी के लिए विशेष होगी। इसके अलावा, आगंतुक कॉन्सर्टसे पहले और डीएसएफ के उद्घाटन सप्ताहांत में सिटी वॉक के शीर्ष भोजनालयों पर बेहतरीन ऑफ़र का आनंद ले सकते हैं।

# साहित्य का नोबेल पुरस्कार दक्षिण कोरियाई लेखिका हान कांग को

**स्टाकहोम।** इस वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार के लिए दक्षिण कोरियाई लेखिका हान कांग (53) को चुना गया है। नोबेल समिति ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। स्वीडिश अकादमी की नोबेल समिति के स्थाई सचिव मैट्स माल्म ने यहां इस पुरस्कार की घोषणा की। नोबेल समिति के अनुसार हान कांग के गहन काव्यात्मक गद्य के लिऐ यह सम्मान दिया जाएगा जिसमें ऐतिहासिक आघातों और मानव जीवन की नाजुकता को रेखांकित किया गया है। नोबेल समिति के अध्यक्ष एंडर्स ओल्सन ने अपने पात्रों खासकर कमजोर महिलाओं के प्रति सहानुभूति के लिए हान की सराहना की।ओल्सन ने कहा, शरीर और आत्मा, जीवित और मृत के बीच के संबंधों के बारे में उनकी चेतना अनूठी है, और अपनी काव्यात्मक एवं प्रयोगात्मक शैली में वह समकालीन गद्य की प्रणेता हैं।नोबेल साहित्य समिति की सदस्य अन्ना-करिन पाम ने कहा कि हानै व्यापक पद्यात्मक गद्य लिखती हैं जो कोमल और निर्मम दोनों है, और कभी-कभी वह थोड़ा अतियथार्थवादी भी है। हान नोबेल साहित्य पुरस्कार जीतने वाली पहली एशियाई महिला और दक्षिण कोरिया की पहली साहित्यकार हैं। वह नोबेल पुरस्कार जीतने वाली दूसरी दक्षिण कोरियाई नागरिक हैं। इससे पहले दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति किम दाए-जंग को 2000 में शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें दक्षिण कोरिया में लोकतंत्र बहाल करने और प्रतिद्वंद्वी देश उत्तर कोरिया के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया था।हान को 2016 में उनकी कृतिै द वेजिटेरियनै के लिए अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

# एक्सईसी: नए कोविड स्वरूप के बारे में भी जानना चाहिए

**भाषा।** ग्लासगो

**कन्वरसेशन ) कोविड का** एक नया स्वरूप तेजी से फैल रहा है और जल्द ही यह दुनिया भर में सबसे ज़्यादा फैलने वाला स्वरूप बन सकता है। एक्सईसी नामक इस स्वरूप का सबसे पहले अगस्त में जर्मनी में पता चला था और ऐसा लगता है कि यह अन्य प्रचलित स्वरूपों की तुलना में ज़्यादा तेज़ी से फैल रहा है- लेकिन यह कोई बहुत अलग प्रकार का नहीं है। एक्सईसी को रीकॉम्बिनेंट वेरिएंट के रूप में जाना जाता है। रीकॉम्बिनेंट स्वाभाविक रूप से तब किसी व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है जब कोई व्यक्ति एक साथ दो अलग-अलग कोविड स्वरूप से संक्रमित होता है। एक्सईसी केएस.1.1 स्वरूप और केपी.3.3 स्वरूप के बीच पुनर्संयोजन (दो स्वरूपों के बीच आनुवंशिक सामग्री के आदान-प्रदान किए गए टुकड़े) का उत्पाद है। इन दो मूल स्वरूपों का आपस में काफी निकट संबंध है। दोनों जेएन.1 से विकसित हुए हैं, जो 2024 की शुरुआत में दुनिया भर में प्रमुख स्वरूप था। सबसे पहले एक्सईसी के बारे में अगस्त 2024 के शुरू में जर्मनी और कुछ अन्य यूरोपीय देशों में जानकारी सामने आई थी, लेकिन तब से इसका प्रसार जारी है तथा यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के 27 देशों में इसके 600 से अधिक मामले सामने आए हैं। वैज्ञानिक गिसेड नामक सार्वजनिक डेटाबेस का उपयोग करके एक्सईसी मामलों की पहचान करते हैं, जिसमें विश्लेषण के लिए वायरस के आनुवंशिक अनुक्रम अपलोड किए जाते हैं। यहीं पर सार्स-कोव-2 (वह वायरस जो कोविड का कारण बनता है) में उत्परिवर्तन का पता चलता है। लेकिन यह कुछ-कुछ वैसा ही है जैसे कोई शराबी अपनी खोई हुई चाबियाँ स्ट्रीट लैंप के नीचे ढूँढ़ रहा हो क्योंकि वहाँ सबसे अच्छी रोशनी होती है। दूसरे शब्दों में, नए स्वरूप के ज़्यादा मामले उन देशों में देखे जाते हैं जो आम तौर पर नियमित निगरानी कार्यक्रमों के ज़रिए ज़्यादा नमूने लेते हैं।18 सितंबर तक जिन देशों में सबसे ज़्यादा एक्सईसी मामले पहचाने गए हैं, वे हैं अमेरिका (118), जर्मनी (92), ब्रिटेन (82), कनाडा (77) और डेनमार्क (61)। बेशक, ए संख्या उन देशों में ज़्यादा हो सकती है जो नियमित रूप से कोविड नमूनों का अनुक्रम नहीं करते हैं। वर्तमान में, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में प्रमुख स्वरूप केपी.3.1.1 है, जबकि इससे निकट संबंध रखने वाला केपी.3.3 एशिया में मौजूद प्रमुख स्वरूप है। एक्सईसी एक अल्पसंख्या वाला स्वरूप है और इसकी मौजूदगी जर्मनी में सबसे अधिक है, जहां लगभग 13 प्रतिशत अनुक्रम संभावित रूप से एक्सईसी हैं।

### हीमोफीलिया को प्रोफिलैक्सिस से इलाज संभव

हीमोफीलिया एक दुर्लभ वंशानुगत रक्त विकार है, जिसके कारण रक्त का थक्का जम जाता है और यह मुख्य रूप से पुरुषों को प्रभावित करता है। इस स्थिति के कारण चोट लगने या सर्जरी के बाद अत्यधिक रक्तस्राव होता है। रक्तस्राव आंतरिक रूप से भी हो सकता है, जैसे कि जोड़ों, मांसपेशियों या मस्तिष्क जैसे अंगों में, जो जानलेवा हो सकता है। बच्चे इसके प्रभाव के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं।भारत में हीमोफीलिया से पीड़ित लोगों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है, जिसमें लगभग 1,36,000 व्यक्ति हीमोफीलिया ए से प्रभावित हैं। हालाँकि, वर्तमान में केवल लगभग 21,000 पंजीकृत हैं। संतोष जायसवाल, हीमोफीलिया फेडरेशन इंडिया और पेशेंट एडवोकेसी ग्रुप, रांची के कार्यकारी सदस्य और हीमोफीलिया के मरीज हैं। जून 2023 में, उन्हें एक गंभीर दुर्घटना का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप कई फ्रैक्चर हो गए, जिससे उनकी मांसपेशियां कमजोर हो गईं और प्रोफिलैक्सिस उपचार पर होने के बावजूद ठीक होने में देरी हुई। मार्च 2024 तक, उनकी हालत इस हद तक बिगड़ गई थी कि उन्हें चलने-फिरने के लिए भी दूसरों की मदद की जरूरत पड़ती थी। हालांकि, अप्रैल 2024 में एमिसिज़ुमैब पर स्विच करने के बाद, उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ, जिससे वे स्वतंत्र रूप से चलने और यात्रा करने में सक्षम हो गए। एमिकिज़ुमैब जैसी गैर-कारक चिकित्सा के नियमित रोगनिरोधी उपचार का सबसे बड़ा लाभ यह है कि वे लंबे समय तक चलते हैं, जो केवल एक खुराक के साथ पूरे एक महीने तक रक्तस्राव से सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके विपरीत, पारंपरिक कारक उपचार केवल 24 घंटों के लिए चरम पर होते हैं, और एक बार जब कारक स्तर तीन प्रतिशत से नीचे चला जाता है, तो रक्तस्राव का जोखिम वापस आ जाता है। इसके अतिरिक्त, गैर-कारक उपचारों को इंसुलिन के समान त्वचा के नीचे इंजेक्ट किया जा सकता है, जिससे वे विशेष रूप से बच्चों के लिए अधिक सुविधाजनक हो जाते हैं।

# ब्रूक और रूट की रिकॉर्ड पारियों से इंग्लैंड जीत के करीब

● पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट

भाषा। मुल्तान



**हैरी ब्रूक** ने टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे तेज तिहरा शतक जड़ा जबकि जो रूट ने अपने करियर का सर्वोच्च स्कोर बनाया जिससे इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ गुरुवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर समाप्त घोषित की।ब्रूक ने 322 गेंद पर 29 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 317 रन बनाए जबकि रूट ने 375 गेंद पर 262 रन की पारी खेली जिसमें 17 चौके शामिल हैं। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 454 रन जोड़े जो इंग्लैंड की तरफ से नया रिकॉर्ड है। पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए थे लेकिन दूसरी पारी में उसके बल्लेबाज लड़खड़ा गए। पाकिस्तान ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 152 रन बनाए हैं और उसे पारी की हार से बचने के लिए 115 रन की जरूरत है। यह टेस्ट क्रिकेट में केवल चौथा अवसर है जबकि किसी टीम ने एक पारी में 800 से अधिक रन बनाए। वर्तमान सदी में ऐसा पहली बार हुआ। इससे पाकिस्तान की टीम दबाव में आ गई और दूसरी पारी में उसकी बल्लेबाजी बुरी तरह चरमरा गई। क्रिस वोक्स ने पारी की पहली ही गेंद पर अब्दुल्ला शफीक का ऑफ स्टंप उखाड़ दिया था। इसके बाद पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन (2-28) और ब्रायडन कार्स (2-39) ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी को ध्वस्त करने में अहम भूमिका निभाई। अगर शोएब बशीर ने अमीर जमाल का आसान कैच नहीं छोड़ा होता तो पाकिस्तान की स्थिति और बदतर होती। दिन का खेल समाप्त होने के समय जमाल 27 और सलमान अली आगा 41 रन बनाकर खेल रहे थे।

## निजी कारणों से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एक टेस्ट से बाहर हो सकते हैं रोहित

भाषा। नई दिल्ली

**भारत को** आस्ट्रेलिया में पहले दो टेस्ट मैच में से एक के दौरान निजी कारणों से कप्तान रोहित शर्मा की सेवाओं की कमी खल सकती है क्योंकि उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इसकी जानकारी दे दी है। भारतीय टीम आस्ट्रेलिया में 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में हिस्सा लेगी और ऐसी संभावना है कि रोहित पहले टेस्ट या फिर एडिलेड (छह से 10 दिसंबर) में होने वाले दूसरे मैच में नहीं खेल पाएं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, स्थिति के बारे में कोई पूरी तरह से स्पष्टता नहीं है। पता चला है कि रोहित ने बीसीसीआई को सूचित किया है कि ऐसी संभावना हो सकती है कि एक निजी मामले के कारण उन्हें श्रृंखला की शुरुआत में दो टेस्ट में से एक को छोड़ना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, अगर श्रृंखला शुरू होने से पहले निजी मसला सुलझ जाता है तो वह सभी पांच टेस्ट मैच खेल सकते हैं।

# खेल जगत ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

भाषा। मुंबई

**सर दोराबजी** टाटा द्वारा 1920 एंटवर्प ओलंपिक में चंद भारतीय खिलाड़ियों का खर्च उठाने से लेकर अब तक टाटा समूह भारतीय खेलों में अपना योगदान देते आया है और खेलों को जीवनशैली का हिस्सा मानने वाले रतन टाटा ने तो कई खेलों को बढावा देने में आधार स्तंभ की भूमिका निभाई। टाटा समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा का बुधवार देर रात मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। वह पिछले कुछ दिनों से ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन से समूचे भारत में शोक की लहर है और खेल जगत भी इससे अछूता नहीं है। इंडियन प्रीमियर लीग के टाइटल प्रायोजन से लेकर तीरंदाजी जैसे कम लोकप्रिय खेल की मदद करने, इंडियन सुपर लीग में फुटबॉल टीम खरीदने से लेकर शीर्ष शतरंज टूर्नामेंट के प्रायोजन तक, टाटा समूह भारत में खेलों के इकोसिस्टम से गहराई से जुड़ा रहा है। यह जुड़ाव रतन टाटा के कार्यकाल में कई गुना बढा। जमशेदपुर में 1991 में स्थापित जेआरडी टाटा खेल अकादमी से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, उनका हमेशा से मानना था कि खेल जीवनशैली का हिस्सा है और हमने भी इसका अनुकरण किया। हम फुटबॉल, हॉकी, तीरंदाजी, घुड़सवारी, कराटे समेत 19 खेलों से जुड़े रहे हैं। सर दोराबजी टाटा भारतीय ओलंपिक संघ (1924) के पहले अध्यक्ष थे। उन्होंने ट्रैक और फील्ड में चार और कुश्ती में दो भारतीय खिलाड़ियों को एंटवर्प ओलंपिक भेजने का खर्च उठाया और पुणे में उनके ट्रायल आयोजित करने में भी मदद की। शतरंज का विम्बलडन कहा जाने वाला टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट हर साल नीदरलैंड के विज्क आन जी में खेला जाता है। पांच बार के विश्व चैम्पियन भारत के महान शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने एक्स पर लिखा, अत्यंत दु:ख के साथ हम उद्योग और परोपकार के दिग्गज को अलविदा कह रहे हैं। हमने एक साथ अपना पद्म विभूषण पाया और मैं उनकी विनम्रता और सौम्य स्वभाव से काफी प्रभावित हुआ। उन्होंने लिखा, शतरंज जगत उन परंपराओं का बहुत आभारी है जो टाटा समूह से करीब से जुड़ी हैं। हालैंड में टाटा स्टील शतरंज ने हम खिलाड़ियों को काफी गौरवान्वित किया। खासकर जब कोरस से टाटा ने इसका प्रायोजन लिया और बाद में टाटा स्टील शतरंज इंडिया के साथ नई परंपरा शुरू की। आनंद ने लिखा, शतरंज जगत और मैं रतन टाटा को श्रृद्धांजलि देते हैं जिन्होंने हम सभी के जीवन को छुआ और समाज के भले के लिए हमेशा खड़े रहे।

### कपिल देव ने टाटा की विनम्रता को याद किया

**नई दिल्ली।** भारत के 1983 विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा को उनकी विनम्रता और जानवरों के प्रति प्रेम के लिए याद करते हुए कहा कि वह स्वतंत्रता के बाद की देश की शीर्ष 10 हस्तियों मे शामिल रहेंगे। इंडिया इंक के दिग्गज और टाटा समूह के प्रमुख रतन टाटा का बुधवार को मुंबई मे निधन हो गया। कपिल ने कहा, स्वतंत्रता के बाद से अगर हमें 10 महान हस्तियों को चुनना है तो वह इसमें नीचे नही बल्कि सबसे ऊपर होंगे। उन्होने एक उदाहरण पेश किया कि कैसे एक उद्योग बनाया जाना चाहिए और यह भी अपने लिए नही बल्कि देश के लिए। कपिल ने कहा, मै उनसे कई बार मिला हूं। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत अच्छा था और उन्हे जानवरों से बहुत प्यार था, मुझे सबसे ज्यादा यही पसंद था। उनकी मानवता और विनम्रता ने उन्हे ऐसा बनाया। आप हमेशा अच्छे लोगों को याद रखते है।

### पूजा और रश्मिका आईटीएफ मैसुरु ओपन के क्वार्टरफाइनल में

**मैसुरु।** भारत की गैर वरीय पूजा इंगाले ने बृहस्पतिवार को यहां आठवी वरीयता प्राप्त हमवतन हुमेरा भारमस को हराकर आईटीएफ मैसुरु ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। पूजा ने अपनी युगल जोड़ीदार हुमेरा को 5-7, 6-3, 7-6 (6) से शिकस्त दी और अब उनका सामना दूसरी वरीय अमेरिका की जेसी एने से होगा जिन्होने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाली साहिरा सिंह को हराया। शीर्ष वरीय श्रीवल्ली रश्मिका भामीदिपति को तनीषा कश्यप को 6-1, 6-3 से हराने में जरा भी मशक्कत नही करनी पड़ी।

### विस्ट्रॉन में दीक्षा की निराशाजनक शुरुआत

**ताओयुआन (चीनी ताइपे)।** भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने ताइवान एलपीजीए टूर पर विस्ट्रॉन लेडीज ओपन टूर्नामेंट के पहले दौर में छह ओवर 78 का कार्ड खेलकर निराशाजनक प्रदर्शन किया जिससे वह संयुक्त 97वें स्थान पर बनी हुई हैं। वही स्विट्जरलैंड की खिलाड़ी चियारा टम्बुरलिनी और चोनलाडा चायनुन ने छह अंडर पार से संयुक्त पहले स्थान पर बनी हुई हैं। दीक्षा ने दसवें होल पर शुरुआत बोगी से की और फिर 18वें होल पर डबल बोगी कर गई। उन्होंने तीसरे होल पर दिन की एकमात्र बर्डी लगाने के बाद चौथे होल पर ट्रिपल बोगी और आठवे होल पर बोगी कर दी।

### जोशी मकाऊ ओपन में भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ संयुक्त 19वें स्थान पर

**मकाऊ।** भारतीय गोल्फर खालिन जोशी ने बृहस्पतिवार को यहां एसजेएम मकाऊओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दिन बोगी मुक्त दौर खेला जिसमे दो बर्डी शामिल थी जिससे वह संयुक्त 19वे स्थान पर बने हुए है। जोशी ने फ्रंट नाइन और बैक नाइन पर एक एक बर्डी लगाकर दो अंडर 68 का कार्ड खेला जिससे वह भारतीयो मे सर्वश्रेष्ठ स्थान पर बने हुए है। अन्य भारतीयो मे एसएसपी चौरसिया संयुक्त 36वे स्थान पर है। हनी बेसोया, करणदीप कोचर, वरूण चोपड़ा और सप्तक तलवार इवन पार 70 के कार्ड से संयुक्त 56वे स्थान पर बने हुए है।

### भारत में अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी की वापसी

**बेंगलुरु।** भारत मे 14 साल बाद अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी टूर्नामेंट की वापसी होगी जिसमें एशियाई स्तर की शोजंपिंग प्रतियोगिता एशियाई घुड़सवारी महासंघ कप (युवा) का आयोजन 11 से 13 अक्टूबर तक किया जाएगा। भारतीय घुड़सवारी महासंघ ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। मेजबान भारत सहित कुल 11 देश बेंगलुरु मे प्रतिस्पर्धा करेंगे। ई सूर्या आदित्य और अविक भाटिया भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

### स्वदेश लौटेगी पाक कप्तान फातिमा सना

**दुबई।** पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले महिला टी20 विश्व कप के महत्वपूर्ण मैच मे नही खेल पाएगी क्योंकि वह अपने पिता के निधन के कारण स्वदेश लौट रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि वह फातिमा की जल्द से जल्द स्वदेश लौटने की व्यवस्था कर रहा है। उनके पिता का गुरुवार की सुबह निधन हो गया था। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले मैच मे नही खेल पाएगी।

# करिश्मा के चार विकेट, वेस्टइंडीज दहाड़ा

## विश्व कप : महिला टीम ने बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया

भाषा। शारजाह



**वेस्टइंडीज ने ऑफ** स्पिनर करिश्मा रामहैरक (17 रन देकर चार विकेट) की करिश्माई गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से बृहस्पतिवार को यहां महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में बांग्लादेश को 43 गेंद रहते आठ विकेट से से शिकस्त दी। वेस्टइंडीज की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह चार अंक लेकर 1.708 के नेट रन रेट के आधार पर ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है जिससे उसकी सेमीफाइनल की संभावनाएं मजबूत हुई। वहीं इस हार से बांग्लादेश का नेट रन रेट -0.835 हो गया। बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद आठ विकेट पर 103 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज ने 12.5 ओवर में दो विकेट पर 104 रन बनाकर जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज के लिए कप्तान हैली मैथ्यूज 22 गेंद में 34 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। स्टेफनी टेलर ने रिटायर्ड हर्ट होने से पहले 27 रन और शमैन कैंपबेल ने 21 रन बनाए। डायंड्रा डोटिन ने सात गेंद में दो छक्के और एक चौके से नाबाद 19 रन बनाए। डायंड्रा ने 13वें ओवर में दो गगनदाई छक्के जड़कर वेस्टइंडीज को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले बांग्लादेश की बल्लेबाजी इकाई पिछले दो मैचों की तरह इस मुकाबले में भी रन जुटाने में विफल रही जिसमें कप्तान निगार सुल्ताना 39 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। उनके अलावा दिलारा अख्तर ने 19 रन का योगदान दिया। शोभना मोस्तारी ने बांग्लादेश को स्कॉटलैंड के खिलाफ प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने में मदद की थी और इंग्लैंड के खिलाफ 44 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रही थीं। लेकिन वह 16 रन ही बना सकीं। वेस्टइंडीज के लिए करिश्मा के अलावा ऐफी फ्लेचर ने 25 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। कप्तान हेली मैथ्यूज को एक विकेट मिला। कप्तान मैथ्यूज ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को बल्लेबाजी का न्योता दिया और उसकी गेंदबाज करिश्मा ने अपने दो ओवरों में एक एक विकेट झटककर अच्छी शुरूआत की। बांग्लादेश की सलामी बल्लेबाज साथी रानी को स्टंप आउट कराने के बाद करिश्मा ने दिलारा अख्तर (19 रन) को बोल्ड कर दिया।

## भारत दौरे पर अपने तरीके से टीम को तैयार करेंगे कीवी कप्तान लाथम

**वेलिंगटन।** न्यूजीलैंड के नए टेस्ट कप्तान टॉम लाथम ने कहा कि वह कार्यवाहक से पूर्णकालिक कप्तान बनने को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि इससे भारत दौरे के लिए अपने तरीके से टीम तैयार कर सकेंगे। पिछले नौ मैचों में न्यूजीलैंड के कप्तान रहे लाथम को पिछले सप्ताह टिम साउदी के कप्तानी छोड़ने के बाद पूर्णकालिक कप्तान बनाया गया है। वह 16 अक्टूबर से भारत में शुरू हो रही तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में टीम के कप्तान होंगे। 32 वर्ष के लाथम ने कहा, पूर्ण कालिक कप्तान बनना खास अहसास है। वह बहुत सम्मान की बात है। मैं पहले कार्यवाहक कप्तान रह चुका हूं लेकिन अब हालात अलग है। अब मैं अपने तरीके से कुछ चीजें कर सकता हूं। एक टेस्ट टीम के तौर पर हमने अतीत में अच्छा प्रदर्शन किया है।

## क्विक न्यूज

### बांग्लादेश में अशांति के दौरान खामोश रहने पर शाकिब ने मांगी माफी, लौट सकते हैं स्वदेश

**नई दिल्ली।** बांग्लादेश के महान क्रिकेटर शाकिब अल हसन ने पदच्युत प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ नागरिक अशांति के दौरान खामोश रहने के लिए माफी मांगी है जिससे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बांग्लादेश मे उनके विदाई टेस्ट खेलने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। शाकिब 21 अक्टूबर से मीरपुर में शुरू हो रहे पहले टेस्ट के बाद इस प्रारूप से विदा लेना चाहते है। चटगांव मे दूसरा टेस्ट भी होगा लेकिन माना जा रहा है कि वह पहला मैच खेलकर अमेरिका चले जाएंगे जहां वह अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहते है। शाकिब ने फेसबुक पर लिखा, मैं उन सभी छात्रों को श्रृद्धांजलि देता हूं जिन्होंने पक्षपात विरोधी आंदोलन की अगुवाई की और अपनी जान गंवा दी या घायल हो गए। बांग्लादेश मे हत्या के एक मामले मे आरोपी शाकिब ने कहा, प्रियजनों को खोने की क्षति की कोई भरपाई नही कर सकता। बच्चे या भाई को खोने की कमी कोई पूरी नही कर सकता।

### स्मृति और मैं पूर्व निर्धारित योजना के साथ नहीं उतरते, इससे मदद मिली : शेफाली

**दुबई।** भारतीय बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने कहा कि वह और उनकी सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना किसी विशेष प्रकार की गेंदबाजी के लिए मैदान पर पूर्व निर्धारित योजना के साथ मैच मे नही उतरती जिससे उन्हें सफलता हासिल करने मे मदद मिली है। शेफाली ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, जैसा कि आपने कहा कि हमारा संयोजन बहुत अच्छा है। अब हम पहले से तय नही रहते। जो भी उस दिन गेंद से बल्ला अच्छी तरह कनेक्ट कर रहा होता है तो हम उसे ज्यादा गेंद खेलने देते है। उन्होंने कहा, अभी वह स्पिनरों को बहुत अच्छी तरह से हिट कर रही है। इसलिए यह अच्छी बात है। और हम दोनों ही जितना हो सके उतनी अच्छी शुरुआत देने की कोशिश करते है। टीम के लिए अच्छी पारी बनाना और अच्छा लक्ष्य देने की कोशिश करते है।

### उषा ने अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को अवैध घोषित किया, चौबे को लताड़ा

**नई दिल्ली।** भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने गुरुवार को आईओए स्टाफ को संयुक्त सचिव कल्याण चौबे और कार्यकारी परिषद के बाकी सदस्यों से कोई भी निर्देश लेने से रोक दिया। उन्होंने इसके साथ ही 25 अक्टूबर को होने वाली विशेष आमसभा (एसजीएम) के लिए चौबे द्वारा घोषित किए गए एजेंडा को अवैध और अनधिकृत करार दिया। चौबे ने बुधवार को आईओए के आधिकारिक लेटरहेड पर एक सर्कुलर जारी किया जिसमें 25 अक्टूबर को होने वाली आमसभा की बैठक के लिए 26 एजेंडा शामिल किए गए थे। इनमें कथित संवैधानिक उल्लंघनों से जुड़े मामलो के लिए उषा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का विषय भी शामिल है। चौबे ने आईओए के संयुक्त सचिव और कार्यवाहक सीईओ के रूप में इस पर हस्ताक्षर किए थे। उषा ने घोषणा की कि चौबे कार्यवाहक सीईओ के पद पर नही है। जनवरी मे रघुराम अय्यर के पद संभालने से पहले चौबे ने आईओए के कार्यवाहक सीईओ के रूप मे कार्य किया था।

### रेड्डी ने हरफनमौला प्रदर्शन का श्रेय गंभीर को दिया

**नई दिल्ली।** बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 मे भारत की 86 रन से जीत मे बल्ले और गेंद से योगदान देने वाले हरफनमौला नीतिश कुमार रेड्डी ने इसका श्रेय मुख्य कोच गौतम गंभीर को देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य बांग्लादेशी स्पिनरों को निशाना बनाना था।पिछली बार जब दोनों टीमो का मुकाबला यहां हुआ था तब भारत को बांग्लादेश ने हराया था। दूसरे टी20 में भी पावरप्ले में भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज आउट हो गए थे लेकिन रेड्डी और रिंकू सिंह ने टीम को जीत तक पहुंचाया। दोनो ने चौथे विकेट के लिए 49 गेंद मे 108 रन की साझेदारी की। रेड्डी ने 34 गेंद मे सात छक्कों और चार चौकों की मदद से 74 रन बनाए। रेड्डी ने बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो मे कहा, हम आपस मे यही बात कर रहे थे कि कोई दबाव नही लेना है। हमने स्पिनरों को निशाना बनाने का लक्ष्य रखा था। उन्होने कहा, ईमानदार से कहूं तो इसका श्रेय गौतम सर को जाता है। उन्होंने काफी आत्मविश्वास दिया।

### खेल सुविधा प्रबंधन से बड़े पैमाने पर होता है रोजगार का सृजन : डॉ आनंद किशोर पांडेय

**लखनऊ।** भारत में खेलों को लेकर माहौल बदल रहा है और देश में कई बड़े व महत्वपूर्ण खेलों के टूर्नामेंट भी हो चुके है। इसको देखते हुए खेल सुविधा प्रबंधन व खेलों से जुड़ी व्यवसायिक गतिविधियों पर भी फोकस करना होगा। यह बात खेल प्रमोटर एवं स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया के निदेशक डॉ आनंद किशोर पांडेय ने हाल ही में आईआईटी नई दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड टेक्नोकॉम इंडिया 24 में बोलते हुए कही। उन्होंनेऐंटरप्रेन्योर एसेंसियल फाम इंडिया टू लांच् विषय पर अपने व्याख्यान में उन्होंने बड़े खेल आयोजन के दौरान उससे जुड़ी होने वाली व्यवसायिक गतिविधियों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न सिर्फउभरते हुए खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलता है बल्कि खेल आयोजनों से जुड़ी गतिविधियों के चलते बड़े पैमाने पर रोजगार का भी सृजन होता है।

### पीएमसी व एनएचबी सेमीफाइनल में

**लखनऊ।** वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के तत्वावधान में डीपी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 23वां आदिकवि महर्षि वाल्मीकि टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में पीएमसी और एनएचबी ने जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। चौक स्टेडियम पर तीसरे क्वार्टर फाइनल में पीएमसी ने मैन ऑफद मैच राज के तूफानी शतक से एनसीसी को 109 रन से हराया। पीएमसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर में 7 विकेट पर 189 रन बनाए। राज ने मात्र 30 गेंदों पर 14 छक्के व दो चौके से 108 रन की तेजतर्रार शतकीय पारी खेली। एनसीसी से तुषार को तीन व हिमांशु को दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में एनसीसी नौ ओवर में 80 रन ही बना सका। तुषार ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए। पीएमसी से रोहित को 5 विकेट एवं राज को दो विकेट की सफलता मिली। बेस्ट कैच का पुरस्कार पीएमसी के अन्नू को मिला। चौथे क्वार्टर फाइनल में एनएचबी ने लवकुश नगर गौरी वारियर्स को 5 विकेट से हराया। जवाब में एनएचबी ने 11.3 ओवर में 5 विकेट पर 129 रन बनाकर मैच जीत लिया।

### एनडीबीजी ने आर एंड एस क्लब को 31 रन से हराया

**लखनऊ।** एनडीबीजी क्लब ने तृतीय राजेश सिंह स्मारक टी.20 नाइट कॉरपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट में आर एंड एस क्लब को 31 रन से हराया। कॅरियर क्रिकेट स्टेडियम पर एनडीबीजी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 6 विकेट पर 171 रन का स्कोर बनाया। आरिफने नाबाद 51ए सलमान रिजवी व अभिषेक पाण्डेय ने 31.31 व गुरबिंदर सिंह ढिल्लो ने 22 रन बनाए। जवाब में आर एंड एस क्लब नौ विकेट पर 140 रन ही बना सका। शहादत ने 22ए जानू राजपूत ने नाबाद 19 जबकि आलोक ओझा व अमिताभ सिंह ने 17-17 रन बनाए। एनडीबीजी क्लब से मैन ऑफद मैच नवीन सिंह ने तीन जबकि मनीष मिश्रा ने दो विकेट हासिल किए।

## समर्थ और ऐश्वर्या फेनेस्टा ओपन के सेमीफाइनल में

**नई दिल्ली।** तीसरे वरीय महाराष्ट्र के समर्थ साहिता और ऐश्वर्या जाधव ने गुरुवार को जीत दर्ज कर फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के अपने वर्ग में जूनियर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। समर्थ ने लड़कों के एकल अंडर 16 वर्ग में अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए दिल्ली के ओजस महलावत को क्वार्टर फाइनल में 6-0, 6-3 से हरा दिया। लड़कियों के एकल अंडर 16 वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त ऐश्वर्या ने तमिलनाडु की दीपशिखा विनयागमूर्ति को 6-1, 6-3 से पराजित कर अंतिम चार में प्रवेश किया। ओडिशा के अहान ने महाराष्ट्र के छठे वरीय पार्थसारथी मुंधे को 6-1, 6-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

# शंघाई में मचाक ने अल्काराज को हराया

● वुहान में सबालेंका आगे बढ़ी

भाषा। शंघाई



**विश्व में दूसरे** नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ का 12 मैचों से चला आ रहा जीत का सिलसिला गुरुवार को शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में टॉमस मचाक से 7-6 (5), 7-5 हार के साथ समाप्त हो गया।चेक गणराज्य के विश्व में 33वें नंबर के खिलाड़ी मचाक का टूर स्तर पर यह केवल तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच था जबकि अल्काराज चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। मचाक सेमीफाइनल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर का सामना करेंगे।सिनर ने पांचवीं रैंकिंग के दानिल मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराकर इस सत्र में पांचवीं बार एटीपी मास्टर्स टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। उन्होंने सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट का सामना किया और रूसी खिलाड़ी को 6-1, 6-4 से शिकस्त दी। वहीं आर्यना सबालेंका ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 35वें स्थान पर काबिज यूलिया पुतिनत्सेवा को1-6, 6-4, 6-0 से हराकर वुहान ओपन में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। बेलारूस की इस खिलाड़ी का इस जीत से डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचना भी सुनिश्चित हो गया। वह इगा स्वियातेक की जगह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनेगी। स्वियातेक ने व्यक्तिगत कारणों से इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया। कोको गॉफ ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले में 17वीं रैंकिंग की मार्टा कास्त्युक को 6-4, 6-1 से शिकस्त देकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

## लक्ष्य सेन आर्कटिक ओपन से बाहर

**वांता (फिनलैंड)।** भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन बृहस्पतिवार को एक गेम की बढ़त गंवाने के बाद प्री क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन से हारकर आर्कटिक ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस 23 साल के भारतीय ने एक घंटे 10 मिनट तक कड़ी मशक्कत की लेकिन सुपर 500 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में सातवें वरीय खिलाड़ी से 21-19 18-21 15-21 से हार गए। भारत के लिए दिन काफी खराब रहा और देश के सभी खिलाड़ी दूसरे दौर में बाहर हो गए। भारतीय क्वालीफायर किरण जॉर्ज को पुरुष एकल स्पर्धा में इंडोनेशिया के पांचवें वरीय जोनाटन क्रिस्टी से 17-21 8-21 से हार मिली। मालविका बंसोड महिला एकल स्पर्धा में रतचानोक इंतानोन से 15-21 8-21 से पराजित हो गई। उन्नति हुड्डा और आकर्षि कश्यप राउंड 16 का मैच गंवा बैठी। उन्नति को कनाडा की मिशेल लि से 10-21 19-21 से और आकर्षि को चीन की दूसरी वरीय हान युए से 9-21 8-21 से पराजय मिली।

## भारतीय पुरुष टीम को एशियाई टेटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक

**नई दिल्ली।** भारतीय पुरुष टीम बृहस्पतिवार को कजाकिस्तान के अस्ताना मे चल रही एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में चीनी ताइपे से 0-3 से हार गई जिससे उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने बुधवार को इसी प्रतियोगिता मे कांस्य पदक जीता था जो 1972 से शुरू हुई इस चैम्पियनशिप के इस वर्ग मे देश का पहला पदक है। विश्व रैंकिंग मे 42वें नंबर पर काबिज दिग्गज अचंता शरत कमल को दुनिया के सातवें नंबर के प्रतिद्वंद्वी लिन युन जू से कड़ी चुनौती मिली और वह 11-7, 12-10, 11-9 से पराजित हो गए। इसके बाद मानव ठक्कर को दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी काओ चेंग-जुई से शिकस्त झेलनी पड़ी। चीनी ताइपे के इस खिलाड़ी ने ठक्कर को 11-9, 8-11, 11-3, 13-11 से हरा दिया।

## मेजर एसडी गोविला अंडर-16 ट्राफी राज्य स्तरीय क्रिकेट में लखनऊ उपविजेता

**लखनऊ।** क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ ;सीएएलद्ध की टीम ने मेजर एसडी गोविला अंडर-16 ट्रॉफी राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में उपविजेता ट्रॉफी अपने नाम की। अलीगढ़ के महुआ खेड़ा स्थित ओजोन सिटी मैदान पर खेले गए फाइनल में कानपुर की चंद्रा क्रिकेट अकादमी ने सीएएल को पांच विकेट से हराकर खिताब जीता। क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 35.3 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 148 रन का स्कोर बनाया। रूद्रांश वार्ष्णेय ने 45 गेंदों पर 8 चौके से सर्वाधिक 43 रन बनाए। उनके अलावा अमन यादव 26 व सम्यक त्रिवेदी -20 ही कुछ प्रतिरोध कर सके। चंद्रा क्रिकेट अकादमी से दीपक यादव ने तीन जबकि सूरज यादव,मनीष कुमार व लक्ष्य मिश्रा ने 2-2 विकेट हासिल किए। जवाब में चंद्रा क्रिकेट अकादमी कानपुर ने 37.1 ओवर में 5 विकेट पर 151 रन बनाकर मैच के साथ विजेता ट्रॉफी जीत ली। सलामी बल्लेबाज तरुण द्विवेदी ने नाबाद 68 रन बनाए जिन्हें मैन ऑफद मैच का पुरस्कार मिला। मनीष कुमार ने 29 रन का योगदान किया। क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ से पवन सिंह व राजवीर सिंह ने दो.दो विकेट हासिल किए। टीम कोच शोएब कमाल ने बताया कि विशेष पुरस्कारों में क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ के सम्यक त्रिवेदी सर्वश्रेष्ठ बैटरए पवन सिंह सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज व इमर्जिंग प्लेयर और यशवर्द्धन नेगी बेस्ट विकेटकीपर चुने गए।

# रणजी ट्राफी : शीर्ष 60 खिलाड़ियों के बिना होगा आधा सत्र, अय्यर-ईशान पर नजरें



**नई दिल्ली।** रणजी ट्रॉफी का 90वां सत्र शुक्रवार से शुरू होगा तो सैकड़ों खिलाड़ी अपने अपने लक्ष्य लेकर मैदान पर उतरेंगे जहां श्रेयस अय्यर अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर को ढर्रे पर लाना चाहेंगे तो ईशान किशन की नजरें अपने बारे में लोगों की धारणा बदलने पर लगी होंगी। आईपीएल के दोनों सितारों को नसीहत देकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सख्त संदेश दिया था कि आईपीएल नीलामी में हाथोंहाथ बिकने वालों को भी देश के क्रिकेट की नींव रणजी ट्रॉफी को सम्मान देना होगा। अय्यर ने भारतीय टीम का हिस्सा बनने से पहले 2015 -16 रणजी सत्र में 1321 रन बनाए थे। वनडे प्रारूप की घटती प्रासंगिकता के बीच अय्यर कैरियर के ऐसे दोराहे पर खड़े हैं जहां चयनकर्ताओं का ध्यान उन पर से हटते देर नहीं लगेगी। वहीं ईशान ने झारखंड की कप्तानी स्वीकार करके चयनकर्ताओं को संकेत दे दिए हैं।रणजी ट्रॉफी में देश के शीर्ष 17-18 खिलाड़ी नजर नहीं आएंगे जो 16 अक्टूबर से सात जनवरी के बीच आठ टेस्ट मैच खेलेंगे। वहीं अगले 18 एक ही दौर में खेल सकेंगे जिसके बाद वे आस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली भारत ए टीम का हिस्सा होंगे। वहीं अगले 15 दक्षिण अफ्रीका में चार मैचों की टी20 श्रृंखला के कारण उपलब्ध नहीं होंगे। इसके बाद के 15 मस्कट में इमर्जिंग एशिया कप टूर्नामेंट खेलेंगे। भारतीय टेस्ट टीम का फलसफा पिछले कुछ साल में काफी बदला है और अब बात सिर्फ रनों या विकेटों की नहीं है। एक पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने कहा, अगर रन या विकेट ही मानदंड होते तो मिलिंद कुमार या जलज सक्सेना भारत के लिए खेल चुके होते। अगर कोई बल्लेबाज एक सत्र में 500 रन ही बनाता है लेकिन उसमें हरी भरी पिच पर बनाया शतक और 60 रन टर्निंग पिच पर है तो उसका नाम भारत ए टीम के लिए चयनकर्ताओं की सूची में जरूर होगा। उन्होंने कहा, इसी तरह अगर एक तेज गेंदबाज बल्लेबाजों की मददगार पिच पर विकेट ले रहा है तो वह ध्यान खींचेगा ही। यह हालात के अनुरूप ढलने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने की बात है। टीमों की बात करें तो मुंबई पर नजरें होंगी जिसके पास अजिंक्य रहाणे, पृथ्वी साव, श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी हैं। सरफराज खान भारतीय टीम के साथ होने के कारण नहीं खेलेंगे तो उनके छोटे भाई मुशीर चोटिल हैं।

## हॉकी इंडिया लीग नीलामी में 1000 से अधिक खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

**नई दिल्ली।** हॉकी इंडिया लीग के लिए 13 से 15 अक्टूबर को यहां होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी में 1000 से अधिक भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। यह लीग सात साल बाद वापसी कर रही है जिसमें पहली बार पुरूषों के साथ महिलाओं की लीग भी खेली जाएगी। हॉकी इंडिया ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरूष वर्ग में आठ टीमों की स्पर्धा के लिए नीलामी 13 और 14 अक्टूबर को होगी जबकि पहली महिला लीग के लिए 15 अक्टूबर को नीलामी होगी। इसमें कहा गया, इस नीलामी के जरिए विश्व की सबसे रोमांचक हॉकी स्पर्धाओं में से एक हॉकी इंडिया लीग ही बहाल नहीं हो रही बल्कि भारत में महिला हॉकी को बढावा देने की दिशा में भी यह बड़ा कदम है। दोनों नीलामियों के लिए 1000 से अधिक खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। पुरूष वर्ग में 400 से अधिक रजिस्टर्ड खिलाड़ी भारतीय हैं जबकि 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। महिला वर्ग में 250 भारतीय और 70 विदेशी खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को तीन बेसप्राइज वर्ग दो लाख, पांच लाख और दस लाख रूपए में रखा गया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।